THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

'आप' सरकार पर लगाया 382 करोड़ के घोटाले का आरोप

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बुधवार को दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के 'स्वास्थ्य मॉडल' पर गंभीर आरोप लगाए। साथ ही कांग्रेस नेता ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए आप सरकार के तहत कथित भ्रष्टाचार को उजागर किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं सबके सामने 'आप के पाप' की पहली कड़ी रखना चाहता हूं। दिल्ली में एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने अपनी पार्टी इसलिए बनाई थी, ताकि वो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ सकें। उस जमाने में केजरीवाल सीएजी रिपोर्ट के आधार पर ही कांग्रेस पर आरोप लगाते थे।

वर्ष-29 अंक : 301 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.9 2081 गुरुवार, 23 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हार के डर से आपदा वाले घोषणाएं कर रहे : पीएम

✲ भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा-वे कहते हैं फिर आएंगे ✲ जनता कहती है फिर खाएंगे

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली भाजपा के कार्यकर्ताओं से कहा-दिल्ली की जनता आपदा का का खेल जान गई है। उनकी पोल खुल गई है। भाजपा की जीत पक्की करने के लिए दिल्ली की जनता निकल पड़ी है। हार के डर से आपदा वाले रोज-रोज नई-नई घोषणा करते हैं। वे नारे लगाते हुए कहते हैं कि फिर आएंगे, फिर आएंगे, लेकिन जनता कहती है कि फिर खाएंगे, फिर खाएंगे। उन्होंने नमो ऐप के जरिए कार्यकर्ताओं से बात करते हुए कह- 5 फरवरी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को पोलिंग बूथ तक पहुंचाना है। ठंड कितनी भी हो, हमें सुबह से ही मतदान की तीव्रता को पहुंचाना है। दिल्ली को आम आदमी पार्टी ने संकट में डाला हुआ है। दिल्ली को आपदा से मुक्त कराना है। ऐसा होगा, तभी दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने का संकल्प सिद्ध होगा।

मोदी ने कहा कि आप भी जानते हैं कि जिनको किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी पूजता है। बीते 10 वर्षों में गरीब से गरीब को भी पक्का घर,मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज जैसी सुविधाएं पहली बार मिली। झुग्गी में रहने वाले साथियों को भाजपा सरकार बड़ी संख्या में पक्के घर दे रही है। आप टीम लीडर हैं, मेहनती हैं तो जरूर लोगों से बातचीत होती होगी। क्या अनुभव रहा।

3 जनवरी को दिल्ली चुनाव के लिए मोदी की पहली रैली

पीएम मोदी ने 3 जनवरी को कहा था कि बीते 10 साल में दिल्ली एक बड़ी आपदा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आपदा में धकेल दिया।

शराब ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, प्रदूषण से लड़ने के नाम पर घोटाला। पीएम ने कहा था- दिल्ली वालों ने आपदा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। वोटर आपदा से दिल्ली को मुक्त करने की ठान चुका है। दिल्ली का हर नागरिक कह रहा है, हर बच्चा कह रहा है, हर गली से आवाज आ रही है-आपदा को नहीं सहेंगे, बदलकर रहेंगे।

जेडीयू ने मणिपुर के प्रदेश अध्यक्ष को हटाया

एनडीए से समर्थन वापस लेने का जारी किया था पत्र

इंफाल, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हिंसाग्रस्त मणिपुर में भाजपा और जेडीयू के समर्थन को लेकर सियासी ड्रामा हुआ। पहले जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष के बीरेन सिंह ने राज्य की भाजपा सरकार से समर्थन वापस लेने की बात कहते हुए राज्यपाल को पत्र लिखा। प्रदेश अध्यक्ष का पत्र सामने आने के बाद जेडीयू ने कार्रवाई की। पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष को पद से हटा दिया। जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष के बीरेन सिंह ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को लिखे पत्र में कहा कि फरवरी-मार्च 2022 में मणिपुर विधानसभा के लिए हुए चुनाव में जेडीयू के छह उम्मीदवार जीते थे। कुछ महीनों के बाद जदयू के पांच विधायक भाजपा में शामिल हो गए। पांचों विधायकों के खिलाफ भारत की दसवीं अनुसूची के तहत स्पीकर न्यायाधिकरण में मुकदमा लंबित है।

पत्र में लिखा गया कि इंडिया ब्लॉक का हिस्सा बनने के बाद जेडीयूने भाजपा नीत सरकार से समर्थन वापस ले लिया गया। अब मणिपुर में जेडीयू के एकमात्र विधायक मोहम्मद अब्दुल नासिर को विधानसभा के अंतिम सत्र में अध्यक्ष द्वारा विपक्ष की बेंच पर बैठाया गया। समर्थन वापसी का बीरेन सिंह सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। क्योंकि 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 37 सीटें हैं और उसे नगा पीपुल्स फ्रंट के पांच विधायकों और तीन निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि यह भ्रामक और निराधार है। पार्टी ने इसका संज्ञान लिया है और पार्टी की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। हमने एनडीए का समर्थन किया है और मणिपुर में एनडीए सरकार को हमारा समर्थन भविष्य में भी जारी रहेगा।

फिजी के प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को बताया दुनिया का 'बॉस'

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। फिजी गणराज्य के प्रधानमंत्री सितिवेनी लिगामामाडा राबुका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया का 'बॉस' करार दिया। फिजी में राज्यसभा सांसद और इंडियन माइनॉरिटी फेडरेशन (आईएमएफ) के कन्वीनर सतनाम सिंह संधू और आईएमएफ के संस्थापक प्रोफेसर हिमानी सूद के साथ बैठक में राबुका ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया के 'बॉस' हैं।

फिजी के प्रधानमंत्री ने सभी का विकास और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के 'सबका साथ सबका विकास' के मंत्र की प्रशंसा करते हुए कहा, मेरा मानना है कि सबका साथ सबका विकास एक बेहतरीन शासन मॉडल है जिसका प्रधानमंत्री मोदी पालन कर रहे हैं, जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी एक साथ आगे बढ़ें और समृद्ध हों। मेरी राय में, दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए इसे वैश्विक स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। फिजी के प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि, मेरे मित्र (पीएम मोदी) हमारी मुलाकात (2023 में) के बाद फिर से (पीएम के रूप में) चुने गए हैं, इसलिए मैं यह सुनिश्चित करना चाहूंगा कि उन्हें यह संदेश मिले कि फिजी अभी भी यहां है। हम अभी भी शांति की अपनी यात्रा के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिस पर वे लंबे समय से चल रहे हैं। हमारी प्रगति और विकास में एकता के विचार सभी विश्व नेताओं के लिए महान आदर्श हैं।

> दिल्ली दंगे के आरोपी ताहिर हुसैन को झटका

अंतरिम जमानत पर एकमत नहीं पीठ

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली दंगे के आरोपी ताहिर हुसैन की अंतरिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की पीठ एकमत नहीं है। दो जजों की पीठ में से एक जस्टिस पंकज मित्तल ने ताहिर हुसैन की याचिका खारिज कर दी। वहीं दूसरे जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने याचिका को मंजूर कर लिया। ताहिर हुसैन आगामी दिल्ली चुनाव में एआईएमआईएम उम्मीदवार है और उसने चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। अब मामला मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के सामने रखा जाएगा और वे मामले पर सुनवाई के लिए नई पीठ का गठन करेंगे।

सुनवाई के दौरान क्या हुआ

जस्टिस पंकज मित्तल ने अपने आदेश में कहा कि 'ताहिर हुसैन की दंगे में अहम भूमिका थी। उसने दंगे के दौरान कमांड सेंटर की तरह काम किया। उसके घर से हथियार बरामद किए गए।' वहीं जस्टिस अमानुल्लाह ने अपने आदेश में कहा कि 'ताहिर हुसैन बीते पांच साल से जेल में बंद है और समाज और मतदाताओं से कटा हुआ है। ऐसे में अब चुनाव में जितने भी दिन बचे हैं, उसे प्रचार की मंजूरी दी जानी चाहिए।' जस्टिस अमानुल्लाह ने ये भी कहा कि उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को नामांकन के लिए कस्टडी पैरोल दी थी। उच्च न्यायालय को इस मामले को सुलझाना चाहिए। ताहिर हुसैन की जमानत याचिका का विरोध करते हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि 'आरोपी चुनाव प्रचार के दौरान गवाहों को प्रभावित कर सकता है।' उन्होंने कहा कि ताहिर हुसैन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी आरोपी है और उस मामले में उसे जमानत नहीं मिल सकती। ऐसे में वह जेल से बाहर नहीं आ पाएगा। ताहिर हुसैन, आम आदमी पार्टी का पूर्व पार्षद है। फिलहाल वह एआईएमआईएम पार्टी के टिकट पर दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ रहा है। बीती 14 जनवरी को मुस्तफाबाद विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल करने के लिए ताहिर हुसैन को दिल्ली उच्च न्यायालय ने कस्टडी पैरोल दी थी।

लोकतंत्र का मंदिर बन गया है अखाड़ा, मर्यादा और गरिमा नाम की कोई चीज नहीं : जगदीप धनखड़

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप (आईआईडीएल) के छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर विचार रखे। लोकतांत्रिक मूल्यों की वकालत करते हुए वर्तमान राजनीतिक हालातों पर नजर रखकर आगे बढ़ने की सलाह दी। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने संसद की कार्यवाही को बाधित करने वाले विपक्ष को भी खरी-खोटी सुनाई। उपराष्ट्रपति ने कहा, ये दुख की बात है, लोग मर्यादा भूल गए हैं। उन्होंने कहा, लोकतंत्र का मंदिर अब अखाड़ा बन गया है। क्या कुछ देखने को नहीं मिल रहा है, क्या कुछ सुनने को नहीं मिल रहा है। मर्यादा शब्द ही लोग भूल गए हैं, गरिमा नाम की कोई चीज ही नहीं रही है। जिस तरह के दृश्य हम अपनी संसद में देखते हैं, वह निश्चित रूप से देश में किसी के लिए भी प्रेरणादायक नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, हमें लोकतंत्र की जननी होने पर गर्व है, लेकिन जो देखने को मिल रहा है, उसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। देश में राजनीतिक माहौल बेहद चिंताजनक है। राजनीतिक दलों का आपस में कोई सार्थक संवाद नहीं है। वे राष्ट्रवाद, सुरक्षा या विकास के मुद्दों पर विचार-विमर्श नहीं करते हैं। टकराव का रुख मजबूत हो रहा है, अशांति को राजनीतिक रणनीति के तौर पर हथियार बनाया गया है। हर तरफ से जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जाता है, वह न केवल भारतीय मानस को कमजोर करती है, बल्कि हमारी गौरवशाली सभ्यता को भी धूमिल करती है।

इससे पहले जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि राजनीतिक विचारों में अंतर लोकतंत्र की खूबी है, लेकिन इसके लिए राष्ट्रहित की अनदेखी नहीं की जा सकती। हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम किसी भी हाल में राष्ट्रीयता को तिलांजलि नहीं देंगे। अलग-अलग विचार रखना प्रजातंत्र के गुलदस्ते की महक है। राजनीतिक मतांतर प्रजातंत्र की खूबी है। व्यक्तिगत और राजनीतिक हितों के लिए राष्ट्रीय हित को छोड़ना उचित नहीं है। अगर राष्ट्रहित को सर्वोपरि नहीं रखा गया तो राजनीति में मतभेद राष्ट्रविरोधी हो सकते हैं। मेरा मानना है कि ऐसी ताकतें देश के विकास के लिए हानिकारक हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अगले पांच वर्षों के लिए जारी रखने को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को अगले पाच वर्षों के लिए जारी रखने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने वित्तपोषण सीजन 2025-26 के लिए कच्चे जूट के एमएसपी को 5,650 रुपये प्रति क्विंटल मंजूर किया है। मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मिशन ने पिछले 10 वर्षों में ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किए हैं। गोयल ने बताया कि 2021 और 2022 के बीच लगभग 12 लाख स्वास्थ्य कार्यकर्ता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में शामिल हुए और भारत ने इस मिशन के तहत कोविड-19 महामारी से लड़ाई लड़ी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वित्तपोषण सत्र 2025-26 के लिए कच्चे जूट के लिए 5,650 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य को मंजूरी दे दी, जो पिछले एमएसपी से छह प्रतिशत या 315 रुपये अधिक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि नया एमएसपी अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर 66.8 प्रतिशत का लाभ सुनिश्चित करता है और इससे उत्पादकों को लाभ होगा।

बिहार के बाहुबली अनंत सिंह पर 60-70 राउंड फायरिंग

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व विधायक और बाहुबली नेता अनंत सिंह पर बुधवार देर शाम जानलेवा हमला हुआ है। गैंगस्टर सोनू-मोनू ने 60 से %0 राउंड फायरिंग की। हालांकि हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अनंत सिंह मोकामा विधानसभा क्षेत्र के नौरंगा गांव के दौरे पर थे। तभी हमला हुआ। गिरोह के लोगों ने गांव के एक परिवार को जमकर पीटा और घर से बाहर करके ताला लगा दिया था। जब इस बात की खबर अनंत सिंह को हुई तो वे गैंगस्टर के घर पहुंचे। ऐसा बताया जा रहा है कि, अनंत सिंह को घर पर देखकर दोनों भाई सोनू-मोनू फायरिंग करने लगे। हालांकि इस गोलीबारी में अनंत सिंह बाल-बाल बच गए हैं। गोलीबारी के बाद सोनू-मोनू फरार हो गए हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। गोलीबारी की घटना के बाद नौरंगा गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया।

आग की अफवाह पर पुष्पक एक्सप्रेस से पैसेंजर्स कूदे

दूसरे ट्रैक पर आ रही ट्रेन से कट कर 11 की मौत, 40 घायल

जलगांव, 22 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव में बुधवार शाम 4:42 बजे बड़ा ट्रेन हादसा हुआ। यहां पाचोरा स्टेशन के पास माहेजी और परधाड़े के बीच लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैली। इस दौरान किसी यात्री ने चेन पुलिंग कर दी। ट्रेन रुकी और घबराए यात्री कूद गए। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस ने कई यात्रियों को कुचल दिया।

जलगांव एसपी ने 11 लोगों की मौत की पुष्टि की है। 40 पैसेंजर्स के घायल होने की खबर है। सेंट्रल रेलवे के भुसावल डिवीजन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जहां घटना हुई, उस जगह पर शार्प टर्न था। इस वजह से दूसरे ट्रैक पर बैठे पैसेंजर्स को ट्रेन के आने का अंदाजा नहीं लगा। यही वजह रही कि कर्नाटक संपर्क क्रांति से इतनी बड़ी संख्या में लोग कुचले गए।

सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल निला ने बताया, भुसावल से मेडिकल रिलीफ ट्रेन पहुंच चुकी है। घटनास्थल मुंबई से 400 किलोमीटर दूर है।

गाड़ी नंबर 12627 कर्नाटक एक्सप्रेस यशवंतपुर से हजरत निजामुद्दीन जा रही थी। जबकि पुष्पक एक्सप्रेस (12533) लखनऊ से मुंबई जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रेक लगाने पर पुष्पक एक्सप्रेस के पहियों से धुआं निकला था। इसी वजह से ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैली थी। इसी से घबराकर लोग कोच के बाहर कूदे थे।

महाकुंभ अग्निकांड, 10 हिरासत में

117 से पूछताछ : एनआईए-एटीएस के रडार पर 1000 संदिग्ध इनमें 90% गैर हिंदू; खालिस्तानी आतंकियों ने जिम्मेदारी ली थी

वाराणसी, 22 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ मेले में 19 जनवरी को लगी आग की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) ने ली है। इसके बाद यूपी एटीएस और एनआईए अलर्ट हो गई हैं। अब एजेंसियां अग्निकांड में आतंकी कनेक्शन तलाश रही हैं। एजेंसियों ने 1000 संदिग्ध लोगों का मोबाइल नंबर, सोशल मीडिया अकाउंट ट्रेस किया है। सबको नोटिस भी भेजा है। इनमें से 117 लोगों से पूछताछ हो चुकी है। ये सभी घटना के वक्त महाकुंभ के आसपास मौजूद थे। इनमें से 90 फीसदी लोग गैर हिंदू समुदाय के हैं। सूत्रों के मुताबिक, एटीएस ने वाराणसी से 10 लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि इसकी ऑफिशियल पुष्टि नहीं हुई है। इसके अलावा, एटीएस ने मेला क्षेत्र के 600 सीसीटीवी खंगाले हैं। इन फुटेज को फिल्टर किया है। इसमें कुछ संदिग्ध दिखाई दिए हैं। इनकी शिनाख्त के लिए 8 टीमों को लगाया गया है। एटीएस ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार जैसे कई राज्यों की पुलिस को संदिग्धों के इनपुट भेजे हैं।

सीबीआई ने बंगाल सरकार की सजा-ए-मौत वाली अपील का किया विरोध

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार की कलकत्ता हाई कोर्ट में संजय रॉय को दी गई आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ अपील का विरोध किया. रॉय को पिछले साल कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर मामले में दोषी ठहराया गया था. सीबीआई ने कलकत्ता हाई कोर्ट से कहा, केवल अभियोजन एजेंसी ही सजा को चुनौती दे सकती है. मामले की जांच सीबीआई कर रही है, इसलिए राज्य इस मामले में अपील दायर नहीं कर सकता। जस्टिस देबांशु बसाक और जस्टिस शब्बर रशीदी की बेंच के समक्ष सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कहा कि मामले में केवल अभियोजन एजेंसी को ही सजा को चुनौती देने का अधिकार है. जांच एजेंसी ने दावा किया कि मामले की जांच उनके द्वारा की गई थी, इसलिए राज्य सरकार के पास इस मामले में अपील दायर करने का अधिकार नहीं है।

चुनावी बांड : सुप्रीम कोर्ट से फैसले की समीक्षा करने की अपील

> धन जब्त करने वाली याचिका खारिज करने का मामला

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दायर हुई एक समीक्षा याचिका में उसके ही दो अगस्त 2024 के उस आदेश पर विचार की मांग की गई है, जिसके तहत उसने 2018 की इलेक्टोरल बॉन्ड योजना के तहत राजनीतिक दलों की तरफ से जुटाए 16,518 करोड़ रुपये की जब्ती की मांग को नकार दिया था। समीक्षा याचिका में दो अगस्त 2024 के आदेश को वापस लेने की मांग की गई। इस याचिका ने योजना के तहत प्राप्त धन को जब्त करने की मांग वाली पिछली याचिका को खारिज कर दिया था। इसलिए याचिका को बहाल करने और नए सिरे से सुनवाई की मांग की गई।

शीर्ष अदालत ने पिछले साल दो अगस्त को खेम सिंह भाटी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया था। उन्होंने समीक्षा दायर की थी और चुनावी बॉन्ड योजना (ईबीएस) में जांच की भी मांग की। वकील जयेश के. उन्नीकृष्णन के माध्यम से दायर और वरिष्ठ वकील विजय हंसानिया द्वारा निपटान की गई समीक्षा याचिका में कहा गया कि 15 2024 को शीर्ष अदालत ने एक अन्य मामले को संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) का उल्लंघन करने के लिए असंवैधानिक करार दिया था। याचिका में कहा गया है कि एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) मामले में फैसले ने ईबीएस को शुरुआत से ही अमान्य मान लिया है। इसी वजह से राजनीतिक दलों द्वारा एकत्र की गई राशि को जब्त करने की मांग वाली बाद की याचिकाओं को खारिज नहीं किया जा सकता था। याचिका में आगे कहा गया कि ईबीएस के तहत राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त राशि को जब्त करने की मांग वाली याचिकाओं को तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा खारिज करना अप्रत्यक्ष रूप से एडीआर फैसले को संशोधित करता है। याचिका में बताया गया कि अदालत के निर्देशों के तहत दिए गए सबूत ईबीएस के माध्यम से किए गए दान और कॉर्पोरेट दानदाताओं द्वारा प्राप्त लाभों के बीच पारस्परिक संबंध को रेखांकित करते हैं। यह पीठ के निष्कर्ष का खंडन करता है कि ऐसे दावे काल्पनिक थे। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने पिछले साल 15 फरवरी को भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई राजनीतिक फंडिंग की चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया था। अदालत के फैसले के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक ने चुनाव आयोग के साथ डेटा साझा किया। चुनाव आयोग ने इन डेटा को सार्वजनिक कर दिया।

शव दफनाने का विवाद : '15 दिनों से शव मोर्चरी में रखा है'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मामले को सौहार्दपूर्वक निपटाएं

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के एक गांव में शव दफनाने के विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि व्यक्ति का शव 15 दिनों से मोर्चरी में रखा है। मामले को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए ताकि पादरी को सम्मानपूर्वक दफनाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने रमेश बघेल की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। रमेश बघेल ने अपनी याचिका में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बघेल की याचिका खारिज कर दी थी। रमेश बघेल के पिता एक ईसाई पादरी थे। बीते दिनों उनका निधन हो गया। रमेश बघेल अपने पिता के शव को पैतृक गांव के कब्रिस्तान में दफनाना चाहता है, लेकिन गांव के लोग इसका विरोध कर रहे हैं। गांव के लोगों का कहना है कि गांव से करीब 20 किलोमीटर दूर ईसाई समुदाय के लोगों को दफनाने की व्यवस्था है तो शव को वहीं दफनाया जाना चाहिए। हालांकि रमेश बघेल का अपनी याचिका में कहना है कि गांव के कब्रिस्तान में सभी वर्गों के लिए जगह चिन्हित है, जिसमें एक जगह हिंदू आदिवासी, एक जगह ईसाई आदिवासियों के लिए तय है और उसके परिवार के कई लोगों को भी गांव के ही कब्रिस्तान में ईसाईयों के लिए चिन्हित जगह पर दफनाया गया है। हालांकि गांव के लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देगी भाजपा

पार्टी अध्यक्ष मोयोंग का एलान

ईटानगर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की अरुणाचल प्रदेश इकाई ने बड़ा एलान किया है। राज्य इकाई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कलिंग मोयॉन्ग ने कहा कि भाजपा अगले विधानसभा चुनाव में महिला आरक्षण पर कानून को अक्षरश: लागू करेगी। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को सत्ता में आने के लिए एक मंच मिलेगा। मोयोंग ने कहा कि मुख्यमंत्री पेमा ने चर्चा के दौरान उनसे महिला उम्मीदवारों को घरों से बाहर निकलकर 2029 में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार करने के लिए प्रेरित करने को कहा है। मोयॉन्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री ने साफ किया है कि आगामी चुनाव में मौजूदा मंत्रियों और विधायकों के जीवनसाथियों को टिकट नहीं मिलेगा।

राज्य पार्टी प्रमुख ने कहा कि राज्य की महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में जिस तरह अपना लोहा मनवा रही हैं, उसी तरह वे राजनीति में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। उनके सामने राजनीतिक और सामाजिक बाधाएं नहीं आनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने राज्य में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए अपनी रणनीतियों के बारे में भी बताया। मोयॉन्ग ने कहा कि पार्टी अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने में राज्य सरकार का समर्थन करेगी। साथ ही उन्होंने विकास योजनाओं के बारे में जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए जन-जन तक पहुंच के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति का समग्र कल्याण सुनिश्चित करने के लिए पार्टी और राज्य सरकार के बीच उचित समन्वय होना चाहिए। इस दौरान मोयॉन्ग ने राज्य इकाई का अध्यक्ष बनाए जाने के लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं पूरे समर्पण और टीम वर्क के साथ जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की पूरी कोशिश करूंगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य स्तर से लेकर बूथ स्तर तक पार्टी पदाधिकारियों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के लिए वह जल्द ही सभी जिलों का दौरा करेंगे।

एलओसी पर पाकिस्तानी ड्रोन के घुसने की कोशिश नाकाम

सेना ने की फायरिंग, तलाशी अभियान जारी

जम्मू, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसे एक ड्रोन पर गोलीबारी की। यह घटना बुधवार करीब 1 बजे हुई, जब सेना ने ड्रोन की गतिविधि देखी और उसे रोकने के लिए लगभग दर्जन भर राउंड फायर किए। सूत्रों के अनुसार ड्रोन कुछ देर तक सीमा के पास मंडराया और फिर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की ओर वापस लौट गया। सेना ने बुधवार सुबह ही तलाशी अभियान शुरू किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ड्रोन द्वारा किसी प्रकार की हथियारों या नशीले पदार्थों की तस्करी तो नहीं की गई थी।

रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवेः भटवाड़ीसैंण में हादसा, अगस्तमुनि जा रहा वाहन खाई में गिरा, महिला फार्मासिस्ट की मौत

रुद्रप्रयाग, 22 जनवरी (एजेंसियां)। रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर भटवाड़ीसैंण में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। श्रीनगर से अगस्तमुनि जा रहा वाहन खाई में गिर गया। इस दौरान हादसे में महिला फार्मासिस्ट की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब पौने नौ बजे हुई। वाहन श्रीनगर से अगस्तमुनि की ओर जा रहा था। तभी अचानक वाहन महिला समेत खाई में जा गिरा। किसी ने सूचना एसडीआरएफ, डीडीआरएफ को दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कर महिला को बाहर निकाला तो महिला गंभीर रूप से घायल थी। महिला को तुरंत 108 एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला की पहचान कुशमलता (42) पत्नी राजीव कुमार, निवासी अगस्त्यमुनि के रूप में हुई है। महिला उखीमठ के परकंडी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फार्मासिस्ट के पद पर तैनात थीं।

दुकान में घुसे लुटेरे, चाकू दिखाकर दुकानदार से छीना कैश और फोन; घटना सीसीटीवी में कैद

कोप्पल, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोप्पल जिले से लूट की घटना का एक वीडियो सामने आया है। लुटेरों ने दुकान में घुसकर चाकू की नोक पर जमकर उत्पाद मचाया। घटना कुष्तगी तालुका के वांगेरा गांव की है। यहां की एक दुकान में दो लुटेरे घुस गए और चाकू की नोक पर दुकानदार शरनप्पा पुजारी से 7000 रुपये से ज्यादा कैश और उनका मोबाइल लूट लिया। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में लुटेरों के चेहरे साफ दिखाई दे रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कार में ले जा रहे विस्फोटक सामग्री के साथ दो गिरफ्तार 600 सेल के साथ ब्लास्ट करने वाली मशीन जब्त

दमोह, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दमोह कोतवाली पुलिस ने एक कार से बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की है। इस मामले में सागर जिले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी भावना दांगी ने बताया कि मंगलवार को सूचना मिली थी कि धरमपुरा सीताबावली के पास कार नंबर एमपी 15 सीए 5159 में अवैध विस्फोटक सामग्री ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार को घेराबंदी कर रोका। कार में सवार नीलेश पिता वृंदावन विश्वकर्मा एवं सतीश पिता भरत विश्वकर्मा निवासी रोन कुमरई, जिला सागर के कब्जे से डायनामाइट के 600 सेल, तीन डोरी के बंडल, ब्लास्ट करने की मशीन, 10 कैप, दो बिट, एक लोहे की रॉड और ड्रिल जब्त की गई। जिसकी कुल कीमत 48 हजार 600 रुपए है। पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और कार को भी जब्त कर लिया। आरोपियों के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। इस कार्रवाई में कोतवाली टीआई आनंद राज सहित टीम का सहयोग रहा।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद को लेकर

दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में टली सुनवाई

मथुरा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अगली सुनवाई एक अप्रैल से शुरू होगी। अगली सुनवाई तक कृष्णजन्मभूमि सर्वे मामले पर रोक जारी रहेगी। बता दें कि मुस्लिम पक्ष की कई याचिकाएं एससी में दाखिल हुई हैं। इसमें विवादित जगह पर सर्वे की इजाज़त देने, निचली अदालत में लंबित सभी मुकदमों को हाई कोर्ट के अपने पास सुनवाई के लिए ट्रांसफर करने को चुनौती देने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने और क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश पर अपनी रोक बढ़ा दी, जिसमें मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति दी गई थी। यह परिसर कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के निकट स्थित है, जो हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक महत्व का स्थल है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि वह मस्जिद परिसर के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण के खिलाफ 'ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह प्रबंधन समिति' की याचिका पर सुनवाई अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह के लिए टालते हैं। पीठ ने कहा कि इस बीच, शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण पर रोक लगाने वाला इलाहाबाद हाई कोर्ट का अंतरिम आदेश जारी रहेगा। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 16 जनवरी को सबसे पहले हाई कोर्ट के 14 दिसंबर, 2023 के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति दी थी और इसकी देखरेख के लिए एक अदालत आयुक्त की नियुक्ति पर सहमति व्यक्त की थी। हिंदू पक्ष का दावा है कि परिसर में ऐसे संकेत हैं जो बताते हैं कि इस स्थान पर कभी मंदिर हुआ करता था।

हिंदू पक्षों की ओर से पेश वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा था कि मस्जिद समिति की अपील हाई कोर्ट के 14 दिसंबर, 2023 के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी और मामले से जुड़े आदेश निष्फल हो गए हैं।

देवभूमि द्वारका में अवैध कब्जे से मुक्त कराए गए 7 टापू, हटाए गए 36 धार्मिक और व्यावसायिक निर्माण

देवभूमि द्वारका, 22 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले के समुद्री क्षेत्र में स्थित 21 निर्जन टापुओं में से 7 टापुओं को अवैध कब्जे से मुक्त कर दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह महत्वपूर्ण कदम पुलिस और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से उठाया गया है। इन टापुओं में खारा चुसणा, मीठा चुसणा, आशाबा, धोरोयो, धबधबो, सामयाणी और भैदर शामिल हैं, जहां कुल 36 धार्मिक और व्यावसायिक निर्माणों को हटाया गया। खारा चुसणा और मीठा चुसणा टापुओं पर विशेष रूप से 15 अवैध निर्माणों को पूरी तरह से ध्वस्त किया गया है। बता दें कि यह कार्रवाई भारत की समुद्री सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है, क्योंकि ये टापू सुरक्षा की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि इन टापुओं पर अवैध निर्माण किसने और कैसे किए थे, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस और वन विभाग अब इन मामलों में सख्त कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं।

केजरीवाल और भगवंत मान की बढ़ीं मुश्किलें

100 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा दायर

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आप नेता अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इन दोनों नेताओं के खिलाफ 100 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा हुआ है। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने दोनों आप नेताओं के खिलाफ ये मुकदमा दायर किया है। उन्होंने कहा है कि मैं इस पैसे का इस्तेमाल नई दिल्ली विधानसभा के लोगों के लिए करूंगा।

प्रवेश वर्मा ने और क्या कहा?

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने कहा, 'मैंने चुनाव आयोग से शिकायत की है और दिल्ली पुलिस से भी लिखित शिकायत की है कि पिछले एक हफ्ते में पंजाब की हजारों कारें घूम रही हैं। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में पंजाब के मुख्यमंत्री, मंत्री, उनके विधायक और उनकी पार्टी के कार्यकर्ता अपनी निजी कारों में घूम रहे हैं, जिन पर 'पंजाब सरकार' का स्टिकर चिपका हुआ है। वे यहां शराब, सीसीटीवी और पैसे बांट रहे हैं। वे जानते हैं कि वे चुनाव हार रहे हैं, इसलिए वे गलत बयानबाजी कर रहे हैं। मैंने अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया है, मैं इस पैसे का इस्तेमाल नई दिल्ली विधानसभा के लोगों के लिए करूंगा।'

केजरीवाल ने पीसी कर कही थी ये बात

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पीसी में बीजेपी पर हिंसा फैलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बीजेपी हिंसा फैला रही है, पूरी दिल्ली से खबर आ रही है। मेरी खुद की विधानसभा में ये हो रहा है। उन्होंने कहा, 'बीजेपी द्वारा जो हिंसा और गुंडागर्दी फैलाई जा रही है, वह सिर्फ आतिशी के निर्वाचन क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे दिल्ली में हो रही है। हमें लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि भाजपा हिंसा का सहारा ले रही है।'

रोहतक में इनेलो नेता सुनैना चौटाला का भाजपा पर हमला, सरकार की अधिकारियों पर नहीं है पकड़

रोहतक, 22 जनवरी (एजेंसियां)। इनेलो महिला प्रधान महासचिव सुनैना चौटाला ने बुधवार को मैना पर्यटन केंद्र में पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रदेश सरकार पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार की अधिकारियों पर कोई पकड़ नहीं है और मुख्यमंत्री अपने फैसले लेने में सक्षम नहीं हैं। सुनैना चौटाला ने कहा कि अगर चाहें तो संविधान का सहारा लेकर एक मिनट में समस्याओं का समाधान कर सकते हैं, लेकिन वे दिल्ली के निर्देशों पर निर्भर रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल विस्तार तक के लिए दिल्ली से अनुमति लेते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा चौधरी देवीलाल को किसान नेता के कार्यक्रम में नहीं जाने की सलाह देने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि चौधरी देवीलाल ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने की बात कही थी, लेकिन किसान नेता के कार्यक्रम में जाना जरूरी समझा। सुनैना चौटाला ने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री ऐसा नहीं कर सकते। ईवीएम विवाद पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता हारने पर ईवीएम पर सवाल उठाते हैं, जबकि जीतने पर ईवीएम ठीक मानी जाती है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि किसान विरोधी पार्टी के नाम पर एक घास को कांग्रेस घास कहा जाने लगा है। चौटाला ने पेपर लीक और स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में नकल के मामलों पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि ऐसी गलती एक बार, दो बार, या तीन बार हो सकती है, लेकिन 30 या 32 बार नहीं। इन मामलों की निष्पक्ष और त्वरित जांच की जानी चाहिए ताकि व्यवस्था में सुधार हो सके।

जम्मू के इस गांव में फैली रहस्यमयी बीमारी, 17 की मौत कोराना जैसे हालात, इलाका कंटेनमेंट जोन घोषित

राजौरी, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू के राजौरी जिले के बधाल गांव में रहस्यमयी बीमारी से अबतक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। इस रहस्यमयी बीमारी के कारण गांव में डर का माहौल बना हुआ है। गांव में कोरोना जैसे हालात बने हुए हैं। लगातार मौतों के बाद मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों के साथ मुलाकात की। बीमारी को देखते हुए गांव को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया है। प्रशासन ने गांव के हालात को देखते हुए धारा 163 लागू कर दी गई है। इसके अनुसार अब गांव में कोई भी सार्वजनिक या निजी समारोह आयोजित नहीं कर सकेंगे और न ही किसी कार्यक्रम में भाग ले सकेंगे। इस तरह की पाबंदी कोरोना के समय लगाई गईं थी। गांव में हो रही मौतों को लेकर कुछ हेल्थ एक्सपर्ट्स ने मृतकों के नमूनों में 'न्यूरोटॉक्सिन' पाए जाने की बात कही है। पूरे मामले को लेकर गृह मंत्रालय ने जांच के लिए इंटर मिनिस्ट्रियल टीम बनाई है, इसके साथ ही टीम को गृह मंत्रालय ही लीड कर रहा है। टीम में स्वास्थ्य, कृषि, रसायन और जल संसाधन मंत्रालय के एक्सपर्ट्स शामिल हैं। मंगलवार को भी एक अन्य युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये रहस्यमयी बीमारी ज्यादा बच्चों को ही अपनी चपेट में लेती है। गांव में लगातार हो रही मौतों के कारण अब पूरे इलाके में धारा 163 लागू कर दी गई है। इससे पहले भारत में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 144 के नाम से जाना जाता था।

शादी समारोह में मेहमान बनकर आए बदमाश ने 7 साल की बच्ची का किया किडनैप, ऐसे हुआ पर्दाफाश

भोपाल, 22 जनवरी (एजेंसियां)। वो ऐसे मेहमान बनकर आया था की मानो वर-वधू को आशीर्वाद देकर जाएगा, लेकिन किसी को पता नहीं था कि वह किडनैपर सात साल की बच्ची को अपहरण कर ले जाएगा। हालांकि कानून के लंबे हाथ ने अपहरणकर्ता की पूरी साजिश पर पानी फेर दिया। यह घटना मध्य प्रदेश के सतना जिले में घटित हुई है, जहां एक शातिर अपराधी ने सात साल की बच्ची को विवाह समारोह के बीच से उठा लिया। सतना के एडिशनल एसपी शिवेंद्र सिंह ने बताया कि भरहुत नगर इलाके में स्थित एक मैरिज गार्डन में विवाह समारोह चल रहा था। इसी दौरान भीड़भाड़ का लाभ उठाकर शातिर बदमाश अतुल त्रिपाठी मेहमानों के बीच शामिल हो गया। उसने पहले तो विवाह समारोह में दावत उड़ाई। इसके बाद 7 वर्षीय बालिका का अपहरण कर अपने साथ ले गया। इस मामले में जब शिकायत पुलिस के पास पहुंची तो पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। इस दौरान मैरिज गार्डन में लगे सीसीटीवी फुटेज से अतुल त्रिपाठी की पहचान हो गई। जब पुलिस उसे ढूंढ रही थी उसी समय वह बच्ची को रेलवे फाटक के समीप छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद राहगीर ने पुलिस को बालिका के संबंध में सूचना दी। पुलिस ने बालिका को बरामद कर लिया है। पुलिस ने इसके बाद अपहरण का मामला दर्ज करते हुए आरोपी अतुल त्रिपाठी को उसके घर के पास गिरफ्तार कर लिया। वह मूल रूप से भट्ट मझगवां का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक आरोपी से कड़ी पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अतुल त्रिपाठी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। वह पहले भी 7 साल की सजा काटकर जेल से बाहर आ चुका है।

जबरन वसूली मामले में वाल्मिक कराड को 14 दिन की न्यायिक हिरासत, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड जिले की एक अदालत ने सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से जुड़े जबरन वसूली मामले में आरोपी वाल्मिक कराड को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कराड को सीआईडी हिरासत की समयसीमा समाप्त होने के बाद महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामलों की विशेष अदालत के समक्ष एक वीडियो लिंक के जरिए पेश किया गया था। महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड के खिलाफ 14 जनवरी को मकोका के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने उसकी हिरासत के लिए मकोका की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने 15 जनवरी को कराड को 22 जनवरी तक सीआईडी की विशेष जांच दल की हिरासत में भेज दिया था। मामले की जांच कर रही एसआईटी ने बताया कि सरपंच संतोष देशमुख की हत्या इसलिए की गई क्योंकि उन्हें एक ऊर्जा कंपनी से दो करोड़ रुपये की जबरन वसूली की योजना में बाधा बनने का संदेह था। जांच दल के मुताबिक अपराध को अंजाम दिए जाने के समय वाल्मीक कराड उनके हत्यारों के संपर्क में था।

क्या है पूरा मामला?

सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के पीछे एक बड़ी जबरन वसूली का मामला है। बीड जिले में पवन चक्कियां स्थापित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये की वसूली की जा रही थी। देशमुख ने इस जबरन वसूली का विरोध किया था, जिसके बाद नौ दिसंबर को उनका अपहरण किया गया और फिर हत्या कर दी गई। उनकी मौत के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया, जिसके बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कुछ दिन पहले, महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड ने पुणे में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था।

ट्रंप सरकार के फैसले का असरः पंजाब और हरियाणा के दो लाख युवा अमेरिका में अवैध, डोंकी लगाकर गए थे

जालंधर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में ट्रंप-2 की सरकार में पहली बड़ी घोषणा से पंजाब व हरियाणा के लाखों युवाओं पर सीधा अटैक हुआ है। पंजाब व हरियाणा के करीब दो लाख युवा अवैध रूप से बॉर्डर पार कर अमेरिका में शरण के लिए इंतजार में हैं। ट्रंप ने ताजपोशी के बाद साफ कह दिया है कि इन अप्रवासियों को अमेरिका से खदेड़ा जाएगा और साथ ही 3100 किलोमीटर मैक्सिको-अमेरिका बॉर्डर पर सेना तैनात करने की घोषणा की गई है। अमेरिका से बसे पंजाबी एटार्नी जसप्रीत सिंह का कहना है कि अवैध रूप से अमेरिका में घुसे पंजाब व हरियाणा के युवाओं के लिए खतरे की घंटी है। उनका कहना है कि सरकार ने तो शरणार्थी एप भी बंद कर दिया है, जिसमें 30 हजार के आवेदन अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। अमेरिका के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2018-19 में अवैध रूप से अमेरिका में घुसने वालों की संख्या 8097 थी, जो 2022-23 में बढ़कर 96,917 हो गई है। 2023-24 में आंकड़ा सवा लाख के करीब पहुंच गया है। हरियाणा और पंजाब के इलाके से ज्यादा युवा अमेरिका जाने की कोशिश करते हैं। जालंधर के एक एजेंट ने तो मानव तस्करी में सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिए। एजेंट युवाओं को पहले दुबई फिर अल्माटी कजाकिस्तान भेजते हैं। वहां से वे तुर्की, जहां उन्होंने पनामा सिटी और फिर सल्वाडोर और उत्तरी ग्वाटेमाला की तरफ से अमेरिका में एंट्री करवा देते हैं। शाहकोट के एक युवक, जो डोंकी के लिए अमेरिका पहुंचा, का कहना था कि उससे कुल 45 लाख रुपये लिए गए। अमेरिका सीमा पार करते ही खुद वे लोग कस्टम और बॉर्डर अधिकारियों के हाथों पकड़ने का इंतजार करते हैं। कस्टम अधिकारी के आने पर वहां पहुंचे लोग खुद को देश में पीड़ित होने और खतरे में होने का दावा करते हैं और शरण की मांग करते हैं। अधिकारी पहले यह निर्धारित करते हैं कि व्यक्ति शारीरिक रूप से खतरे में है या नहीं। इसके बाद उन्हें पानी की बोतल दी जाती है। अमेरिका के कानून के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति शरण का दावा करता है तो उसे अपना मामला रखने के लिए सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए। कस्टम अधिकारी उनकी सुरक्षा की जांच करते हैं और प्रवासियों का साक्षात्कार लिया जाता है। जांच के बाद अधिकारी यह निर्णय लेता है कि उनके शरण आवेदन पर विचार करना है या नहीं। इसे होने में सालों लग सकते हैं। पंजाब के युवाओं ने खासकर सूबे में पुलिस अत्याचार के खिलाफ शरण ले रखी है। नामवर सरकार के अधिकृत एजेंट सुकांत का तर्क है कि अमेरिका अवैध रूप से पहुंचाने का धंधा तो लंबे समय से चल रहा है।

यालापुरा में भीषण सड़क हादसा

ट्रक के परखच्चे उड़े, 11 की मौत और 10 घायल

बैंगलूरू, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के यालापुरा हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां गुलापुरा में सब्जी ले जा रहा ट्रक नियंत्रण खो बैठने के बाद एक ट्रिपर से टकरा गया, जिसमें ट्रक के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हुई है और 10 लोग घायल हुए हैं। ये हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ।

पुलिस ने क्या बताया?

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस सब्जी के ट्रक में वे यात्रा कर रहे थे वह बुधवार तड़के 50 मीटर गहरी घाटी में गिर गया। पीड़ित, सभी फल विक्रेता, सावनूर से चले थे और फल बेचने के लिए यालापुरा मेले की ओर जा रहे थे। उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक एम नारायण ने कहा कि ये सावनूर-हुबली रोड पर यात्रा कर रहे थे, ये दुर्घटना जंगली इलाके में हुई है।

नारायण ने मीडिया को बताया, 'सुबह लगभग 4 बजे, ट्रक चालक दूसरे वाहन को साइड देने के चक्कर में एकदम बायीं ओर चला गया और लगभग 50 मीटर गहरी घाटी में गिर गया।' उन्होंने कहा कि घाटी में सड़क पर कोई सुरक्षा दीवार नहीं है। अधिकारी ने कहा, कुछ की मौके पर ही मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को हुबली के केआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दादरी एसटीएफ ने रोहतक से एक चरस तस्कर को पकड़ा आरोपी से 2 किलो 300 ग्राम मादक पदार्थ बरामद

दादरी, 22 जनवरी (एजेंसियां)। रोहतक के भराण गांव निवासी मादक पदार्थ तस्कर को दादरी स्पेशल स्टाफ ने 2 किलो 300 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर नेशनल हाईवे 152-डी ओवरब्रिज के नीचे से हुई। उसके खिलाफ सदर थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत केस दर्ज कर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता पवन कुमार ने बताया कि स्पेशल स्टाफ टीम अपराध की रोकथाम के लिए मंगलवार शाम रावलधी चौक पर मुस्तैद थी। उसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि रोहतक जिले के भराण गांव निवासी गोपाल मादक पदार्थ बेचता है। इस समय वो दादरी के एनएच 152-डी ओवरब्रिज के नीचे खड़ा है और उसके हाथ में एक थैला भी है।

बठिंडा में एनआईए की रेड, गैंगस्टर हैप्पी पासियां को फॉलो करने वाले के घर पहुंची टीम

बठिंडा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को पंजाब के बठिंडा में दबिश दी। टीम ने संदेह के आधार पर सन्नी जौड़ा उर्फ गुरप्रीत सिंह और मनी जौड़ा पुत्र दर्शन सिंह निवासी गली नंबर 19, प्रताप नगर (राजू बेबे वाली गली) दशहरा ग्राउंड बठिंडा के घर पर दबिश दी। पता चला है कि सन्नी जौड़ा गैंगस्टर हैप्पी पासियां को सोशल मीडिया पर फॉलो कर रहा है और उनका बठिंडा में इमिग्रेशन का काम है। हैप्पी पासियां पंजाब में हाल ही में हुए ग्रेनेड हमलों में शामिल है। टीम अभी जांच में जुटी है और फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी जा रही है।

एक करोड़ के गहनों पर किया हाथ साफ

जैसे ही रेड लाइट पर रुकी ज्वेलर की गाड़ी, अचानक शीशा टूटा और बैग गायब

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के भारत नगर इलाके में दुकान से घर जा रहे ज्वेलर की कार से बदमाशों ने बैग चुरा लिया। बैग में करीब एक करोड़ के गहने थे। बदमाशों ने लाल बत्ती पर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ज्वेलर की शिकायत पर भारत नगर थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरे की जांच कर आरोपी की पहचान करने में जुटी है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि मंगलवार रात पुलिस को अशोक विहार फेज तीन स्थित लक्ष्मीबाई कॉलेज के पास कार से चोरी होने की शिकायत मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को शिकायतकर्ता विजय मिले। उन्होंने बताया कि वह परिवार सहित शालीमारबाग इलाके में रहते हैं। उनका करोलबाग में ज्वेलरी की दुकान है। वह रोज की तरह दुकान बंद करने के बाद बैग में करीब एक करोड़ कीमत के गहने लेकर घर जा रहे थे। लक्ष्मीबाई कॉलेज के लालबत्ती पर वह रुके। इसी दौरान उनकी काार का शीशा टूटा और एक युवक पिछला गेट खोलकर सीट पर रखा बैग लेकर फरार हो गया। शुरुआती जांच में पुलिस ने गुलेल गैंग के बदमाशों के वारदात में शामिल होने के साक्ष्य मिले हैं।

बस में महिला के पर्स में हाथ डाल रहा था जेबकतरा, कंडक्टर ने रोका तो मार दिया चाकू

भोपाल, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के भोपाल से एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। भोपाल सिटी बस में एक जेबकतरा महिला के बैग में हाथ डाल रहा था। ऐसे में ये बात महिला को पता चल गई। ऐसे में महिला ने जब कंडक्टर को बुलाया तो जेबकतरा कंडक्टर को चाकू मार कर भाग निकला। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना मंगलवार शाम की है। रूट नंबर 306 पर चलने वाली एमपी 04 पीए 3283 करोंद से होते हुए एम्स की ओर जा रही थी। इस दौरान रास्ते में एक जेबकतरा महिला यात्री के पास आकर बैठ गया और धीरे से बेग में हाथ डालकर पैसे निकालने की कोशिश करने लगा। जेबकतरा जब महिला की जेब से पैसे निकाल रहा था तभी उसने देख लिया और कंडक्टर को आवाज देकर बुला लिया। कंडक्टर ने तुरंत जेब कट को पकड़ने की कोशिश की और दोनों के बीच झूमा झटकी हुई। इस दौरान जेबकतरा कंडक्टर को चाकू मार कर बस से नीचे कूद गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 23 जनवरी, 2025

युविचार

सुनने-सुनाने में भावना और भाव को बदल देना भी वायुमण्डल खराब करना है

मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा की

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर उच्च न्यायालय भवन, तेलंगाना भवन, उस्मानिया अस्पताल, क्षेत्रीय रिंग रोड (उत्तर), इंदिरा महिला शक्ति भवन और युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालयों के निर्माण के विकास कार्यों की स्थिति की समीक्षा की।

नए उस्मानिया जनरल अस्पताल के निर्माण पर मुख्य सचिव ने अस्पताल, शैक्षणिक ब्लॉक, आवासीय और सेवा क्षेत्रों की योजनाओं पर चर्चा की और हैदराबाद कलेक्टर को क्षेत्र में पेट्रोल पंपों के स्थानांतरण से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए राजस्व, नागरिक आपूर्ति और पुलिस विभाग के साथ संयुक्त निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने बताया कि 16 इंदिरा महिला शक्ति भवनों का निर्माण पहले ही शुरू हो चुका है, जबकि अन्य छह भवनों का निर्माण एक सप्ताह में शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ये सभी भवन सितंबर के अंत तक पूरे हो जाएंगे। उन्होंने शिक्षा सचिव को युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालयों के संबंध में प्रशासन और शैक्षणिक संरचना प्रबंधन के तौर-तरीकों पर काम करने का निर्देश दिया। इसी तरह, टीईडब्ल्यूआईडीसी को निगम में इंजीनियरिंग विंग को मजबूत करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। बैठक में प्रस्तावित तेलंगाना भवन के निर्माण और क्षेत्रीय रिंग रोड के संबंध में भूमि अधिग्रहण की स्थिति पर भी चर्चा की गई। बैठक में विशेष मुख्य सचिव आरएंडबी विकास राज, सरकार के सलाहकार श्रीनिवास राजू, प्रमुख सचिव राजस्व नवीन मित्तल, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य क्रिस्टीना जोंगथु, सचिव शिक्षा योगिता राणा और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

गांधी भवन में युवा कांग्रेस नेताओं के बीच हिंसक झड़प

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को हैदराबाद के गांधी भवन में उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब युवा कांग्रेस के नेता पार्टी में पदों को लेकर आपस में भिड़ गए। युवा कांग्रेस नेताओं के बीच सत्ताधारी पार्टी में भूमिकाओं के आवंटन को लेकर मतभेद के कारण यह विवाद शुरू हुआ। यह अंदरूनी लड़ाई एक बड़े टकराव में बदल गई। कोट्टागुडेम में नेताओं के विरोध के कारण यह झड़प हुई, जिन्होंने दावा किया कि बीआरएस के सदस्यों को प्राथमिकता दी जा रही है और उन्हें प्रमुख पदों पर नियुक्त किया जा रहा है।

जैसे-जैसे चर्चाएं तेज होती गईं, विरोधी गुटों के सदस्य एक-दूसरे से भिड़ गए। इस झड़प के दौरान कई नेताओं को चोटें आईं। युवा कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने अपने लंबे समय के योगदान के बावजूद पार्टी से मान्यता न मिलने का हवाला देते हुए अपना असंतोष व्यक्त किया है। इस बीच, कांग्रेस के राज्य नेतृत्व ने अभी तक इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का विद्रोह शुरू : केटीआर

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कल्याणकारी योजनाओं पर चल रही ग्राम सभाओं के दौरान कांग्रेस नेताओं और अधिकारियों के साथ लोगों की झड़प के बीच, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने कांग्रेस सरकार पर जनता के विश्वास को धोखा देने और धमकी और धोखे के माध्यम से असंतोष को दबाने का तीखा हमला किया।

उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी करने वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का विद्रोह शुरू हो गया है। उन्होंने अधूरी गारंटियों और कल्याणकारी योजनाओं में कथित हेराफेरी को लेकर व्यापक गुस्से का हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अक्षमता स्पष्ट है और उनकी ध्यान भटकाने की रणनीति अब काम नहीं आएगी। रामा राव ने कहा कि ग्राम सभाएं, जिनका उद्देश्य जनता की शिकायतों का समाधान करना था, कांग्रेस शासन में पुलिस छावनी में तब्दील हो गई हैं। उन्होंने कहा कि आदिलाबाद से आलमपुर तक, पूरे राज्य में ग्राम सभाएं पुलिस की चौकसी का नजारा हैं, जहां कांग्रेस नेता खुलेआम लोगों को धमका रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या ये झड़पें कांग्रेस द्वारा किए गए प्रजा पालन (लोगों के शासन) के वादे को दर्शाती हैं।

कांग्रेस सरकार पर असहमति को दबाने के लिए पुलिसिया ज्यादती का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कई घटनाओं का जिक्र किया, जहां सरकार से सवाल पूछने वाले लोगों को धमकाया गया। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या ग्राम सभाएं कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए लाभार्थियों की पहचान करने के लिए होती हैं या कांग्रेस नेताओं की मंजूरी के लिए। उन्होंने कांग्रेस शासन को पाखंडी और दमनकारी बताते हुए पूछा कि क्या कल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्रता इसी तरह तय की जाती है – पुलिस की निगरानी में और कांग्रेस नेताओं की मंजूरी से? रामा राव ने चेतावनी दी कि आक्रोश की ज्वाला को बुझाया नहीं जा सकता और तेलंगाना के चार करोड़ लोग कांग्रेस द्वारा किए गए विश्वासघात को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कांग्रेस सरकार द्वारा कल्याणकारी वादों और प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर बढ़ते जन असंतोष के बीच उन्होंने विपक्ष की ओर से तीव्र प्रतिरोध का संकेत दिया।

निर्माता दिल राजू ने आईटी छापों पर प्रतिक्रिया दी

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टॉलीवुड निर्माता दिल राजू ने आज अपने घर और दफ्तरों पर आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई छापेमारी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि छापेमारी सिर्फ उनकी संपत्तियों पर ही नहीं हुई है, बल्कि इंडस्ट्री की कई मशहूर हस्तियों की संपत्तियों पर भी हुई है। आईटी विभाग के अधिकारियों ने दिल राजू के घर, दफ्तर और मैथ्री मूवी मेकर्स के निर्माता और निर्देशक अनिल रविपुडी और सुकुमार के दफ्तरों और आवासों पर छापेमारी की है। छापेमारी मंगलवार (21 जनवरी) सुबह शुरू हुई और बुधवार को भी जारी रही।

आईटी विभाग के अधिकारियों ने 55 टीमें बनाईं और शहर के बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स, गच्चीबोवली और कोंडापुर इलाकों में छापेमारी की। टॉलीवुड की मशहूर हस्तियों के घरों, दफ्तरों और बैंक लॉकरों को आईटी अधिकारियों ने पूरी तरह से खंगाला है। पता चला है कि अधिकारी मशहूर हस्तियों की फिल्मों के बजट और उनकी कमाई जैसे मुद्दों की जांच कर रहे हैं। छापेमारी अब इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बन गई है।

पृथ्वी को हरा-भरा बनाने के आंदोलन में सहयोग का वादा

दावोस/हैदराबाद 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) निकोल श्वाब, सह-प्रमुख, नेचर पॉजिटिव पिलर और कार्यकारी समिति के सदस्य, विश्व आर्थिक मंच, फ्लोरियन वर्नाज़, प्रमुख, डब्ल्यूईएफ, ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और ग्रह पृथ्वी पर एक ट्रिलियन वृक्षों में भाग लेने के लिए दावोस शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू के साथ शपथ ली और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को हरा-भरा और सुरक्षित बनाने के आंदोलन का हिस्सा बनने का वादा किया। तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने डब्लूईएफ टीम को राज्य में किए जा रहे वृक्षारोपण के बड़े पैमाने पर प्रयासों के बारे में भी विस्तार से बताया।

एचसीएलटेक ने हैदराबाद में आईटी फुटप्रिंट के विस्तार की घोषणा की

दावोस/ हैदराबाद 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एचसीएल टेक, एक अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी, एक नए तकनीकी केंद्र के शुभारंभ के साथ हैदराबाद में अपने वैश्विक वितरण पदचिह्न का विस्तार कर रही है।

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के उद्घाटन दिवस पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और आईटी एवं उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू की एचसीएलटेक के वैश्विक सीईओ और प्रबंध निदेशक सी विजयकुमार के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की गई। नया केंद्र हाई-टेक, जीवन विज्ञान और वित्तीय सेवाओं जैसे उद्योगों में वैश्विक ग्राहकों को अत्याधुनिक क्लाउड, एआई और डिजिटल परिवर्तन समाधान प्रदान करेगा। हाई-टेक शहर में स्थित, 320,000 वर्गफुट की सुविधा में 5,000 आईटी कर्मचारी रहेंगे और यह भारतीय ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल से गोल्ड सर्टिफिकेशन के साथ आता है, जो एचसीएलटेक की स्थायी व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। "हैदराबाद, अपने विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और उच्च-गुणवत्ता वाले प्रतिभा पूल के साथ, एचसीएल टेक के वैश्विक नेटवर्क पर एक महत्वपूर्ण स्थान रहा है। नया केंद्र हमारे वैश्विक ग्राहक आधार में अत्याधुनिक क्षमताएं लाएगा और स्थानीय प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देगा" एचसीएल टेक के सीईओ और प्रबंध निदेशक सी विजयकुमार ने कहा कि अगले महीने नए तकनीकी केंद्र का औपचारिक उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री और आईटी और उद्योग मंत्री को आमंत्रित किया।

रेवंत रेड्डी ने एचसीएल टेक की विस्तार योजनाओं का स्वागत किया और टिप्पणी की "नया तकनीकी केंद्र वैश्विक आईटी कंपनियों के लिए हैदराबाद के निरंतर आकर्षण की पुष्टि करता है और दुनिया में एक अग्रणी आईटी हब के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करता है।" मंत्री श्रीधर बाबू ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद में तकनीक और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें स्थानीय युवाओं के लिए नौकरियों को बढ़ावा देने के लिए इसे टियर 2 और टियर 3 शहरों तक विस्तारित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है और उन्होंने एचसीएल टेक को तेलंगाना के दूसरे शहर में एक आईटी केंद्र खोलने पर सक्रिय रूप से विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने तेलंगाना में एचसीएलटेक के निरंतर विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। एचसीएलटेक 2007 से हैदराबाद में मौजूद है। नए केंद्र के जुड़ने के साथ, इसका विस्तार शहर भर में पाँच केंद्रों तक हो जाएगा, जिनकी क्षमता 8,500 सीटों की होगी।

रामोजी थांडा के किसानों ने पानी छोड़ने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

सूर्यपेट, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यपेट के पास रामोजी थांडा गांव के किसानों ने बुधवार को श्रीरामसागर परियोजना (एसआरएसपी) चरण II से अपनी फसलों के लिए पानी छोड़ने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस क्षेत्र में 2,900 एकड़ से ज़्यादा धान की फ़सल रोपाई के तुरंत बाद सूख रही है।

किसान सिंचाई अधिकारियों से यह स्पष्ट करने का आग्रह कर रहे हैं कि रबी सीज़न के लिए पानी दिया जाएगा या नहीं, ताकि दूसरे किसान यह तय कर सकें कि उन्हें आगे की बुवाई करनी है या नहीं। पिछले दो सप्ताह से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब किसानों ने पानी की कमी के विरोध में धरना दिया है। वे पानी की कमी और खड़ी फसलों पर पड़ने वाले इसके असर को लेकर चिंतित हैं। किसान अपनी फसलों को बचाने और आगे होने वाले नुकसान को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

दो चोर गिरफ़्तार

हैदराबाद , 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बोवेनपल्ली पुलिस ने एक सफल अभियान में घर में चोरी करने वाले दो आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बोवेनपल्ली पुलिस ने घर में हुई में चोरी की घटनाओं की विस्तृत जांच के बाद की। आरोपियों की कार्यप्रणाली में रात में छिपना, सुनसान इलाकों में बंद घरों की पहचान करना और दरवाजे तोड़कर घुसना और उसके बाद कीमती सामान की चोरी करना शामिल था।

गिरफ्तार आरोपियों में गेन उर्फ नागपल्ला किशोर कुमार उर्फ किशोर, निवासी शापुर नगर, हैदराबाद, जिला अनंतपुर, एपी और चिथारी भरत उर्फ बाथू निवासी हसमंथपेट, ओल्ड बोवेनपल्ली शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चांदी के आभूषण, दो टाइटन घड़ियाँ, एक प्रोवोग घड़ी, दो मोबाइल, लेंस वाले दो कैनन कैमरे, एक होंडा एक्टिवा बरामद किया गया है। सभी की कीमत 4 लाख 60 हजार रुपये है। आरोपियों का पिछला अपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस ने क्षेत्र की देखरेख में 150 से अधिक सीसी कैमरों के कठोर प्रयासों और सावधानीपूर्वक सत्यापन के बाद मामले का पता लगाया।

तीन सीएम ने चर्चा के लिए कमर कसी

दावोस/ हैदराबाद 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तीन मुख्यमंत्रियों ने भारत, राज्यों के लिए विकासात्मक दृष्टिकोण, कल्याण, अर्थव्यवस्था, नवाचार, प्रौद्योगिकी, एआई, व्यवधान, स्थिरता, रोजगार और आगे की राह जैसे विषयों पर एक गोलमेज चर्चा के लिए कमर कस ली है। चर्चा में तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी, एपी के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू और महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फड़नवीस शामिल हैं।

गर्भवती पत्नी की हत्या के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुशाईगुडा पुलिस ने बुधवार को सचिन सत्यनारायण (30) को इस महीने की शुरुआत में अपने घर में गर्भवती पत्नी स्नेहा की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया। 15 जनवरी को घटी यह घटना मंगलवार को तब प्रकाश में आई जब मकान मालिक को घर से दुर्गंध आने का अहसास हुआ। प्रेम विवाह करने वाला यह जोड़ा कुशाईगुड़ा में किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि सचिन सत्यनारायण अक्सर स्नेहा के साथ वित्तीय मुद्दों सहित छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा करता था और हाल ही में जब से वह गर्भवती हुई है, तब से वह उसकी निष्ठा पर संदेह करने लगा है। ऐसा संदेह है कि इसी तरह की एक बहस के बाद नशे में धुत सचिन सत्यनारायण ने स्नेहा को पीटा और उसके पेट पर बैठ गया, जिससे उसे खून बहने लगा और उसकी तत्काल मौत हो गई।

ग्राम सभाओं में कई मंत्री एवं जन प्रतिनिधियों ने भाग लिया

प्रदेश में दूसरे दिन भी सफल ग्राम सभाएँ

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)।अधिकारियों ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्राम सभाएं सफलतापूर्वक जारी हैं। अब तक राज्य भर के 9844 गांवों में 60 प्रतिशत ग्राम/वार्ड सभाएं सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इन ग्राम सभाओं में अब तक उन चार योजनाओं के संबंध में 10 लाख 9 हजार 131 आवेदन प्राप्त हुए हैं। सरकार ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर औपचारिक रूप से रैतु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा, इंद्राम्मा हाउस और राशन कार्ड योजनाएं शुरू करने का फैसला किया है। इसके लिए गांवों और शहरी क्षेत्रों में वार्डों में बैठकें आयोजित की जा रही हैं और आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। लोग इन बैठकों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं और अधिकारियों के समक्ष अपने आवेदन प्रस्तुत करते हैं। 21 से 24 जनवरी तक चलने वाली इन ग्राम सभाओं के तहत बुधवार को दूसरे दिन 3608 ग्राम सभाएं और 1055 वार्ड सभाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गईं, जिससे कुल 4663 ग्राम/वार्ड सभाएं हुईं। राज्य के ग्रामीण इलाकों में 12,914 ग्राम सभाएं, शहरी इलाकों में 3484 वार्ड सभाएं, कुल 16,398 ग्राम और वार्ड सभाएं होनी हैं। आज प्रदेश के मंत्रियों ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में ग्राम सभाओं में भाग लिया। राज्य के राजस्व, आवास और सूचना नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने खम्मम जिले के पलेरू निर्वाचन क्षेत्र के कई गांवों में आयोजित ग्राम सभाओं में भाग लिया। राज्य के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और बीसी कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने जगित्याला और राजन्ना सिरिसिला जिलों में भाग लिया।

काजीपेट रेलवे स्टेशन का 24.45 करोड़ रुपये से होगा पुनर्विकास

काजीपेट, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे में बड़े पैमाने पर रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के साथ एक बड़ा परिवर्तन चल रहा है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करना है। अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत, तेलंगाना भर में 40 रेलवे स्टेशनों का 2,737 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है, ताकि आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान की जा सकें और उन्हें क्षेत्रीय आबादी के लिए विकास केंद्रों में परिवर्तित किया जा सके। इस मिशन को तब बड़ा बढ़ावा मिला जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त, 2023 और फरवरी, 2024 के दौरान तेलंगाना राज्य में स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इस सूची में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के बड़े पैमाने पर किए गए उन्नयन कार्य शामिल हैं, जिन्हें विश्व स्तरीय मानकों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर शुरू किया गया है।

इसके अलावा, जुड़वां शहरों के क्षेत्र में अन्य मौजूदा रेल टर्मिनलों पर भीड़ को कम करने के लिए, चरलापल्ली स्टेशन को सभी सुविधाओं के साथ विकसित किया गया है और इसे शहर की जनता की सुविधा के लिए वैकल्पिक टर्मिनल के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। एबीएसएस नीति रेल मंत्रालय द्वारा तैयार की गई थी जिसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना है, दीर्घकालिक दृष्टि के साथ निरंतर आधार पर विकास की परिकल्पना करना है। यह विचार मास्टर प्लान के अनुसार विभिन्न महत्वपूर्ण तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है जो रेलवे स्टेशनों की बढ़ती जरूरतों और बढ़े हुए संरक्षण को पूरा करता है। काजीपेट रेलवे स्टेशन तेलंगाना भर में 40 रेलवे स्टेशनों में से एक है जिसे एबीएसएस के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। वारंगल में स्थित काजीपेट रेलवे स्टेशन का इतिहास 19वीं शताब्दी का है काजीपेट स्टेशन ने आसपास के क्षेत्रों से कोयला, कपास और अन्य सामानों के परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले कुछ वर्षों में, स्टेशन में कई विस्तार और आधुनिकीकरण हुए हैं, जिसमें नए प्लेटफ़ॉर्म, ट्रैक और सुविधाएँ शामिल हैं। हालाँकि, अब काजीपेट रेलवे स्टेशन वारंगल को तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और शेष भारत के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला एक प्रमुख जंक्शन स्टेशन है और काजीपेट स्टेशन का इतिहास जटिल और बहुआयामी है।

श्रीधर बाबू ने प्रोफेसर क्लॉस श्वाब से मुलाकात की

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री डुडिल्ला श्रीधर बाबू ने बुधवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच के संस्थापक प्रोफेसर क्लॉस श्वाब से मुलाकात की।इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि प्रोफेसर श्वाब से मिलना न केवल सम्मान की बात थी बल्कि यह एक आंख खोलने वाला अनुभव था जिसने विचारों, दृष्टि और वैश्विक सहयोग की शक्ति को मजबूत किया। "हमने इस बात पर गहन चर्चा की कि कैसे तेलंगाना खुद को नवाचार, स्थिरता और प्रौद्योगिकी-संचालित प्रगति में अग्रणी के रूप में स्थापित कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर स्वच्छ ऊर्जा, स्मार्ट शहरों और डिजिटल परिवर्तन तक, तेलंगाना भारत के भविष्य की गति निर्धारित कर रहा है और अत्याधुनिक समाधानों के लिए तेजी से वैश्विक केंद्र बन रहा है। श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना भविष्य के लिए तैयार है और बातचीत ने परिवर्तन में वैश्विक नेता बनने की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X @SCRailwayindia पर फालो करें। हमारे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर भी उपलब्ध।

निविदा सूचना

32-जीएसयु-24-25-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी, 33-जीएसयु-24-25-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी, एवं 35-आरइवी-24-25-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी

PUB/0061

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवम् के लिए,निर्वहणकर्ता एसआर. डीइइ/ एम/एचवायबी द्वारा निम्न निविदाओं की बंद तिथि 18-02-2025 के 15.00 बजे तक, तत्संबंधित ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण अपने मूल/संशोधित बोली को, केवल उक्त बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं एवम् इस प्रकार के किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरण: निविदा सं.32-जीएसयु-24-25-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी: हैदराबाद डिवीजन:1)जीएसयु/एचवायबी: लिफ्ट्स/एस्केलेटर्स का प्रावधान: अमृत भारत योजना के तहत मेडचल पर सब-स्टेशन का प्रावधान, एचटी/एलटी का मजबूतीकरण 2)अमृत भारत योजना के तहत एमइडी, केएमसी के सब-स्टेशनों पर लगातार बिजली आपूर्ति या अनइंटरप्टिबुल पावर सप्लाई का प्रावधान तथा यात्रियों की सुविधाओं की व्यवस्था। **अनुमानित मूल्य:**रु.2,35,27,678.00, **पूधरा:रु**.2,67,600.00, पूरा करने की **अवधि:**12 महिने, बंद करने की **तिथि:**18-02-2025

क्रम सं.2, कार्य विवरण: निविदा सं.33-जीएसयु-24-25-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी: हैदराबाद डिवीजन: गति शक्ति: जीएसयु/एचवायबी: लिफ्ट्स/एस्केलेटर्स का प्रावधान: सब-स्टेशन का प्रावधान, अमृत भारत योजना के तहत कामारेड्डी पर एचटी/एलटी का मजबूतीकरण। **अनुमानित मूल्य:रु**.1,89,64,168.00, **पूधरा:रु**.2,44,800.00, पूरा करने की **अवधि:**12 महिने, बंद करने की तिथि:18-02-2025

क्रम सं.3, कार्य विवरण: निविदा सं.35-आरइवी-24-25-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी: हैदराबाद डिवीजन: आरटीयुज से एससीएडीए सर्वर को एकीकृत या इन्टिग्रेट व कानफिगर करने के लिए, मौजूदा एससीएडीए सिस्टम एसएलडी को संशोधित या एसएलडी के संशोधन द्वारा एससीएडीए का पुनर्विकास करना। इसके साथ, वोल्टेज, करेंट, केडब्ल्यूएच, केवीएच, केवीआरएच, एमडी इत्यादि की मौजूदा पैरामीटर्स के तत्संबंधित कार्य सहित नए सॉफ्टवेयर सिस्टम के अनुरूप डेटा अपडेट करना। **अनुमानित मूल्य:रु**.34,39,028.00, पूधरा:रु. 68,800.00, पूरा करने की **अवधि:**6 महिने, बंद करने की **तिथि:**18-02-2025

वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in निम्न नोटिस बोर्ड लोकेशन, जहा निविदा का **पूरा विवरण देखा जा सकता है:** कार्यालय-एसआर. डीइइ/एम/एचवायबी, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500071

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ हैदराबाद

A0078

निविदा की अधिक जानकारी संबंधित नियम/शर्तें एवम् निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु, कृपया हमारे वेबसाइट्स http://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrail-ways.gov.in पर जाएं।

पूर्व तट रेलवे

विज्ञापन अधिकारों के लिए ई-नीलामी

नीलामी सूची सं.: WAT-SL-Pod-03

लॉट संख्या/श्रेणी: मासराहल्ली-वाल्टियर-विशाखापटनम-सीपॉड-52-25-2 (विविध-स्थिर-सेवाएँ-स्टेशन पर स्लीपिंग पॉड्स)

विवरण: विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन पर स्लीपिंग पॉड्स की स्थापना, संचालन और रखरखाव।

लॉट आरंभ तिथि और समय: 03.02.2025, 1100 बजे

लॉट समाप्ति तिथि और समय: 03.02.2025, 1130 बजे

दर इकाई: वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क, यात्राएं/दिन: 1826, न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2%, लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

उपरोक्त ई-नीलामी नोटिस की पूरी जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक वाल्टियर

PR-907/P/24-25

प्रगति यात्रा में सीएम नीतीश कुमार का हेलीकॉप्टर

उड़ाने वाले कैप्टन पर एक्शन किया गया सस्पेंड

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हेलीकॉप्टर उड़ाने वाले कैप्टन पर सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने विमान चालक सह उत्तरदायी प्रबंधक, वायुयान संगठन के पद पर तैनात कैप्टन विवेक परिमल को सस्पेंड कर दिया है। कैप्टन विवेक परिमल पर आरोप है कि मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के बीच वे लगातार सेवा से अनुपस्थित रहे। उन्होंने हेलीपैड की अनापत्ति, को-ऑर्डिनेट, फोटो और वीडियो हेलीकॉप्टर संचालक को उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी का भी निर्वहन नहीं किया। इसे कर्तव्य के प्रति गंभीर लापरवाही औरअनुशासनहीनता मानते हुए कैप्टन विवेक परिमल को सस्पेंड किया गया है।

गाजियाबाद में 3 गो-तस्करों का एनकाउंटर

गाजियाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने देर रात एनकाउंटर में 3 गोतस्करों के पैर में गोली मारी। ट्रांस हिंडन जोन में थाना पुलिस और स्वाट टीम ने जब घेराबंदी की तो बदमाश फायरिंग करने लगे। जवाबी फायरिंग में तीनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने रात में घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पूछताछ में बताया यह तीनों रात में गोकशी करने जा रहे थे, पूर्व की घटना में भी फरार चल रहे थे। तीनों के खिलाफ पुलिस की तरफ से एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। टीलामोड़ पुलिस व ट्रांस हिंडन, स्वाट टीम संयुक्त रूप से पुलिस टीम फरुखनगर से दबिश देकर आ रही थी।

पुलिस को सूचना मिली की एक ट्रक एयरपोर्ट बाउंड्री की तरफ जंगल में खड़ा है। जिसमें कुछ लोग रात्रि में गाय चोरीकर ले जाने की फिराक में हैं। पुलिस ने ट्रक के पास पहुंचकर तो देखा कि 3 - 4 व्यक्ति जंगल में बैठी गायों को बांधने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस द्वारा टोकने पर बदमाशों द्वारा पुलिस को निशाना बनाते हुए जान से मारने की नियत से फायर कर दिया गया। जिसके बाद चारों बदमाश भागने लगे। इस बीच भागते समय 3 बदमाशों को अरेस्ट कर लिया।

पटना में छात्रा से एक साल में कई बार रेप

तबीयत बिगड़ने पर पीएमसीएच रेफर

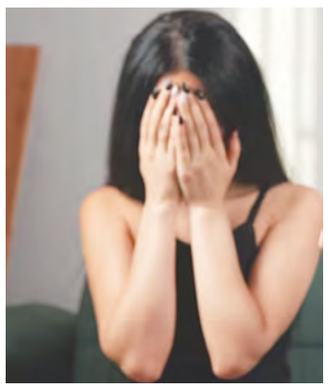

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पटना में छात्रा से एक साल तक रेप करने का मामला सामने आया है। पत्रकार नगर इलाके में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करने वाली 22 साल की छात्रा ने मामले को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। गिरिडीह की रहने वाली छात्रा ने कंकड़बाग के रहने वाले प्रियांशु सिंह राजपूत के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पीड़िता ने दर्ज प्राथमिकी में कहा कि 'प्रियांशु से पार्ट 2 की परीक्षा के दौरान दोस्ती हुई थी। एक दिन उसने बहाना बनाकर कहा कि तबीयत खराब हो गई है। उसे देखने गई तो उसके घर में कोई नहीं था। उसने पानी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। इसके बाद दुष्कर्म किया। उसने मुझे ऑटो से हॉस्टल भेज दिया। इसके बाद एक साल तक ब्लैकमेल कर शारीरिक संबंध बनाता रहा।' छात्रा उसकी वजह से बिहारशरीफ चली गई थी। 13 जनवरी को तबीयत बिगड़ गई तो वहां भर्ती कराया गया, पर डॉक्टर्स ने पटना रेफर कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

रेलवे क्लेम घोटाले में ईडी की ताबड़तोड़ छापामारी

पटना, नालंदा समेत 5 ठिकानों पर बोला धावा

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। रेलवे क्लेम घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार की सुबह से पटना,नालन्दा और मैंगलूर समेत पांच स्थानों पर अपनी कार्रवाई को अंजाम दिया है। रेलवे के कर्मचारियों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के सहारे करीब 100 करोड़ से अधिक से जुड़ा है घोटाला। ईडी इस मामले में कई न्यायिक अधिकारियों, वकीलों और सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की जांच कर रही है। खासकर, रेलवे न्यायिक अधिकारी रहे आरके. मित्तल और वकील बीएन. सिंह के ठिकानों पर छापेमारी की गई है। उल्लेखनीय है कि आरके. मित्तल को कुछ साल पहले भ्रष्टाचार के आरोप में सेवा से बर्खास्त किया गया था। रेलवे में हुए करोड़ो के इस घोटाले में सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन न्यायमूर्ति रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति उदय यू. ललित की पीठ के निर्देश पर सीबीआइ ने यह मामला दर्ज किया था।

क्या है मामला?

माना जा रहा है कि इस घोटाले में रेलवे कर्मचारियों के नाम पर फर्जी दावे दाखिल किए गए थे और फिर उन दावों के आधार पर बड़ी रकम हड़पी गई थी। इस पूरे रैकेट में कई लोगों की मिलीभगत थी। सूत्रों की माने तो एक-एक व्यक्ति के नाम पर चार-चार बार धन की उगाही की गई। मामला वर्ष 2015-2018 के बीच का है। सीबीआइ की कार्रवाई को आधार बनाकर प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले की जांच शुरू की थी। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भारत सरकार की एक प्रमुख जांच एजेंसी है, जो आर्थिक अपराधों और वित्तीय अनियमितताओं की जांच करने के लिए जिम्मेदार है। बता दें कि ईडी अलग-अलग मामलों में बिहार में लगातार धावा बोल रही है। हाल में ही महुआ ग्रुप ऑफ कंपनी पर ईडी ने शिकंजा कसते हुए उसके संचालक को गिरफ्तार कर लिया। ईडी के निशाने पर कई बालू माफिया भी हैं, जो अवैध तरीके से धंधा चला रहे हैं।

ईडी कैसे करती है काम

आरोप पत्र दाखिल करना: ईडी जांच के बाद आरोप पत्र दाखिल करती है।

अदालत में मामला चलाना: ईडी अदालत में मामला चलाती है और आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए प्रयास करती है।

संपत्ति की जब्ती: ईडी आर्थिक अपराधों से प्राप्त संपत्ति की जब्ती करती है।

ईडी के मुख्य काम

मनी लॉन्डरिंग की जांच वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाना अपराधियों की संपत्ति की जब्ती आर्थिक अपराधों को रोकने के लिए नीतियों का निर्माण
विदेशी मुद्रा के अवैध लेन-देन की जांच
कर चोरी और अन्य वित्तीय अपराधों की जांच

गाजियाबाद के दो ज्वैलर्स की 1.52 करोड़ की एफडी ईडी ने की जब्त

लखनऊ, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

ईडी ने गाजियाबाद के दो बड़े ज्वैलर्स की एक करोड़ 52 लाख रुपए की एफडी जब्त की है। एजेंसी के मुताबिक, नेतर सभरवाल केस व बैंक धोखाधड़ी के मामले में जब्त की गई संपत्ति में दो एफडी 1.22 करोड़ व 30.76 लाख रुपये की अन्य एफडी शामिल है। आरोप है कि गाजियाबाद के इन दोनों ज्वैलर्स ने नोटबंदी के दौरान बैंक के अधिकारियों के साथ सांठ गांठ कर करोड़ों की रकम का हेरफेर किया था। सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच की गाजियाबाद यूनिट ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद ईडी ने भी इस मामले का संज्ञान लिया और जांच शुरू की थी।

ईडी के मुताबिक, जांच के दौरान पता चला कि वर्ष 2016 में नोटबंदी के दौरान दोनों ज्वैलर्स ने नकदी जमा करने के लिए फर्जी तरीकों से बैंक खातों का इस्तेमाल करते हुए गलत तरीके से नगद धनराशि किया था। ईडी की जांच में यह भी सामने आया कि, जेएंडके बैंक के अफसरों और कर्मचारियों ने कई लोगों के साथ मिलकर नोटबंदी के दौरान भारी भरकम नकदी जमा करने की साजिश रची थी। फिलहाल ईडी अब भी इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में ईडी फर्जीवाड़े से जुड़े हर पहलू की बड़ी ही गंभीरता से जांच कर रही है। ईडी को कई अहम जानकारियां मिलीं हैं।

सपा सांसद प्रिया सरोज भड़कीं

पूछा- ये बाबा है! अभी तक ये जेल क्यों नहीं गया?

प्रयागराज, 22 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में जारी भव्य, दिव्य और नव्य महाकुंभ के बीच उत्तर प्रदेश का सियासी पारा हाई हो गया। अयोध्या के हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने सोशल मीडिया पोस्ट पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की है। महंत राजू दास की सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध शुरू कर दिया है। राजू दास के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने अयोध्या में एफआईआर भी दर्ज कराई है। इसी को लेकर अब सपा सांसद प्रिया सरोज ने पुलिस से महंत राजू दास के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, हालिया दिनों समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव को लेकर एक पोस्ट लिखा था। जिसमें उन्होंने मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, अगर आप कुंभ मेले में जा रहे हैं तो इस देश के पीडीए के भगवान के दर्शन जरूर करें। समाजवादी पार्टी सुप्रीमों अखिलेश यादव के इस पोस्ट पर अयोध्या के हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने आपत्ति जनक टिप्पणी की थी। इस पोस्ट में महंत राजू दास ने स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के लिए कठमुल्ला शब्द का प्रयोग करते हुए विवादित भाषा का इस्तेमाल किया। इस पोस्ट के बाद समाजवादी पार्टी के नेता, पदाधिकारी समेत अन्य लोग नाराज हो गए और महंत राजू दास के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

'इसका फैसला भाजपा नहीं करेगी कि कौन कब-कहां डुबकी लगाएगा'

महाकुंभ को लेकर बीजेपी पर भड़कीं डिंपल यादव

प्रयागराज, 22 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में करोड़ों लोग आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। इस बीच इसे लेकर सियासत भी तेज हो रही है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने हरिद्वार में डुबकी लगाई जिसे लेक बीजेपी उनपर निशाना साध रही है। बीजेपी के इन हमलों पर मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ये फैसला नहीं करेगी कि कौन कब-कहां डुबकी लगाएगा। सपा नेता डिंपल यादव से जब महाकुंभ को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि महाकुंभ अभी 26 फरवरी तक चल रहा है। भारतीय जनता पार्टी के लोग ये फैसला लेने वाले कोई नहीं होते कि कौन कब, कहां डुबकी लगाएगा। मुझे लगता है कि ये अधिकार एक मनुष्य का है कि वो कब जाता है, कहां डुबकी लगाएंगे? इस तरह का भ्रम फैलाने वाली बातें करते हैं। मुझे लगता है कि भाजपा के लोगों को इससे बाज आना चाहिए।

बीजेपी पर भड़कीं डिंपल यादव

डिंपल यादव ने इस दौरान महाकुंभ की तैयारियों को लेकर भी योगी सरकार को घेरा और कहा कि कुंभ को लेकर लगातार इस तरह की बातें सुनने के मिल रही हैं कि जिस तरह के इंतजाम होने चाहिए थे वो 100 फीसद नहीं है। ये कुंभ का मेला हमेशा से होता आया है। ऐसा नहीं है कि पहली बार हो रहा है। कहीं न कहीं थोड़ी बहुत कमियां रह जाती है। जिस तरह आग भी लगी। मुख्यमंत्री खुद उस समय प्रयागराज में मौजूद थे। जो टेंट में आग लगी है आगे ऐसा फिर न हो इसके लिए शासन प्रशासन ये सौ फीसदी सुनिश्चित करें कि कुंभ में जितने भी श्रद्धालु आ रहे हैं उन्हें पूरी सुविधाएं दी जाएं। डिंपल यादव ने अखिलेश यादव और उनके महाकुंभ जाने को लेकर भी जवाब दिया और कहा कि अध्यक्ष कुंभ जाएंगे या नहीं ये वो जानें और अगर मैं जाऊंगी तो वो भी आपको पता चल ही जाएगा। बता दें कि सपा मुखिया ने मकर संक्राति के मौके पर हरिद्वार में डुबकी लगाई थी, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर भी की थीं। अखिलेश यादव ने कहा कि वो उस समय हरिद्वार में थे इसलिए उन्होंने वहां डुबकी लगाई। गंगा हरिद्वार से लेकर गंगा सागर तक बहती हैं इसलिए कोई भी कहीं भी डुबकी लगा सकता है।

चलती ट्रेन में यात्री की गोली मारकर हत्या

लखीसराय, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार से अपराध की एक और हैरान कर देने वाली घटना सामने आ रही है। यहां लखीसराय जिले में चलती ट्रेन में एक यात्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। गोली लगने से जिस शख्स की मौत हुई है उसकी पहचान लखीसराय जिले के ही महसोना गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार के रूप में हुई है जो कि 49 साल का था। ट्रेन में सरेआम इस हत्या ने सभी लोगों को हैरानी में डाल दिया है। दरअसल, चलती ट्रेन में हत्या की ये खौफनाक वारदात हावड़ा-गया एक्सप्रेस में हुई है। जमालपुर रेल पुलिस अधीक्षक ने इस घटना को लेकर बयान जारी किया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को हावड़ा-गया एक्सप्रेस किऊल जंक्शन पर रुकने वाली थी। इसी दौरान कुछ बदमाशों ने एक यात्री की गोली मारकर हत्या कर दी। ट्रेन के भीतर बैठे प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश ट्रेन से कूद कर भाग गए।

राजस्थान के व्यापारी की लखनऊ के होटल में संदिग्ध मौत

लखनऊ, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जालौर जिले के व्यापारी नीलेश भंडारी (44) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उनका शव लखनऊ के चिनहट स्थित होटल सैफरान के बाथरूम में नग्न अवस्था में मिला। व्यापारी के साथ उनकी गर्लफ्रेंड आकांक्षा जैन भी ठहरी हुई थीं, जो घटना के बाद वहां से फरार हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एसओ चिनहट भरत पाठक ने बताया कि व्यापारी नीलेश ने होटल का कमरा अपनी पत्नी के नाम डिंपल भंडारी के आधार कार्ड से बुक किया था, लेकिन उनके साथ मध्य प्रदेश निवासी आकांक्षा जैन थीं। आकांक्षा ने मौत की सूचना होटल स्टाफ को दी और उन्हें अस्पताल भी ले गईं, जहां डॉक्टरों ने नीलेश को मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल पर पप्पू यादव का गंभीर आरोप

पूर्णिया, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से लोकसभा सांसद पप्पू यादव ने बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और सार्वजनिक सेवाओं के चौपट होने का हवाला देते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर 11 साल के कुशासन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल सरकार के कुशासन की वजह से शहर की स्थिति बहुत खराब हो गई है। दिल्ली के बादली विधानसभा क्षेत्र के भगवानपुरा और स्वरूप नगर इलाकों में आयोजित दो सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बात कही। इस दौरान उन्होंने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और कांग्रेस के उम्मीदवार देवेंद्र यादव का समर्थन भी किया। बता दें कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पप्पू यादव ने पूर्णिया से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। पप्पू यादव ने अपने बयान में कहा, केजरीवाल की सरकार ने रिकॉर्ड उच्च बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, खराब शिक्षा व्यवस्था और चौपट स्वास्थ्य सेवाओं के साथ दिल्ली को विफल कर दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के लोगों के लिए कोई सार्थक काम नहीं किया और केवल अपने राजनीतिक लाभ साधने के लिए काम किया। पप्पू यादव ने मतदाताओं से कांग्रेस के उम्मीदवार देवेंद्र यादव का समर्थन करने की अपील की और दावा किया कि उनकी जीत से क्षेत्र में प्रगति और बहाल होगी। कांग्रेस के एक बयान में पप्पू यादव के हवाले से कहा गया, देवेंद्र यादव की जीत से इलाके में विकास और समृद्धि बहाल होगी, जो मौजूदा समय में पूरी तरह से लुप्त हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि 1998 से 2013 तक शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के दौरान दिल्ली में कई विकास कार्य हुए थे और अब कांग्रेस ही वह ताकत है जो दिल्ली के विकास को फिर से गति दे सकती है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 का मतदान 05 फरवरी को होगा और मतगणना 08 फरवरी को होगी।

मोतिहारी के डीएम सौरभ जोरवाल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों होंगे सम्मानित

मोतिहारी, 22 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में देश के सभी जिलों में चुनाव के बेहतर प्रबंधन के लिए चुनाव आयोग हर साल मतदाता दिवस पर 25 जनवरी को अवॉर्ड देता है। 2024-25 में जनरल कैटेगरी में नौ राज्य के 11 लोगों को अवॉर्ड दिया जाएगा। चार कैटेगरी में यह अवॉर्ड दिया जा रहा है। इस बार बिहार को भी ये खास अवॉर्ड मिलने वाला है। जिसके लिए बिहार के पूर्वी चंपारण जिले को चुना गया है। राष्ट्रपति द्वारा चुनाव संबंधी सर्वोत्तम कार्य प्रणाली के लिए पूर्वी चंपारण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को चुना गया है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी को राष्ट्रपति के हाथों पूर्वी चंपारण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को सम्मानित किया जाएगा। देश भर में

लोकसभा चुनाव में बेहतर चुनाव संचालन में बेहतर प्रबंधन, आईटी पहल, सुरक्षा प्रबंधन इत्यादि में योगदान और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जाएगा। बापू की कर्म भूमि चंपारण समेत बिहार के लिए गर्व की बात है कि चुनावों की भव्यता, चुनाव सुधार, तकनीकी प्रगति और चुनाव प्रबंधन नवाचारों को प्रदर्शित करने वाले राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए इस वर्ष पूर्वी चंपारण का चयन किया गया है। यह पुरस्कार राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी को दिया जा रहा है।

एसडीएम ने सड़क पर लेटे साधु को खिलाया खाना

बुलंदशहर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बुलंदशहर के स्याना में मानवता की एक अनूठी मिसाल सामने आई। एसडीएम गजेंद्र सिंह ने देर रात रैन बसेरों का निरीक्षण करते हुए सड़क किनारे सोए एक साधु को न केवल भोजन कराया, बल्कि उन्हें अपनी गाड़ी से रैन बसेरे तक पहुंचाया और आराम की व्यवस्था की। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि कड़ाके की सर्दी में किसी को भी खुले आसमान के नीचे नहीं सोने दिया जाएगा। स्याना तहसील क्षेत्र में कई स्थानों पर रैन बसेरे स्थापित किए गए हैं, जहां हीटर और गर्म कपड़ों की समुचित व्यवस्था की गई है। निरीक्षण की जिम्मेदारी तहसीलदार और नायब तहसीलदार के नेतृत्व में विशेष टीमों को सौंपी गई है।

गोंडा में ट्रेन से काटकर युवक की मौत

गोंडा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। गोंडा जिले के मोतीगंज रेलवे स्टेशन के पास विद्यानगर गांव की झाड़ियों में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची जीआरपी और मोतीगंज थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि लगभग 38 वर्षीय युवक की मौत ट्रेन से कटने के कारण हुई है। मोतीगंज थाना अध्यक्ष के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि युवक ट्रेन से गिरकर दुर्घटना का शिकार हुआ। गोंडा जीआरपी प्रभारी ने भी इस बात की पुष्टि की है। पुलिस ने शव को पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस मृतक के फोटो के आधार पर पहचान स्थापित करने का प्रयास कर रही है।

संभल में गदा लहराने वाले डीएसपी की मुश्किलें बढ़ीं मानवाधिकार आयोग ने दिए कार्रवाई के आदेश

संभल, 22 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद वर्दी पहन हाथ में गदा लेकर धार्मिक जुलूस की अगुवाई करने वाले डिप्टी एसपी अनुज चौधरी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। मानवाधिकार आयोग ने इस मामले में बरेली जोन के एडीजी को कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। यूपी के मानवाधिकार आयोग ने बरेली जोन के एडीजी को आठ हफ्ते में कार्रवाई करने को कहा है। डिप्टी एसपी के खिलाफ पहले ही विभागीय जांच चल रही है। गौरतलब है कि संभल में हिंसा की घटना के बाद अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान मुस्लिम बस्ती से पिछले 46 सालों से बंद पड़े मंदिर की जानकारी सामने आई थी। जब यह मंदिर खोला गया तो पुलिस व प्रशासन के तमाम दूसरे अधिकारियों के साथ ही डिप्टी एसपी अनुज चौधरी वर्दी पहनकर पूजा करते हुए नजर आए। इतना ही नहीं वह मंदिर की सफाई में न सिर्फ खुद ही शामिल हुए बल्कि उस वक्त भी वर्दी पहने हुए थे। इसके कुछ दिनों बाद इसी मंदिर तक जाने वाली रथ यात्रा में डिप्टी एसपी अनुज चौधरी हनुमान जी की गदा को हाथ में लेकर लहराते हुए जुलूस की अगुवाई करते हुए नजर आए थे।

जिला अदालत का ऐतिहासिक फैसला, दस साल पुराने हत्या के मामले में दोषी को मृत्यु दंड

अलीगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अलीगढ़ जिला कोर्ट ने हत्या के मामले रिटायर्ड फौजी को मृत्यु दंड दिया है। शख्स ने अपने ही परिवार के सदस्य को मौत के घाट उतार दिया, बीच बचाव करने पहुंचे पड़ोसी को भी गोली मार दी। इसके बाद आसपास के लोगों ने शख्स को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया था। कई वर्षों तक कोर्ट में चली बहस के बाद अदालत ने आरोपी को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। करीब दस वर्ष पुराने अलगीढ़ में हुए एक बहुचर्चित हत्याकांड में शनिवार को अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। यह मामला एक सेवानिवृत्त फौजी मनोज कुमार सिंह द्वारा अपनी पत्नी, बेटे और एक किरायेदार महिला की गोली मारकर हत्या करने से जुड़ा हुआ था। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) द्वितीय पारुल अत्री की अदालत ने इसे विरलतम अपराध मानते हुए दोषी को मृत्युदंड (फांसी) की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने दोषी पर एक लाख 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। ये जुर्माना आरोपी की बेटी को दिया जाएगा,

स्पा सेंटर में लड़कियों का बिक रहा था जिस्म अंदर मिले सामान को देख पुलिस भी चौंकी

मेरठ, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मेडिकल थाना क्षेत्र में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार कराए जाने का आरोप लगा है। चौंकाने वाली बात यह है कि स्पा सेंटर जेलचुंगी चौकी इंचार्ज स्नेह प्रकाश आजाद की पार्टनरशिप में चल रहा था। मामले का खुलासा मंगलवार को उस वक्त हुआ, जब इस स्पा सेंटर की पूर्व महिला कर्मचारी ने एसएसपी से शिकायत की। अश्लील फोटो और वीडियो सामने आने के बाद एसएसपी डा। विपिन ताडा ने चौकी इंचार्ज को सस्पेंड कर दिया। शास्त्रीनगर निवासी युवती एसएसपी ऑफिस पहुंची। युवती ने बताया कि वह मंगल पांडे नगर स्थित दी सीजर फैमिली स्पा सेंटर में काम करती थी। वहां महिलाओं और पुरुषों का आना जाना लगा रहता था। स्पा की आड़ में देह व्यापार किया जा रहा था। उसने विरोध किया और नौकरी छोड़ने की बात कही तो संचालिका ने उसे देह व्यापार में फंसाकर मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दे दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दरोगा स्नेह प्रकाश आजाद का कहना है कि आठ महीने पहले वह छुट्टी पर थे। अपने परिवार के साथ वैवाहिक वर्षगांठ मना रहे थे। इसी दौरान मेरे घर की वीडियो बनाकर वायरल कर दी। युवती जो आरोप लगा रही है, उसके खिलाफ लड़की सप्लाई करने के मामले में 376 का मुकदमा दर्ज है। उसका नाम मुकदमे से नहीं निकाला गया, इसलिए गलत आरोप लगा रही है।

खेत में बिछा था बिजली के तारों का जाल, चूल्हे की लकड़ी के लिए जंगल गए पति-पत्नी को लगा करंट हो गई मौत

कोरापुट, 22 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के कोरापुट जिले के नंदापुर थाना क्षेत्र में एक पति-पत्नी की जंगल में मौत हो गई। कपल गेरुपुट गांव के रहने वाले थे। दोनों गांव के पास जंगल में चूल्हे में जलाने वाली लकड़ियां लेने गए थे, जहां उन्होंने जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिछाई गई तार को छू लिया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों दोपहर के समय लकड़ी लेने गए थे, लेकिन जब रात तक वापस नहीं लौटे तो उन्हें ढूंढना शुरू किया गया। दरअसल नंदापुर ब्लॉक के गेरुपुट गांव में शिकारियों के लगाए गए बिजली के तार के चपेट में आने की वजह से एक पति-पत्नी की मौत हो गई। मृतक पति-पत्नी की पहचान बोलाराम गलेल और बाला गलेल के रूप में हुई है, जो गेरुपुट गांव के निवासी थे। जानकारी के मुताबिक दंपत्ति रविवार को दोपहर के समय अपने गांव के पास में ही जंगल में जलाने वाली लकड़ी लेने गए थे। वहीं उनकी मौत हो गई। खेत में शिकारियों ने जंगली सूअरों के शिकार के लिए बिजली के तार बिछाए थे।

चीन-नेपाल सीमा से सटे गांवों को नए सिरे से आबाद कर रही भारत सरकार, आखिर क्या है कारण?

देहरादून, 22 जनवरी (एजेंसियां)। चीन और नेपाल से सटे उत्तराखंड की सीमाओं की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए गांवों को नए सिरे से आबाद किया जा रहा है। केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम में शामिल राज्य के तीन सीमांत जिलों के पांच विकासखंडों के 51 गांवों के विकास को कार्य किए जा रहे हैं। इनमें आर्थिकी सुधार के लिए आजीविका विकास और पर्यटन गतिविधियों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। उत्तराखंड की कुल 658 किलोमीटर सीमा चीन और नेपाल से लगती है। ये सीमा पिथौरागढ़, चमोली व उत्तरकाशी जिलों के अंतर्गत आती है।

सीमाओं से सटे गांवों को सीमाओं का सजग प्रहरी भी माना जाता है। राज्य गठन के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांव खाली हो रहे हैं। इससे सीमाओं की सुरक्षा को लेकर संकट खड़ा हो रहा है। केंद्र और राज्य सरकार ने भी इस बात को समझा। यही कारण है कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत इन गांवों का कायाकल्प किया जा रहा है। इसके लिए 758 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इसके पीछे मंशा इन गांवों से पलायन को थामना भी है। इसी कड़ी में वाइब्रेंट योजना में शामिल राज्य के गांवों के लिए कार्ययोजना तैयार हो चुकी है। अब वहां आजीविका विकास समेत अन्य गतिविधियां तेजी से संचालित होंगी। इस कड़ी में यहां ऊर्जा व नवीकरणीय ऊर्जा, सड़क संपर्क और संचार की सुविधाएं विकसित किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही यहां पूर्व सैनिकों को भी रोजगार व स्वरोजगार से जोडने पर फोकस किया गया है।

राज्य में तैनात सेना व आइटीबीपी के कार्मिक स्थानीय निवासियों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के सहयोग से चार धाम आल वेदर रोड के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इस परियोजना में कुल 889 किमी लंबी सड़क बनाई जानी है। इसके लिए लगभग 12 हजार करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना के तहत 70 प्रतिशत से अधिक कार्य हो चुका है। पर्वतीय क्षेत्रों की सड़क चौड़ी होने से यहां सीमा तक बड़े वाहनों की पहुंच आसान हुई है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन भी देगी मजबूती

प्रदेश में इस समय ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन पर भी कार्य चल रहा है। इस रेल परियोजना के पूरा होने से चमोली तक रेल के जरिये भारी वाहन व उपकरण पहुंचाए जा सकेंगे। इससे सीमा तक उपकरण पहुंचाने में आसानी होगी। इसके लिए 16,200 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है।

हवाई संपर्क भी हो रहा है मजबूत

प्रदेश में हवाई संपर्क को भी लगातार मजबूत किया जा रहा है। पिथौरागढ़ के नैनीसैनी में एयरपोर्ट बनकर तैयार हो गया है। गौचर में भी हवाई जहाज उतारने के लिए एयरपोर्ट बनाने का कार्य चल रहा है। साथ ही सीमांत क्षेत्रों के आसपास लगभग 20 नए हेलीपोर्ट बनाए जा रहे हैं। इससे सेना के जवान व उपकरणों को आसानी से सीमा तक पहुंचाया जा सकेगा।

गोपुत्र सेना ने 15 बैलों से भरे ट्रक को 125 किमी तक किया पीछा, रोहतक पुलिस ने बैरिकेड लगाकर पकड़ा

हिसार, 22 जनवरी (एजेंसियां)। गोपुत्र सेना हरियाणा ने 15 बैलों से भरे ट्रक का 125 किलोमीटर तक पीछा किया। रोहतक पुलिस ने एमडीयू के पास बेरिकेड्स लगा कर ट्रक को रुकवाया। जब ट्रक की जांच की गई तो उसमें 15 बैल बरामद हुए। बैलों को एक गोशाला में उतारा गया। एक बैल की मौत हो गई। रोहतक पुलिस ने यूपी के संभल निवासी मोहम्मद माज के खिलाफ हरियाणा गोवंश सरंक्षण एवं गोसंवर्धन एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर किया है। रात 1 बजकर 25 मिनट पर लांधड़ी टोल से यूपी नंबर का ट्रक निकला। गोपुत्र सेना अग्रोहा के सदस्यों को ट्रक में गोवंश होने का शक हुआ। गोपुत्र सेना ने ट्रक चालक को रुकने का इशारा किया लेकिन चालक ने गति बढ़ा ली। ट्रक चालक ने ट्रक को तेज गति में हांसी की ओर दौड़ा दिया। गोपुत्र सेना बरवाला तहसील अध्यक्ष कवलजीत भुक्कल ने डायल 112 पर सूचना दी। साथ ही खुद भी ट्रक का पीछा करने लगे। मय्यड़ गांव तक कोई पीसीआर नहीं पहुंची। हाईवे पर 1033 पीसीआर को ट्रक में गोवंश की सूचना दी। रामयण टोल तक 1033 पुलिस पीसीआर ने भी उसे रोकने की कोशिश की। ट्रक चालक उसे तेज गति से दौड़ता रहा। पुलिस ने टोल पर सभी लाईन बंद करवा दी तो आरोपी चालक ने रोंग साइड ले जाकर टोल नाका तोड़ दिया और भाग निकला। हांसी सोरखी तक पुलिस की मदद नहीं मिली। महम में डायल 112 पीसीआर ने भी काफी देर तक ट्रक को रोकने का प्रयास किया। ट्रक चालक मदीना टोल प्लाजा पर भी टोल गेट तोड़ते हुए रॉन्ग साइड में हाईवे पर भाग लिया जहां दूसरे ट्रक से साथ टक्कर होते होते बची। रोहतक पुलिस की 8 पीसीआर पीछा करती रही। इसके बाद पुलिस ने एमडीयू के सामने बेरिकेड्स अड़ाकर ट्रक रोक लिया। मौके पर भीड़ ने ट्रक पर पथराव करते हुए शीशा तोड़ दिए। ट्रक चालक भागने का प्रयास करने लगा तब पुलिस ने उसे पकड़ लिया। रोहतक अर्बन एस्टेट पुलिस थाना के एएसआई कृष्ण ने बताया कि ट्रक में 15 गोवंश बरामद हुए जिनको गोशाला भेज दिया गया है। एक गोवंश की मौत हो गई है। ट्रक को कब्जे में लिया है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी की प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने खोली कलई, बीजेपी में भी सब-कुछ ठीक नहीं?

भोपाल, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी का कैंसर है।। यह कहते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कांग्रेस की आंतरिक राजनीति की कलई खोल दी। तो दूसरी तरफ भाजपा की सांसद रहीं और अब सीधी से विधायक रीति पाठक ने भी सार्वजनिक मंच से अपने ही सरकार के उपमुख्यमंत्री के खिलाफ बयान देकर बताया कि भाजपा में भी सब कुछ सही नहीं चल रहा है। बाबा साहेब अम्बेडकर की जन्मस्थली महू में राहुल गांधी की अगुवाई में होने वाली जय बापू, जय भीम, जय संविधान यात्रा से पहले गुटबाजी को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी का दर्द कार्यकर्ताओं के सामने मंच पर छलक गया। जीतू पटवारी ने गुटबाजी की तुलना कैंसर से कर डाली, यह कहते हुए कि कांग्रेस में गुटबाजी का कैंसर है या तो इसे खत्म करना होगा नहीं तो हम खत्म हो जाएंगे। दरअसल जीतू पटवारी आगामी 27 जनवरी को महू में होने वाली कार्यक्रम की तैयारी को लेकर धार पहुंचे थे। इसी दौरान मंच से उन्होंने यह बड़ा बयान गुटबाजी को लेकर दिया हालांकि कुछ घंटे बाद ही जीतू पटवारी अपने बयान से पलट गए और बीजेपी में गुटबाजी का हमला बोलने लगे ये कहते हुए कि गोविंद राजपूत और भूपेंद्र सिंह एक दूसरे को गाली देते हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर में भी सुमित्रा महाजन के पोते के शोरूम पर उन्हीं की पार्टी के लोगों ने हमला किया। बीजेपी के एक पार्षद ने दूसरे पार्षद के परिवार के साथ दुर्व्यवहार

प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप बनाने वाली कंपनी पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करें; एचसी का आदेश

जबलपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मानव जीवन के लिए हानिकारक कोरेक्स कफ सिरप पर प्रतिबंध के बावजूद सिरप का उत्पादन और खुले बाजार में बिक्री को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने प्रतिबंधित सिरप का उत्पादन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और पुलिस को दिए हैं। युगलपीठ ने कार्रवाई के संबंध में एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश भी जारी किए हैं। जबलपुर निवासी अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता द्वारा दायर याचिका में कहा गया था कि सरकार ने जून 2023 में अधिसूचना जारी कर क्लोफेनिरामाइन और कोडीन युक्त कफ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया था।

इसके बावजूद भी ऐसे कफ सिरप का उत्पादन जारी है। याचिका में यह भी कहा गया कि ऐसे कफ सिरप का उपयोग नशे के लिए किया जाता है। देश और प्रदेश के कई स्थानों पर बड़ी संख्या में प्रतिबंधित सिरप बरामद किए गए हैं। अधिसूचना के अनुसार इस तरह की गतिविधियों पर ड्रग कंट्रोलर, ड्रग इंस्पेक्टर और नारकोटिक्स कंट्रोल को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। संबंधित अधिकारियों द्वारा अपने दायित्व का सही ढंग से निर्वहन नहीं किए जाने के कारण प्रतिबंधित सिरप का उत्पादन जारी है। हाईकोर्ट ने सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के डायरेक्टर जनरल, प्रदेश सरकार के खाद्य एवं औषधि विभाग और ड्रग कंट्रोलर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अंतरिम राहत के लिए आवेदन पेश किया गया, जिसमें कहा गया कि प्रतिबंधित सिरप बनाने वाली कंपनियों पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना का पालन शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। आवेदन के साथ याचिकाकर्ता ने 30 से अधिक एफआईआर की जानकारी भी प्रस्तुत की, जिनमें प्रतिबंधित सिरप मिलने पर प्रकरण दर्ज किए गए थे।

युगलपीठ ने सुनवाई के बाद उक्त अंतरिम आदेश पारित किए। याचिका पर अगली सुनवाई 17 फरवरी को निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने अपना पक्ष स्वयं रखा।

टीचर-स्टूडेंट के बीच का ऐसा वीडियो आया सामने, देखते ही किसी को भी आ जाएगा गुस्सा

पालक्काड, 22 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के पालक्काड जिले के अनाक्कारा सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। प्लस वन के एक छात्र ने कथित तौर पर अपने शिक्षक को जान से मारने की धमकी दी। यह घटना उस समय हुई, जब छात्र ने स्कूल के सख्त नियमों का उल्लंघन करते हुए कक्षा में मोबाइल फोन लाया था। स्कूल में मोबाइल फोन नहीं लाने की सख्त नीति है। जब शिक्षक ने फोन जब्त करने की कार्रवाई की तो छात्र नाराज हो गया। इससे छात्र भड़क गया। छात्र का फोन छीने जाने पर पहले उसने हंगामा किया। फिर उसे प्रिंसिपल के कार्यालय में बुलाया गया। यहां छात्र ने कथित तौर पर शिक्षक को धमकी दी और कहा कि यदि वह उसे स्कूल से बाहर निकालेगा, तो वह उसे नुकसान पहुंचाएगा। वहीं, एक अन्य खबर में तमिलनाडु के इरोड जिले में दो विद्यालयों को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि ये धमकी अफवाह निकली। पुलिस के मुताबिक, इरोड से सात किलोमीटर दूर थिंडल और थेरक्कुपल्लम में भारती विद्या भवन द्वारा संचालित दो विद्यालयों को पूर्वाह्न 11 बजकर 54 मिनट पर एक ईमेल मिला, जिसमें परिसर में बम रखे होने और उनमें किसी भी समय विस्फोट होने की बात कही गई थी। स्कूल के अधिकारियों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता और पुलिसकर्मियों की एक टीम विद्यालयों में पहुंची और विस्फोटकों की गहन तलाशी शुरू की। पुलिस ने बताया कि इस बीच दोनों विद्यालयों में छुट्टी घोषित कर दी गई और सभी बच्चों को घर भेज दिया गया। पुलिस ने अपराह्न 3:30 बजे तक अपनी तलाशी पूरी कर ली और पुष्टि की कि कोई विस्फोटक नहीं मिला है। पुलिस ने धमकी को एक अफवाह बताया।

बिना आपत्ति सुने न जारी की जाए हिस्ट्रीशीट, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी के प्रमुख सचिव को दिया आदेश

प्रयागराज, 22 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि हिस्ट्रीशीट तैयार करने से पहले आरोपित की आपत्ति पर विचार करना चाहिए। इस आशय का दिशा-निर्देश जारी करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा, जब देश में लोकतंत्र नहीं था तब औपनिवेशिक शासकों ने भारतीयों के लिए हिस्ट्रीशीट खोलने के नियम बनाए थे। इसमें प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का अनुपालन करने की बाध्यता नहीं थी। देश की आजादी के बाद गणतांत्रिक देश का संविधान लागू होने पर प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन अनिवार्य किया गया है। कोर्ट ने पुलिस उपायुक्त गौतमबुद्धनगर के उस आदेश को रद कर दिया जिसमें याची की हिस्ट्रीशीट जारी की गई थी। कोर्ट ने आदेश की प्रति प्रमुख सचिव (गृह) को प्रेषित करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ तथा न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने फिरोज मलिक व तीन अन्य की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए दिया है। गौतमबुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा निवासी याचियों के खिलाफ पुलिस उपायुक्त ने 16 जून 2021 को हिस्टीशीट खोलने का आदेश दिया था। इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। याची का कहना था कि 30 जुलाई 2020 को पहला मुकदमा आइपीसी की धारा 408 और धारा 386 में दर्ज किया गया था। उसके बाद गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई। इसके आधार पर बी श्रेणी की हिस्ट्रीशीट खोलने का आदेश जारी कर दिया गया, जबकि याची पेशेवर अपराधी नहीं हैं। ऐसे में हिस्ट्रीशीट खोलना अवैध है। इसे रद किया जाना चाहिए। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने समन आदेश को तामील करने में देरी करने वाले पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय करने तथा न्यायिक अधिकारियों को समन आदेश तामील होने या न होने की स्थिति पत्रावली पर दर्ज करने का निर्देश दिया है। डीजीपी से कहा गया है कि समन को समय से तामील कराने के लिए परिपत्र जारी करने संबंधी आदेश की प्रति कोर्ट को भी दी जाए। बडगोहना कला में बारा के सपा विधानसभा अध्यक्ष भागीरथी बिंद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं भाजपा नेताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा था। हालांकि दैनिक जागरण प्रसारित वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता।

प्रसारित वीडियो के आधार पर घनश्याम गुप्ता पुत्र सुकरू निवासी बडगोहना कला ने प्रभारी इंस्पेक्टर को तहरीर दी। कौंधियारा पुलिस ने मानहानि एवं जानबूझकर दंगा भड़काने के आरोप में भागीरथी बिंद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है। अधिकारियों के आदेश अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिका में हजारों भारतीयों को निकाला जा रहा, संजय राउत बोले-भारत में भी अवैध विदेशियों को नहीं रहने दें

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने कहा कि देश में अवैध रूप से रह रहे सभी लोगों को बाहर कर दिया जाना चाहिए। चाहे वो कोई बांग्लादेश का नागरिक हो या फिर किसी और देश का। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। शिव सेना सांसद मिलिंद देवड़ा के बयान पर संजय राउत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। संजय राउत ने कहा कि अमेरिका से भी 17 हजार भारतीयों को निर्वासित किया जा रहा है। वहां से हटाए गए सभी भारतीय अवैध नहीं हैं, लेकिन फिर भी उन्हें अमेरिका से हटाया जा रहा है। देश के लोगों को बाहर निकाला जा रहा है ऐसे में ये जिम्मेदारी देवेंद्र फणडनवीस और गृह मंत्रालय की है। उन्होंने कहा कि हम सहमत हैं कि देश में बांग्लादेशियों को नहीं रहने देना चाहिए, लेकिन ये लोग ये मुद्दा चुनाव के समय ही क्यों उठाते हैं? इनकी सरकार 10 साल से यहां पर है, इसके पहले इन्होंने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? अगर केंद्र और राज्य दोनों ही सरकार मिलकर अवैध तरीके से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ मूवमेंट चलता है तो ये पूरे देश के लिए अच्छा होगा।

मिलिंद देवड़ा ने सीएम को लिखा पत्र

मुंबई की सुरक्षा के लिए मिलिंद देवड़ा ने देवेंद्र फडणवसी को पत्र लिखा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि सभी बांग्लादेशियों को महाराष्ट्र से बाहर निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खासकर मुंबई जैसे शहर में होने वाली इन घटनाओं के बाद यहां के लोगों को सुरक्षित रखने के लिए सरकार की तरफ से कदम उठाया जाना चाहिए। पत्र में उन्होंने लिखा कि राज्य में ऐसा कोई भी शख्स जिसके पास कोई डॉक्यूमेंट नहीं है और वो यहां पर अवैध तरीके से रह रहा है तो इन सभी को बाहर निकाला जाना चाहिए।

बांग्लादेशियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

भारत के कई राज्यों में हो रही घुसपैठ की कई घटनाओं के मद्देनजर दिल्ली-महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में इनके खिलाफ अभियान चलाए जा रहे हैं। बीते दिनों कई बार दिल्ली में बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है।

उत्तराखंड के 100 निकायों में आज मतदान

देहरादून, 22 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के 100 नगर निकायों में कल मतदान होगा।चुनाव के मद्देनजर राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनावी सभाओं, रैलियों को प्रतिबंधित कर दिया है। आज प्रत्याशी केवल मतदाता के घर तक पहुंचकर वोट की अपील कर रहे हैं। वहीं, देहरादून समेत सभी जिलों में पोलिंग पार्टियों को भी रवाना कर दिया गया है। प्रदेशभर में 5405 प्रत्याशियों का भाग्य 23 जनवरी को मतपेटियों में कैद हो जाएगा। 11 नगर निगमों में मेयर के लिए 72 प्रत्याशी मैदान में हैं। 89 नगर पालिका व नगर पंचायतों में अध्यक्ष पदों के लिए 445 प्रत्याशी और सभी निकायों में पार्षद-वार्ड सदस्य के पदों के लिए 4888 प्रत्याशी मैदान में हैं। राज्य में निकाय चुनाव के मद्देनजर 23 जनवरी को पूरे प्रदेश में सभी सरकारी, निजी प्रतिष्ठानों में अवकाश रहेगा। सचिव विनोद कुमार सुमन ने मंगलवार को इस संबंध में संशोधित आदेश जारी कर दिया है। पूर्व में जो आदेश जारी किया गया था, उसमें केवल निकाय क्षेत्रों में ही अवकाश की व्यवस्था की गई थी। मंगलवार को जारी आदेश के मुताबिक, अब 23 जनवरी को पूरे प्रदेश में सभी राजकीय कार्यालय, शिक्षण संस्थान, अर्द्ध शासकीय संस्थान, निगम, परिषद, वाणिज्यिक, निजी प्रतिष्ठानों में कार्मिकों, कारीगरों, मजदूरों को मताधिकार के लिए सवेतन अवकाश दिया जाएगा।

इस दिन राज्य के सभी बैंक, कोषागार व उप कोषागार भी बंद रहेंगे। उधर, सचिव श्रम डॉ.पंकज कुमार पांडेय ने भी अवकाश की अधिसूचना जारी कर दी है। कारखानों में मतदान की तिथि के दिन अगर अवकाश नहीं है तो सवेतन अवकाश रहेगा। अविरल प्रक्रिया वाले कारखानों में कारखाना प्रबंधकों की जिम्मेदारी होगी कि वे अपने कर्मचारियों को मतदान का समुचित अवसर उपलब्ध कराएं।

त्रिपुरा में असम राइफल्स की बड़ी कार्रवाई 12 करोड़ रुपये के ड्रग्स किए बरामद

अगरतला, 22 जनवरी (एजेंसियां)। असम राइफल्स ने त्रिपुरा के पश्चिम त्रिपुरा जिले से ड्रग्स की एक बड़ी खेप बरामद की है। असम राइफल्स द्वारा एक्स पर दी गई जानकारी के मुताबिक, पश्चिमी त्रिपुरा जिले में 12 करोड़ रुपये की कीमत की याबा गोलियों के साथ 2 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। असम राइफल्स के जवानों ने सालबगान इलाके में दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, 'सोमवार को अभियान के परिणामस्वरूप 60,000 याबा गोलियां बरामद हुईं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये है।'

12 जनवरी को भी हुई थी 2 लोगों की गिरफ्तारी

विज्ञप्ति के मुताबिक, बरामद प्रतिबंधित पदार्थ और पकड़े गए व्यक्तियों को आगे की जांच और कानूनी कार्यवाही के लिए राजस्व खुफिया निदेशालय यानी कि डीआईआर को सौंप दिया गया है। बता दें कि याबा गोली को मादक पदार्थ के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें मेथाम्फेटामाइन और कैफीन होता है। इन्हें 'क्रेजी ड्रग' भी कहा जाता है। इससे पहले पश्चिम त्रिपुरा जिले में 12 जनवरी को भी एक ट्रक से एक करोड़ रुपये की प्रतिबंधित याबा गोलियां बरामद कर 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बटाला इलाके में यह कार्रवाई की गई थी।

ट्रक ड्राइवर, सहायक को किया गया था गिरफ्तार

अधिकारी ने बताया था कि बटाला में सीमेंट से लदे ट्रक से एक लाख से ज्यादा याबा गोलियां बरामद की गईं और ट्रक ड्राइवर एवं उसके सहायक को गिरफ्तार कर लिया गया। पश्चिम त्रिपुरा के एसपी किरण कुमार ने बताया, 'पुलिस की एक टीम ने गुप्त सूचनाओं के आधार पर रविवार सुबह पश्चिम त्रिपुरा थानांतर्गत बटाला इलाके में मेघालय से आ रहे एक ट्रक को रोका। तलाशी के दौरान ट्रक के केबिन से 1.24 लाख याबा गोलियां बरामद की गईं। यह ट्रक पाहीजाला जिले के सोनामुरा जा रहा था।' ट्रक ड्राइवर 44 वर्षीय जमाल हुसैन और उसके सहायक 29 साल के मिंटू बर्मन को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली पुलिस ने पंजाब पुलिस को लिखी चिट्ठी कहा- वीआईपी लोगों की जानकारी साझा करें

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान कर्तव्य पथ पर परेड निकाली जाएगी। वहीं विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी जारी हैं। दरअसल 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने वाला है और 8 फरवरी को चुनाव का रिजल्ट जारी किया जाएगा। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने पंजाब पुलिस को रिपब्लिक डे परेड और विधानसभा चुनाव को लेकर चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में दिल्ली पुलिस ने लिखा कि पंजाब से दिल्ली आने वाले उन लोगों की डिटेल दिल्ली पुलिस से शेयर की जाए, जिन्हें पंजाब पुलिस की सुरक्षा मिली हुई है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव है और पंजाब में आप की सरकार है, लिहाजा पंजाब के आम आदमी पार्टी के बड़े नेता चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली आ रहे हैं। ऐसे नेताओं को पंजाब पुलिस की तरफ से सुरक्षा मिली हुई है, लेकिन दिल्ली में उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस की भी है, जिसके चलते यह पत्र दिल्ली पुलिस ने पंजाब पुलिस को लिखा है, ताकि पंजाब से आने वाले उन वीआईपी की सुरक्षा दिल्ली पुलिस कर सके। हाल ही में कालकाजी विधानसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार और पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने आरोप लगाया था कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान दिल्ली में चुनाव प्रचार कर रहे हैं तो उस दौरान वो सरकारी तंत्र का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए कर रहे हैं। वहीं पंजाब पुलिस ने दिल्ली पुलिस की चिट्ठी का जवाब भी दिया है। पंजाब पुलिस ने दिल्ली पुलिस की चिट्ठी का जवाब देते हुए कहा कि पंजाब के संभी मंत्रियों और अन्य वीवीआईपी के ऑफिस को पंजाब पुलिस ने चिट्ठी लिखकर दिल्ली में होने वाले मूवमेंट की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली पुलिस को चिट्ठी लिखकर पंजाब पुलिस ने जानकारी दी कि पंजाब के सभी वीवीआईपी सुरक्षा प्रोटेक्टी लोगों के गणतंत्र दिवस और दिल्ली चुनाव प्रचार के लिए होने वाले मूवमेंट की जानकारी दिल्ली पुलिस के साथ एडवांस में पंजाब पुलिस साझा करेगी। ऐसे वीवीआईपी जिन्हें पंजाब पुलिस की ओर से सुरक्षा दी गई है, उनके दिल्ली की ओर होने वाले मूवमेंट की जानकारी दिल्ली पुलिस के डीसीपी सिक्योरिटी के साथ साझा की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 23 जनवरी - 2025

बीजेपी की खास रणनीति

दिल्ली की सत्ता से लगभग तीन दशक से वनवास भोग रही बीजेपी इस बार जीतने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाती दिख रही है। भाजपा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी को किसी भी कीमत पर बख्शने के मूड में नही है। आप की मुफ्त की योजनाओं की काट के लिए एक से बढ़कर एक लोकलुभावन वादों की बौछार भी कर रही है। बीजेपी दिल्ली चुनाव के लिए तीन हिस्सों में संकल्प पत्र जारी कर रही है। दिल्ली चुनाव को जीतने के लिए भाजपा ने केंद्रीय नेताओं की फौज उतार दी है। सबको दो-दो विधानसभा सीटों को जीतने की जिम्मेदारी दी गई है। चुनाव से पहले सीएम फेस का ऐलान करने के बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को केंद्र में रखकर चुनाव लड़ने की रणनीति बनाई गई है। इससे जहां गुटबाजी की आशंका खत्म होगी वहीं सामूहिकता का लाभ भी मिलेगा। आम आदमी पार्टी बीजेपी को दिल्ली में अपना सीएम फेस घोषित करने की चुनौती दे रही है तो बीजेपी की रणनीति सामूहिक नेतृत्व की दिखाई दे रही है। केंद्रीय नेता संबंधित सीटों पर राजनीतिक और चुनाव प्रबंधन की रणनीति तय करेंगे और देखेंगे। इन नेताओं में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, मनसुख मांडविया, गजेंद्र सिंह शेखावत जैसे नेता हैं। इनके अलावा बीजेपी ने अपने 4 राष्ट्रीय महासचिवों- विनोद तावड़े, सुनील बंसल, तरुण चुग और अरुण सिंह को भी 2-2 सीटों की जिम्मेदारी दी है। राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र सिंह नागर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और संजीव बालियान को भी भूमिकाएं तय की गई हैं। धर्मेंद्र प्रधान को मालवीय नगर और ग्रेटर कैलाश जबकि भूपेंद्र यादव को महरौली और बिजवासन की जिम्मेदारी दी गई है। आम आदमी पार्टी लगातार दो चुनाव से प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में रही है तो इसका श्रेय श्रेय मुफ्त बिजली-पानी जैसी योजनाओं को जाता है। आप सरकार ने बाद में बसों में महिलाओं का सफर भी मुफ्त कर दिया। चुनाव से पहले आखिरी क्षणों में अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं के लिए मुफ्त रकम को बढ़ाकर 2100 रुपये देने का वादा किया है। इसके अलावा बुजुर्गों के मुफ्त इलाज, पुजारियों-ग्रंथियों को हर महीने 18000 रुपये सैलरी, ऑटो चालकों के लिए बीमा, छात्रों के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा सरीखे कई वादे किए हैं। अब इनकी काट के लिए बीजेपी ने भी एक से बढ़कर एक वादे किए हैं। बीजेपी आम आदमी पार्टी का तिलिस्म तोड़ने के लिए हर जतन कर रही है। बीजेपी का तीसरा मैनिफेस्टो आने वाला है। अबतक जारी हुए दोनों ही पार्ट में लोकलुभावन वादों की भरमार है। पहले पार्ट में बीजेपी ने 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज, महिलाओं के लिए हर महीने 2500 रुपये, बुजुर्गों के लिए 2500 से 3000 रुपये हर महीने पेंशन, गैस सिलिंडर पर 500 रुपये सब्सिडी, होली-दिवाली पर मुफ्त सिलिंडर, गर्भवती महिलाओं को 21000 रुपये जैसे लोकलुभावन वादे किए हैं। इसके अलावा, आम आदमी पार्टी सरकार की तरफ से चल रहीं मुफ्त बिजली-पानी जैसी योजनाओं को जारी रखने का वादा किया है। दिल्ली में ऑटो चालक आम आदमी पार्टी के मजबूत वोट बैंक रहे हैं। उनको साधने के लिए बीजेपी ने ऑटो चालकों और टैक्सी ड्राइवरों के लिए 10 लाख रुपये के मुफ्त जीवन बीमा, 5 लाख रुपये के वाहन बीमा का ऐलान किया है। इतना ही नहीं, डोमेस्टिक वर्कर्स के लिए भी 10 लाख रुपये के जीवन बीमा, 5 लाख रुपये का एक्सीडेंट इंश्योरेंस और उनके बच्चों के लिए स्कॉलरशिप का वादा किया है। कुल मिलाकर बीजेपी इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव को जीतने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है।

भारत की आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति देश के आर्थिक विकास का पैमाना

संजीव ठाकुर

भारत के कृषि, चिकित्सा, संचार और स्पेस अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वैज्ञानिक उन्नत पद्धति देश की आर्थिक विकास की आधारशिला है और चंद्रयान तीन की चंद्रमा पर पहुंचने की महान सफलता ने न सिर्फ स्पेस रिसर्च में विश्व में भारत को अग्रणी पंक्ति में प्रथम स्थान दिलाया है बल्कि देश के आर्थिक विकास में भी महती योगदान दिया है। इसरो के साथ सभी क्षेत्र के वैज्ञानिकों को अनंत बधाइयां । सदियों से हर समाज गरीबी की कठिन परिस्थिति का सामना करता रहा है। गरीबी किसी मनुष्य को इस कदर मजबूर कर देती है कि वह अपने जीवन की जरूरी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाता है। इसके कारण भुखमरी कुपोषण और साक्षरता बेरोजगारी जैसी न जाने कितनी समस्या गरीब इंसान खेलता है। प्राचीन काल से ही की उत्तम शासन का लक्ष्य गरीबी हटाना व प्रजा के दुख दर्द हटाने के उचित उपाय करने को माना गया है। कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र में लिखा है कि प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित है, प्रजा के हित में ही उसे अपना हित देखना चाहिए। इसीलिए अशोक महान से लेकर अकबर और वर्तमान प्रजातंत्र में हर प्रधानमंत्री गरीबी हटाने के मूल मंत्र को लेकर आगे विकास की बात तय करते हैं। आधुनिक काल में जब शासन कल्याणकारी बनने लगा तो जनता के हित सर्वोच्च लक्ष्य बन गया और गरीबी हटाने के मुहिम जोर शोर से चलने लगे, इसमें काफी हद तक सफलता भी प्राप्त की गई है। जापान आज की स्थिति में विकसित राष्ट्र माना जाता है। पर इसे देखकर निश्चित तौर पर आश्चर्य होता है की यह एक ऐसा देश है जिसके पास में पर्याप्त प्राकृतिक साधन है न ही सुरक्षित निवास स्थान फिर भी लगातार दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होता है। द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका झेलने के बाद यह देश ना जाने कितने भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं का सामना निरंतर करता आया है, इसके बावजूद जापान सफल समृद्धि तथा गौरवशाली राष्ट्र बन चुका है, निसंदेह इसके पीछे विज्ञान तकनीकी का वृहद तथा व्यापक प्रयोग ही है। दूसरी तरफ एशिया, अफ्रीका के कई देश हैं, जिनके पास भरपूर प्राकृतिक संसाधन हैं, वे आज भी गरीबी पिछड़ापन को नहीं हटा पाए इसका एक बड़ा कारण पुरानी शैली पर टिका हुआ विकास है। विज्ञान अपनी क्षमता से विकास के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने की ताकत रखता है। पश्चिमी कई देश साधन विहीन होने के पश्चात भी अत्यंत विकसित एवं संपन्न राष्ट्र बने विज्ञान की तकनीकी का भरपूर इस्तेमाल कर वे अपने राष्ट्र को समृद्ध कर पाए हैं। यह तो तय है और स्पष्ट है कि व्यापक गरीबी का निवारण पिछड़े विकास के साधनों से संभव नहीं है, पुराने तरीके जहां अधिक संसाधन समय लेते हैं उसके परिणाम में कम उत्पादन कम मूल्य प्रदान करते हैं। इसीलिए वैश्विक स्तर पर अब विज्ञान आधारित विकास से गरीबी मिटाने तथा विकास की नई इबारत लिखने की प्रतिस्पर्धा बढ़ चुकी है। गरीबी का सबसे भयानक रूप भुखमरी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है किंतु अब विज्ञान के प्रयोग से काफी कम हो चुकी है।

सैफ अली खान पर हमला हो सकता है तो आप किस खेत की मूली है ?

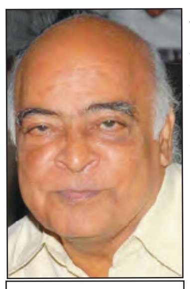

अशोक भाटिया

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हमले का आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद पुलिस रिमांड में है। उससे लगातार पूछताछ चल रही है। पुलिस दावा कर रही है कि सैफ पर हमले का केस सुलझा लिया गया है। आरोपी के सैफ के घर में घुसने से लेकर उन पर हमले तक की पूरी थ्योरी बता रही है कि वारदात की सभी कड़ियां जोड़ने की चुनौती बनी हुई है। आरोपी से पूछताछ के जरिए पुलिस पूरी पड़ताल कर रही है। पुलिस जानना चाहती है कि आखिर वारदात कैसे हुआ? 16 जनवरी की रात क्या-क्या हुआ? वारदात को अंजाम देकर आरोपी कैसे सैफ के घर से फरार हो गया? मुंबई पुलिस आरोपी को सैफ अली खान के घर ले जाकर क्राइम सीन रिक्रिएट करवा सकती है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पता चला कि वो एक बांग्लादेशी घुसपैठिया है। हमारे देश में अवैध घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। ये देश की आतंरिक सुरक्षा के लिए खतरनाक है। सैफ अली खान के हमलावर का नाम पहले विजय दास बताया जा रहा था, लेकिन ये एक फर्जी नाम था। उसका असली नाम मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद है। वो एक बांग्लादेशी घुसपैठिया है, जो पिछले 6 महीने से मुंबई में साफ-सफाई का काम कर रहा था। उसके हमलावर के पास कोई भी भारतीय पहचान पत्र नहीं था। उसने कोलकाता में जहांगीर शेख के नाम पर एक सिम कार्ड लिया था। इसका ये इस्तेमाल कर रहा था। दरअसल सैफ अली खान पर हमले ने बॉलीवुड को हिला दिया है, लेकिन मुंबईकरों को सावधान रहने की चेतावनी भी दी है। सैफ और उनका परिवार बहुमंजिला इमारत शरण की 11वीं और 12वीं मंजिल पर रहता है। सैफ, करीना, उनके बच्चे तैमूर और जेह आलीशान डुप्लेक्स फ्लैट में रहते हैं। बच्चों की देखभाल करने वाली माताएं भी घर में ही रहती हैं। सैफ और करीना सिल्वर वर्ल्ड की सेलिब्रिटी होने के साथ-साथ अमीर भी हैं, लेकिन कपल ने कभी नहीं सोचा था कि आधी रात के बाद कोई उनके घर में घुसकर उन पर हमला कर देगा। सैफ अली खान की मां शर्मिला टैगोर भी एक प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं। सैफ के पिता मंसूर अली पटौदी एक स्टार क्रिकेटर थे। नबाब परिवार में जन्मे, सैफ ने हमेशा शाही जीवन जिया है और ग्लैमर उनके आसपास है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बांग्लादेशी युवक जिसने उनके फ्लैट में घुसकर उन पर हमला किया। सैफ ने हमला करने के लिए सैफ को लक्ष्य के रूप में क्यों चुना? वह सैफ के घर कैसे पहुंचा, बांद्रा इलाके में एक संभ्रांत बस्ती है, बांग्लादेशी हमलावर को हाईप्रोफाइल सोसायटी में प्रवेश कैसे मिला, क्या इसके पीछे कोई मास्टरमाइंड है, वह सैफ को चाकू मारने के बाद कैसे भाग गया। मुंबई पोलिस हमले का सीन रिक्रियेक्ट कर रही है तो क्या वही सच है जो हमें बताया जा रहा है । सैफ के बच्चों के पास एक नर्सरी, थिएटर, खूबसूरती से सजी छत है। घर में ऑडी स्पाइडर, मर्सिडीज बेंज, रेंज रोवर जैसी शानदार कारें हैं। सैफ ने अब तक 75 फिल्में रिलीज की हैं। उनकी हिट फिल्में दिल चाहता है (2001), कल हो ना हो (2003), हम तुम (2004), ओमकारा (2006) हैं।करीना से शादी होने तक, सैफ बांद्रा में फॉर्च्यून हाइट्स में रहते थे। सैफ का स्विट्जरलैंड में एक घर और उनके पैतृक गुरुग्राम में एक बड़ा महल है। आज तक, मुंबई में मशहूर हस्तियों और सार्वजनिक जीवन के प्रमुख नेताओं पर घातक हमलों की कई घटनाएं हुई हैं। लेकिन घर के अंदर सैफ पर हमला एक बहुत ही गंभीर घटना है, लेकिन पुलिस और प्रशासन के लिए एक चुनौती भी है। मुंबई को देश में सबसे सुरक्षित महानगर के रूप में जाना जाता है। मुंबई दिल्ली, कोलकाता, बैंगलोर, हैदराबाद, लखनऊ, पटना की तुलना में अधिक सुरक्षित है । मुंबई 24 घंटे महानगर है। यह अमीर, गर्भवती अमीर और लाखों श्रमिकों वाला शहर है। वे कर्मचारी और दैनिक वेतन भोगी हैं। मुंबई किसी को भूखा नहीं देता। रात के 12 बजे के बाद भी एक अकेली लड़की लोकल, बस या ऑटो-टैक्सी से इस महानगर में यात्रा कर सकती है। मुंबई महानगर की जनसंख्या 1. 5 करोड़ से अधिक है और महामुंबई की जनसंख्या दो करोड़ से अधिक है। इतनी बड़ी आबादी में, रोजगार और उद्योग के लिए विदेशियों की संख्या बड़ी है। मुंबई में हिंदी बोलने वालों की संख्या पचपन लाख से अधिक होनी चाहिए। पटना या लखनऊ की तुलना में मुंबई में अधिक हिंदी बोलने वाले हैं। बाहर से आने वाले लोग कौन हैं? क्या मुंबई पुलिस के पास विस्तृत और अद्यतित जानकारी है कि वे कहां से आए हैं, वे कहां रहते हैं, वे क्या करते हैं, उनके पुलिस रिकॉर्ड क्या हैं? यह एक तथ्य है कि मुंबई में पकड़े गए अपराधियों में अन्य भाषाएं अधिक आम हैं। मुंबई में घुसपैठ नियंत्रित है या नहीं, यह सवाल वर्षों से बना हुआ है। मुंबई देश की वित्तीय राजधानी और महाराष्ट्र की संघर्षरत राजधानी है। मुंबई को देश के सबसे महंगे शहर के रूप में जाना जाता है। मुंबई में रियल एस्टेट की दरें किसी भी अन्य शहर की तुलना में अधिक हैं। बांद्रा से जुहू, अंधेरी, गोरेगांव, कलाकार, निर्माता, निर्देशक, तकनीशियन आदि फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के डिपो हैं। मुंबई में विभिन्न क्षेत्रों में काफी ग्लैमर है। व्यापार-उद्योग-व्यवसाय-वित्तीय क्षेत्र के बड़े असमिया मुंबई में हैं। देश के सभी प्रमुख राजनीतिक नेताओं के आवास भी मुंबई में हैं। यही कारण है कि इस महानगर की सुरक्षा इतनी महत्वपूर्ण है। सैफ पर उनके घर पर हुए हमले ने मुंबई की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। 2-4 करोड़ रुपये से लेकर 50 करोड़ रुपये तक के लक्जरी फ्लैटों के साथ रहने वाले लोग खुश और संतुष्ट हो सकते हैं, लेकिन यह मुद्दा कि क्या वे सुरक्षित हैं, एक चुनौती बन गया है। सैफ पर उनके घर के अंदर हमला करने वाले बांग्लादेशी शरीफुल इस्लाम शहजाद मोहम्मद रोहिल्ला अमीन फकीर था , जो 30 साल की उम्र में मेघालय के रास्ते भारत आया था । पश्चिम बंगाल में कुछ समय रहने के बाद, वह मुंबई पहुंचा । वह विजय दास नाम से रह रहा था । बांग्लादेशी लोगों की घुसपैठ वर्षों से चल रही है। केंद्र में चाहे कितनी भी सरकारें बदल जाएं, इस घुसपैठ पर कोई लगाम नहीं लगा सका है। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे, तब तत्कालीन केंद्रीय मंत्री मदनलाल खुराना ने संसद में कहा था कि देश में दो करोड़ से अधिक बांग्लादेशी होने चाहिए। आज वे कितने होंगे? पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी राज्यों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। उन्हें आधार कार्ड मिलता है, राशन कार्ड मिलता है, रोजगार मिलता है। सीमा सुरक्षा बल की आंखों की अनदेखी करने के बाद बांग्लादेशी घुसपैठिए वर्षों तक कैसे आते हैं और जाते हैं? भारत में दिहाड़ी मजदूर, सब्जी विक्रेता, मछली विक्रेता, निर्माण मजदूर, चौकीदार, सुरक्षा गार्ड, घरेलू नौकर और यहां तक कि बार भी काम करते हैं, लेकिन उन्हें भगाना बहुत मुश्किल है। सैफ के हमलावर को पकड़ने के लिए मुंबई से 200 पुलिस चौबीसों घंटे काम कर रही थी। जब सैफ पर हमला हुआ तो वह निहत्था था और हमलावर हथियारबंद था। हमलावर बांग्लादेश से कब आया, कैसे आया, कहां रहा, किसने उसे पनाह दी, कब मुंबई आया, किसके साथ मुंबई में रहा, वह सैफ के घर कैसे पहुंचा, उसके निशाने पर सीधे सैफ थे कि उनके बेटे का अपहरण हो गया था और वह फिरौती मांगना चाहते थे। इन सभी सवालों के जवाब रहस्यमय हैं। जब हमलावर सदगुरु शरण भवन में घुसा तो वहां का चौकीदार सो रहा था। उसे रोकने वाला कोई नहीं था। सैफ के घर के बाहर कोई सीसीटीवी नहीं था। सीढ़ियां चढ़ने और उतरने के उनके कैमरे की फुटेज ही पुलिस को मिला था। अभिनेता-निर्माता राकेश रोशन पर साल 2000 में अंडरवर्ल्ड गैंग ने हमला किया था। उनकी फिल्म कहो ना प्यार है पर रिलीज के तुरंत बाद हमला हुआ था लेकिन वह बच गए। सलमान खान को अब तक सबसे ज्यादा जान से मारने की धमकी मिली है। अप्रैल 2014 में सलमान के घर के बाहर फायरिंग कर हमलावर फरार हो गए थे। गोलीबारी के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का हाथ होने का संदेह है। सलमान के पिता सलीम खान को भी जून 2022 में उनके बांद्रा स्थित घर पर धमकी भरे पत्र मिले थे। 1993 में मुंबई में दंगे होने पर संजय दत्त को भी गोली मार दी गई थी। 2014 में गौहर खान की लाइव परफॉर्मेंस के दौरान किसी ने स्टेज पर आकर उन्हें थप्पड़ मार दिया था। लेकिन उसके बाद भी कार्यक्रम चलता रहा। मार्च 2023 में, दो लड़के शाहरुख खान के मन्नत बंगले में घुस गए और ज्यादातर समय छिपे रहे।

आज़ादी के महानायक सुभाष चंद्र बोस

हर्षवर्धन पाण्डे

सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे। उनका नाम भारतीय आज़ादी के संघर्ष सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। वे न केवल भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता थे, बल्कि अपनी संघर्षशीलता के चलते दुनिया भर में प्रेरणा के स्रोत बने। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने न केवल भारतीय स्वतंत्रता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए बल्कि एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जिन्होंने अपनी नीतियों, साहस और समर्पण से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक, उड़ीसा में एक प्रतिष्ठित बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माता का नाम प्रभावती देवी था। वे परिवार के नौवें और अंतिम संतान थे। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा पूरी कर सुभाष ने 1915 में बीमारी के बावजूद इंटरमीडिएट परीक्षा दी और द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की जिसके बाद 1919 में बी.ए. आनर्स प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर कलकत्ता विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अपनी अध्ययनशीलता के कारण वह कालेज में हमेशा अव्वल दर्जे के छात्र रहे। उन्होंने इंग्लैंड में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। भारत माता को ब्रिटिश शासन सत्ता से मुक्ति के लिए हुए स्वाधीनता संघर्ष में भाग लिया। छात्र जीवन में ही सुभाष ने विवेकानन्द साहित्य का अध्ययन कर लिया था जिसने उन्हें राष्ट्रीय चेतना से समृद्ध किया और चिंतन-मनन करने की सुदृढ़ जमीन दी। पुत्र को आईसीएस बनाने की पिता की इच्छा का मान रखते हुए सुभाष 1919 में ब्रिटेन के लिए रवाना हुए और आईसीएस परीक्षा न केवल उत्तीर्ण की बल्कि अंग्रेजों की चाकरी को स्वीकार न कर भारत माता की सेवा-साधना का पथ अंगीकार किया। सेवा से त्यागपत्र देकर जून 1921 में भारत वापस आकर राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लिया। वे चित्तरंजन दास की स्वराज पार्टी से जुड़े और फारवर्ड समाचार पत्र का संपादन भी किया। 1923 में उन्हें अखिल भारतीय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। उनके क्रांतिकारी आन्दोलनों के चलते उन्हें 1925 में मांडले जेल भी भेजा गया जहाँ उन्हें तपेदिक की बीमारी हो गई थी। 1938 में बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उस दौर को याद करें तो सुभाष की लोकप्रियता जबरदस्त रही। कांग्रेस के 51वें अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में दिया गया उनका भाषण दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाषणों में शुमार किया जाता है। कांग्रेस में सुभाष के बढ़ते प्रभाव से कुछ वर्षों में ही कांग्रेस के अन्दर के नेताओं का प्रभामंडल कमजोर होने लगा। इस दौर में गांधी जी से उनका मतभेद भी हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि 1939 के त्रिपुरा अधिवेशन में अध्यक्ष के मनोनयन की परम्परा के उलट कांग्रेस को चुनाव करवाना पड़ा। देश और कार्यकर्ताओं की पहली पसंद सुभाष थे लेकिन गांधी जी ने अपने प्रत्याशी के रूप में पट्टाभि सीतारमैया को सुभाष के विरुद्ध खड़ा कर जिताने की अपील की किन्तु सुभाष ने सीतारमैया को पराजित कर दिया जिस पर गांधी जी इस टिप्पणी कि सीतारमैया की हार मेरी हार है। सक्रिय सुभाष बहुत दुखी हुए और उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफ़ा दे दिया। उन्होंने 1928 में नेशनल कांग्रेस के महासचिव के रूप में कार्य किया लेकिन उनकी नीतियों से असहमति होने पर वे कांग्रेस से अलग हो गए। विदेश प्रवास के दौरान सुभाष ने कांग्रेस के भीतर फारवर्ड ब्लॉक बनाकर अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया तब उन्हें कांग्रेस से निकाल दिया गया। बापू के सुझाव पर सुभाष कोलकता आकर देशबंधु जी के साथ काम करने लगे। दास ने कोलकता महापालिका का चुनाव लड़ा और जीत अर्जित कर महापौर बने। तब उन्होंने सुभाष को महापालिका का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया। यहां पर सुभाष ने की कार्यशैली ने सबका दिल जीत लिया और जनता के दिलों में अलहदा पहचान बनाने में सफलता हासिल की। आजादी की लड़ाई के दौरान वह 11 बार जेल भी गए। 1933 से 1936 तक जब स्वास्थय लाभ लेने के लिए वे यूरोप में रहना रहे तो मुसोलिनी और आयरलैण्ड के नेता डी. बलेरा से भेंट कर सहयोग का वचन लिया। आसट्रिया में चिकित्सा प्राप्त करने के दौरान पुस्तक लिखने हेतु टाईपिस्ट एमिली शेंकेल से प्रभावित हुए और उनसे विवाह कर लिया। हालाँकि अपनी राजनीतिक छवि को ठेस न पहुंचे इसलिए उन्होंनें इस रिश्ते को बड़ा गोपनीय रखा। 29 नवम्बर 1942 को अनीता बोस के रूप में उन्हें पुत्री मिली जिससे वे कभी मिल नहीं सके। जनवरी 1941 में नजरबंदी के दौरान ही ब्रिटिश पुलिस और जासूसों को चकमा देकर वे जर्मनी पहुंचे। हिटलर एवं जर्मनी के अन्य नेताओं से भेंट कर आजाद हिन्द रेडियो की स्थापना की। वहां से जापान पहुंच कर जनरल तोजो से भेंट की और जापानी संसद को सम्बोधित किया। जापान के सहयोग से रासबिहारी बोस के मार्गदर्शन में आजाद हिन्द फौज का गठन कर सिपाहियों और नागरिकों का आह्वान किया कि तुम मूझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर में टाउन हॉल के सामने आजाद हिन्द फौज के सम्मुख ओजस्वी भाषण देते हुए पहली बार 'दिल्ली चलो' का नारा दिया था। उनकी फौज ने बर्मा, कोहिमा, इम्फाल के मोर्चे पर अंग्रेजी सेना से मुकाबला कर दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए। नेताजी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जर्मनी के बर्लिन में फ्री इंडिया सेंटर की स्थापना के साथ ही आज़ाद हिन्द रेडियो की भी शुरुआत की। इस रेडियो के माध्यम से आज़ादी के आंदोलन से जुड़े समाचार और कार्यक्रम प्रसारित किये जाते थे। अंग्रेजी सरकार सुभाष चन्द्र बोस से इतनी भयभीत थी कि सुभाष और आजाद हिन्द फौज के विरुद्ध दुष्प्रचार करने हेतु एक एंटी इंडिया रेडियो की स्थापना की थी। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाष ने आजाद हिन्दुस्तान की अंतरिम सरकार बनाई जिसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और युद्धमंत्री का दायित्व स्वयं निर्वहन किया। इस आजाद हिन्द सरकार को जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, आयरलैण्ड आदि देशों ने मान्यता प्रदान की थी। दूसरे विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद सुभाष आजादी की लड़ाई हेतु आवश्यक संसाधन जुटाने हेतु रूस जाने का निश्चय कर 18 अगस्त 1945 को हवाई जहाज से निकले किन्तु रास्ते में ही वे लापता हो गये। कहा गया कि उनका हवाई जहाज रास्ते में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें बोस की मृत्यु हो गई। हालांकि ताईवान सरकार ने मुखर्जी आयोग को बताया था कि उस दिन ताईवान के आकाश में कोई विमान दुर्घटना हुई ही नहीं। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार 18 अगस्त 1945 को बोस का निधन हुआ। नेताजी जापान जा रहे थे और उनका विमान ताइहोकू हवाई अड्डे के पास क्रैश हो गया जिस हादसे में वो बुरी तरह से जल गए और ताईहोकू अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। हालाँकि उनका शव नहीं मिला लेकिन मृत्यु पर सवाल आज तक उठ रहे हैं।

कब तक अनसुलझा रहेगा नेताजी की मौत का रहस्य ?

योगेश कुमार गोयल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है। दरअसल उनकी मृत्यु के संबंध में कई दशकों से यही दावा किया जाता रहा है कि 18 अगस्त 1945 को सिंगापुर से टोक्यो (जापान) जाते समय ताइवान के पास फार्मोसा में उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उस हवाई दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। नेताजी ने 16 अगस्त 1945 को टोक्यो से ताइपेई के लिए उड़ान भरी थी और जापानी द्वितीय विश्व युद्ध का उनका विमान 18 अगस्त की सुबह ताइपेई के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उसके बाद जापान सरकार द्वारा घोषणा की गई थी कि उस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस भी शामिल थे। 18 अगस्त 1945 को ताइवान के ताइपेई में विमान दुर्घटना में उनकी मौत की जापान सरकार द्वारा की गई आधिकारिक घोषणा को भारत सरकार ने भी स्वीकार कर लिया था लेकिन आज भी कई लोग इसे मानने को तैयार नहीं हैं। दरअसल उनके जीवित होने और गुमनामी में जीवन जीने के दावे किए जाते रहे हैं और इस विषय पर कई बार जांच भी हुई है। हालांकि नेताजी के जीवित होने का दावा करने वाले लोगों ने कई बार अपने दावों का समर्थन करने के लिए सबूत पेश किए लेकिन उन सबूतों को प्रायः संदिग्ध माना गया है और कहा जाता रहा है कि उनके जीवित होने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं। दरअसल नेताजी का शव कभी नहीं मिला और कुछ अन्य कारणों से भी उनकी मौत के दावों पर आज तक विवाद बरकरार है। उनकी मृत्यु का रहस्य जानने के लिए विभिन्न सरकारों द्वारा पूर्व में कुछ आयोगों का गठन भी किया जा चुका है और कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा नेताजी के लापता होने के रहस्य से जुड़े खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच भी गठित की गई किन्तु अभी तक रहस्य से पर्दा नहीं उठा है। फैजाबाद के गुमनामी बाबा से लेकर छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले तक में नेताजी के होने संबंधी कई दावे भी पिछले दशकों में पेश हुए किन्तु सभी की प्रामाणिकता संदिग्ध रही और नेताजी की मौत का रहस्य यथावत बरकरार है। हालांकि जापान सरकार बहुत पहले ही इस बात की पुष्टि कर चुकी है कि 18 अगस्त 1945 को ताइवान में कोई विमान हादसा हुआ ही नहीं और भारत सरकार द्वारा कुछ समय पूर्व सार्वजनिक की गई नेताजी से संबंधित कुछ गोपनीय फाइलों में मिले एक नोट से तो यह सनसनीखेज खुलासा भी हुआ कि 18 अगस्त 1945 को हुई कथित विमान दुर्घटना के बाद भी नेताजी ने तीन बार 26 दिसम्बर 1945, 1 जनवरी 1946 तथा फरवरी 1946 में रेडियो द्वारा राष्ट्र को सम्बोधित किया था। इस खुलासे के बाद से ही नेताजी की मौत का रहस्य और गहरा गया था। नेताजी के जीवित रहने को लेकर किए गए विभिन्न दावों में कहा गया कि वे विमान दुर्घटना में नहीं मारे गए थे बल्कि जीवित बच गए थे और उन्होंने अपने जीवन का बाकी हिस्सा गुप्त रूप से बिताया। ऐसे ही दावों में से एक दावा यह भी था कि विमान दुर्घटना में नेताजी को गंभीर रूप से चोटें लगी थी लेकिन वे जीवित बच गए थे और उन्हें एक जापानी अस्पताल में ले जाया गया था, जहां उनका इलाज किया गया और बाद में उन्हें सोवियत संघ ले जाया गया, जहां उन्हें एक गुप्त शिविर में रखा गया। एक अन्य दावा यह भी था कि नेताजी ने विमान दुर्घटना में बचने के लिए अपना रूप बदल लिया था। उन्होंने अपना नाम और पहचान बदल ली थी और एक गुप्त जीवन जीने लगे थे। कुछ लोगों ने यह दावा भी किया कि उन्होंने नेताजी को गुप्त रूप से रहने के दौरान देखा है। हालांकि इन तमाम दावों में से किसी का भी कोई पुख्ता सबूत कभी नहीं मिला लेकिन इन दावों को लेकर सच्चाई जानने को लेकर लोगों में सदैव उत्सुकता रही है। उनकी मौत के रहस्य को सुलझाने के लिए कई बार जांच आयोग भी बैठाए गए, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण जांच आयोग न्यायमूर्ति ताराचंद की अध्यक्षता में 1956 में बैठाया गया था। ताराचंद आयोग ने अपने निष्कर्ष में कहा था कि नेताजी की मृत्यु विमान दुर्घटना में हुई थी। आयोग ने कहा था कि नेताजी के जीवित रहने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं है लेकिन आयोग के निष्कर्षों को कई लोगों ने चुनौती दी थी, जिनका कहना था कि आयोग ने नेताजी के जीवित रहने के दावों की पर्याप्त जांच नहीं की थी। आज भी दावे के साथ यह कहना मुश्किल है कि नेताजी की मृत्यु कैसे हुई थी।

हो सकता है कि वे विमान दुर्घटना में मारे गए हों या यह भी हो सकता है कि वे जीवित बच गए हों और उन्होंने अपना जीवन गुप्त रूप से बिताया हो।

हिंदी के नाम पर

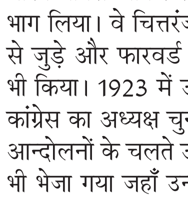

डॉ. सुरेश मिश्रा

उस दिन का महोत्सव खत्म होने के बाद, सभी मेहमान अपने-अपने घर लौट गए। कुछ ने तो सोचा, "क्या हम इस महोत्सव का हिस्सा बनकर सच में कुछ सीखे हैं?" लेकिन उनकी चुप्पी इस बात का सबूत थी कि महोत्सव के बहाने कहीं भी कोई समझदारी नहीं हुई। हर किसी के मन में अपनी अपनी भाषा को लेकर एक गहरी भिन्नता थी।किस्मतचंद ने अपने समर्थकों के साथ एक कोने में चर्चा शुरू की, "क्या किसी ने सोचा है कि हिंदी की असल पहचान क्या है? क्या यह सच में एक राष्ट्रीय भाषा है या सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा?" उस पर एक समर्थक ने कहा, "भाई, हम तो सिर्फ ताली बजाने आए थे। हमें तो किसी भी भाषा की पहचान से कोई फर्क नहीं पड़ता।" और सबने फिर से हंसते हुए ताली बजाई। इसी बीच, राजा मस्तान ने यह सोचते हुए कि कैसे इस महोत्सव का फायदा उठाया जाए, कहा, "भाईयों, अगले महोत्सव में हमें एक और भाषा की महिमा गाना चाहिए। चलो, इसे 'अंग्रेजी महोत्सव' कहते हैं!" हॉल में फिर से ठहाके गूंज उठे। लोगों को समझ में आ गया कि असल मजा तो भाषाओं की तुलना में है, न कि उन भाषाओं के महत्व में। हिंदी महोत्सव का सारा नाटक अब एक मजाक बन गया। नेता लोग अपनी भाषाओं को राजनीति की तरह इस्तेमाल करते रहे, लेकिन वास्तविकता यह थी कि हिंदी का असली अस्तित्व कहीं खो गया था। कहीं कोई इस बात की परवाह नहीं कर रहा था कि आखिर में भाषाओं का क्या होगा।दूसरी ओर, मंच पर काव्यशास्त्री कांतिप्रकाश ने अपनी कविता में लिखा, "भाषाएं तो बागीचे के फूल हैं, लेकिन इनका सही महत्व समझने वाला कोई नहीं!" लोग फिर से ताली बजाने लगे, लेकिन किसी ने इस कविता के असली अर्थ पर ध्यान नहीं दिया। इस प्रकार, हिंदी महोत्सव का यह आयोजन एक बड़ा मजाक बनकर रह गया। सभी ने अपनी-अपनी भाषा को एक झंडा समझकर उठाया, लेकिन असली मुद्दा एक बार फिर से अनदेखा रह गया। जब महोत्सव समाप्त हुआ, तो सबने सोचा कि अब वे अपनी-अपनी भाषाओं की महिमा गाएंगे, लेकिन वास्तविकता यह थी कि वे सब केवल एक महोत्सव का हिस्सा थे। अंत में, सभी ने एक दूसरे से पूछा, "भाई, अगला महोत्सव कब है?" और इस पर सबने एक-दूसरे से वादा किया कि अगली बार वे और भी जोर से ताली बजाएंगे, ताकि उनकी भाषा की महिमा और भी चकाचौंध हो सके। इस पूरे दृश्य ने फिर से यह साबित किया कि भाषा का अस्तित्व कभी-कभी केवल एक राजनीतिक हथियार बनकर रह जाता है। और इस तरह, हिंदी महोत्सव का यह आयोजन अपनी ही राजनीति के जाल में उलझकर रह गया। तो इस प्रकार, हिंदी महोत्सव का यह आयोजन सच्चाई और मृगतृष्णा के बीच एक चिरस्थायी नाटक बना रहा।

भगवान श्री कृष्ण द्वारा सिखाए गए आंतरिक शक्ति बढ़ाने के 5 मार्ग

श्रीकृष्ण चरित मानस, एक संपूर्ण ज्ञान और कथा का स्रोत है जो हमें अपनी आंतरिक शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। हमे अध्यात्म का, शांति का और खुशहाल जिंदगी जीने का पाठ पढ़ाता है। इसमे भगवान श्री कृष्ण कहते है की, हमे अपने कर्म को समझना चाहिए।

कर्मयोग सिद्धांत के माध्यम से हमें अपने कर्तव्यों को निष्ठा से पूर्ण करना चाहिए। जिससे हमें एक आत्मविश्वास की चिंगारी पैदा हो और उसकी सहायता से हम एक उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सके।

उसी के साथ साथ हमें आत्मज्ञान की प्राप्ति करनी चाहिए। अपने स्वयं के बारे में जागरूक होना चाहिए। अपने स्वभाव, अपनी ताकत और कमजोरियों को समझना चाहिए और अपने जीवन को बेहतर ढंग से सुधारना चाहिए। भगवान श्री कृष्ण कहते है की कर्म करते समय हमे फल की अपेक्षा छोड़ देनी चाहिए। बिना किसी स्वार्थ के कर्म, हमे मानसिक शांति और संतुष्टि की ओर ले जा सकते हैं। जिससे हम कठिनाइयों का सामना निडर होकर कर सकते है। वह कहते है की, जीवन मे कठिनाइयों का आना सामान्य बात है। हमें कठिनाइयों से नहीं डरना चाहिए, उनका सामना करना चाहिए क्युकी कठिनाइयाँ हमें मजबूत बनाती हैं और हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

इसी अनुक्रम मे वह हमे करुणा और दयाभाव का पाठ पढ़ाते है। वह संदेश देते है की हमे दूसरों के प्रति करुणा और दयाभाव रखना चाहिए, इस भाव से हम एक प्रेमभरी खुशहाल और संतुष्ट जिंदगी जी सकते है। श्री कृष्ण की ये शिक्षाएं हमें जीवन के पड़ाव में मार्गदर्शन करते हैं। युवाओं के लिए ये शिक्षाएं और भी अधिक महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे जीवन के उस मोड़ पर खड़े होते हैं जब उन्हें अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना होता है। श्री कृष्ण की इन शिक्षाओं को अपने जीवन में लागू करके हम एक सफल और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार दहलीज पर जूते-चप्पल मत खोलो

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व होता है। क्योंकि वास्तु शास्त्र में ऐसे नियमों के बारे में बताया गया है, जिनका पालन करने से घर की सुख-समृद्धि बनी रहती है। यही कारण है कि घर के बड़े-बुजुर्ग और दादी-नानी भी इन नियमों का पालन करने की सलाह देती है। वास्तु से जुड़े कई नियमों में एक है घर का मुख्य द्वार। शास्त्रों में भी मुख्य द्वार को लेकर कई नियम बताए गए हैं। मान्यता है कि मुख्य से ही घर की सकारात्मकता और समृद्धि जुड़ी होती है। मां लक्ष्मी का वास भी मुख्य द्वार से ही होता है, इसलिए मुख्य द्वार को कभी भी गंदा नहीं रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार मुख्य द्वार पर जूते-चप्पलों का ढेर भी नहीं होना चाहिए और ना ही द्वार के पास जूते-चप्पल उतारने चाहिए। ऐसा करने से वास्तु दोष उत्पन्न होता है और कई तरह की परेशानियों का भी सामना

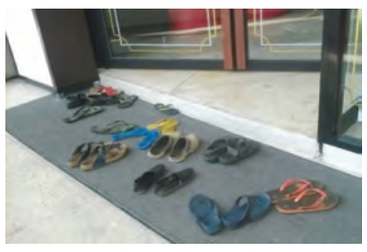

करना पड़ता है। यही कारण है कि जब हम घर के दहलीज पर जूते-चप्पल उतारते हैं तो दादी-नानी इसके लिए हमेशा मना करती हैं।दादी-नानी की ये बातें आपको कुछ समय के लिए अटपटी या फिर मिथक लग सकती है।

क्या कहता है शास्त्र

घर के मुख्य द्वार का खास महत्व होता है। यह ऐसा स्थान होता है, जिससे घर से सदस्य प्रवेश करते हैं। घर के मुख्य द्वार पर जूते-चप्पल उतारना घर की अपवित्रता को दर्शाता है और ऐसे घर पर मां लक्ष्मी का वास भी नहीं होता है, जिससे आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार, घर के मुख्य द्वार या दहलीज पर राहु ग्रह का वास माना गया है। इसलिए अगर पर दहलीज पर जूते-चप्पल उतारते हैं तो इससे राहु का दुष्प्रभाव बढ़ता है। राहु का अशुभ प्रभाव परिवार की अशांति और दुर्भाग्य का कारण बनता है।

हालांकि जूते-चप्पलों को घर के बाहर उतारना सही होता है, इससे घर के भीतर धूल-मिट्टी या गंदगी प्रवेश नहीं होता। लेकिन जूते-चप्पल को दहलीज पर उतारने के बजाय शू-रैक का इस्तेमाल करना चाहिए और व्यवस्थित ढंग से जूते-चप्पलों को शू-रैक में ही रखना चाहिए। दहलीज पर बिखरे जूते-चप्पलों से नकारात्मक ऊर्जा बहुत तेजी से बढ़ती है।

महाकुंभ में डुबकी लगाने के साथ ही जरूर करें पंचकोशी परिक्रमा

तीर्थों के राजा प्रयागराज में महाकुंभ का पावन पर्व 13 जनवरी से शुरू हो चुका है। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त प्रयागराज में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। माना जाता है कि, प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी कष्ट और पाप दूर हो जाते हैं। इसके साथ ही अगर आप महाकुंभ में डुबकी लगाने के साथ ही पंचकोशी परिक्रमा भी करते हैं, तो आपकी आध्यात्मिक उन्नति और अंत समय में आपको मोक्ष की प्राप्ति होती है। आइए ऐसे में जान लेते हैं कि आखिर पंचकोशी परिक्रमा क्या है और इसे करने से कैसे फल प्राप्त होते हैं।

पंचकोशी परिक्रमा क्या है ?

प्रयागराज तीर्थ पांच योजन और बीस कोस तक फैला हुआ है। इसमें अंतर्वेदी, मध्यवेदी, बहिर्वेदी तीन वेदियां हैं। इसी में पवित्र संगम और गंगा-यमुना नदियों के 6 पवित्र घाट भी हैं। इसके साथ ही कई तीर्थ, कुंभ, आश्रम भी पांच कोस में आते हैं। माना जाता है कि पंचकोशी परिक्रमा करने से महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को शुभ फलों की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख समृद्धि वो पाते हैं। वहीं कुछ विद्वान मानते हैं कि, पंचकोशी परिक्रमा करने से पांच विकार- काम, क्रोध, मोह, मद और लोभ से मुक्ति मिलती है। पंचकोशी परिक्रमा करने वाले भक्त का आध्यात्मिक विकास भी होता है और उसे आत्मिक शांति मिलती है।

मान्यता यह भी है कि पंचकोशी परिक्रमा करने से सभी तीर्थों के दर्शन का फल भक्तों को प्राप्त होता है।

महाकुंभ में पंचकोशी परिक्रमा का महत्व

महाकुंभ का शुभ संयोग 144 सालों के बाद प्रयागराज में बना है। ऐसे में महाकुंभ में डुबकी लगाने के साथ ही अगर आप पंचकोशी परिक्रमा भी करते हैं, तो न केवल आपको शुभ फलों की प्राप्ति होती है बल्कि आपके परिवार और पितरों को भी इससे लाभ मिलता है। महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद पंचकोशी परिक्रमा अगर आप कर लेते हैं तो आजीवन इसके शुभ परिणाम आपको मिलते हैं। साथ ही अंत समय में आपको सद्गति भी प्राप्त होती है। इसलिए अगर आप भी महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले हैं तो पंचकोशी परिक्रमा भी आपको अवश्य करनी चाहिए।

साधु-संत पंचकोशी परिक्रमा

पंचकोशी परिक्रमा आध्यात्म के मार्ग पर चलने वाले साधु संत भी करते हैं। साल 2025 में महाकुंभ के दौरान नागा साधुओं अखाड़े भी पंचकोशी परिक्रमा करेंगे। यानि साधु-संतों के लिए भी पंचकोशी परिक्रमा बेहद आवश्यक मानी जाती है। पंचकोशी यात्रा के दौरान कई धार्मिक स्थलों के दर्शन करने को मिलते हैं, जहां आध्यात्मिक ऊर्जा का निवास है। इसलिए यह परिक्रमा आपके ज्ञान, विवेक और आध्यात्मिक बल को बढ़ाती है।

घर में गलत दिशा में रखे फ्रिज, वाशिंग मशीन उड़ा देंगे आपकी रातों की नींद!

आजकल लोग अपने घरों में टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन इत्यादि उपकरण रख लेते हैं। कभी-कभी यह हमारे लिए ठीक रहता है। लेकिन कभी-कभी इसमें काफी दिक्कत का सामना करनी पड़ती है क्योंकि वास्तु के अनुसार हर चीज को रखने का एक नियत स्थान होता है। अगर यह उपकरण सही दिशा में नहीं रखे गए हैं तो वास्तु दोष की वजह से हमारे स्वास्थ्य पर इसका विशेष असर पड़ता है।

गलत दिशा में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट होने से नुकसान : अगर टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन इत्यादि विद्युत संबंधी उपकरण आपने गलत दिशा में स्थापित कर दिए हैं तो कुंवारे लोगों के विवाह एवं दैनिक इनकम में परेशानियां आयेंगी। घर में कलेश का वातावरण बना रहेगा एवं व्यापार प्रभावित होगा। गलत दिशा में रखी वाशिंग मशीन आपकी रातों की नींद खराब कर सकती है।

उपाय : यदि आपकी इन दिशाओं में वास्तु दोष बन रहा है। तो दक्षिण पूर्व दिशा में सरसों के तेल का दीया जलाएं एवं उसी दिशा में मुंह करके गायत्री मंत्र का जाप करें। प्रयास करें कि घर के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट जैसे की वाशिंग मशीन, फ्रिज, टीवी इत्यादि को दक्षिण पूर्व में ही स्थापित करें।

वास्तु के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को रखने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए:

बिजली के उपकरणों को उत्तर-पूर्व दिशा के अलावा दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व दिशा को आग्नेय कोण कहा जाता है। यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी है।

बिजली के उपकरणों को जल तत्व की दिशा में नहीं रखना चाहिए।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सही तरीके से रखना चाहिए।

टूटे-फूटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को न रखें।

बेकार पड़े इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को दान कर दें।

इलेक्ट्रॉनिक तारों को उलझाकर न रखें।

महाकुंभ का आखिरी अमृत स्नान कब है ?

हर 12 वर्षों में आयोजित होने वाला महाकुंभ न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि यह मानवता को एकता, शांति और भक्ति का संदेश देता है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम पर महाकुंभ का आयोजन हो रहा है, जो आत्मशुद्धि और मोक्ष का द्वार है। महाकुंभ के दौरान हर दिन स्नान का विशेष महत्व है। लेकिन अमृत स्नान (शाही स्नान) कुंभ मेले का मुख्य आकर्षण है, जिसके लिए विशेष प्रबंध किए जाते हैं। अमृत स्नान के दिन नागा बाबा और साधु-संत अपने शिष्यों के साथ भव्य जुलूस निकालते हुए संगम में गंगा स्नान करने जाते हैं। बता दें कि 13 जनवरी से शुरू हुआ महाकुंभ मेला का पहला अमृत स्नान 14 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन संपन्न हो चुका है।

अमृत स्नान का महत्व

अमृत स्नान खास दिन, मुहूर्त और ग्रह-नक्षत्र के संयोग में किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अमृत स्नान करने से एक हजार अश्वमेध यज्ञ करने जैसा पुण्य फल मिलता है। इसके साथ ही अमृत स्नान करने से मन की अशुद्धियां दूर होती हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि कुंभ में अमृत स्नान के दिन प्रथम स्नान का अधिकार नागा साधुओं को है। दरअसल, नागा साधुओं को 'महायोद्धा साधु' भी कहा जाता है, क्योंकि प्राचीन काल में वे धर्म और समाज की रक्षा के लिए सेना के रूप में कार्य करते थे।

महाकुंभ 2025 आखिरी अमृत स्नान

महाकुंभ का आखिरी अमृत स्नान बसंत पंचमी के दिन किया जाएगा। बसंत पंचमी का पर्व माता सरस्वती को समर्पित है। इस दिन स्नान-दान के साथ ही मां शारदा की पूजा करना अत्यंत फलदायी माना जाता है। माता सरस्वती

को विद्या और ज्ञान की देवी कहा जाता है। ऐसे में बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की उपासना करने से अज्ञानता दूर होती है और हर कार्य में सफलता प्राप्त होती है। इस साल बसंत पंचमी 3 फरवरी को मनाई जाएगी, इसी दिन महाकुंभ का आखिरी अमृत स्नान किया जाएगा। बता दें कि पहला अमृत स्नान 14 जनवरी को हुआ था और दूसरा अमृत स्नान मौनी अमावस्या के दिन यानी 29 जनवरी 2025 को किया जाएगा।

अमृत स्नान का नियम

अमृत स्नान के दिन नागा बाबा और अन्य प्रमुख साधु-संतों के बाद ही आम श्रद्धालुओं के स्नान करना चाहिए। अमृत स्नान के दिन संगम में डुबकी लगाने के बाद भगवान सूर्य देव को अर्घ्य जरूर दें।

अमृत स्नान करने के बाद गरीब और जरूरतमंदों को अन्न, धन, और वस्त्र का दान करें।

कुंभ स्नान के दौरान गृहस्थ लोग को गंगा में कम से कम 5 बार डुबकी लगाना चाहिए।

अमृत स्नान के दिन महाकुंभ में स्नान करने जा रहे हैं तो स्वच्छता का ध्यान रखें। गंगा जी में स्नान करते समय साबुन, शैंपू का इस्तेमाल न करें।

चाणक्य नीतिः माता-पिता के लिए शत्रु के समान होती है ऐसी संतान! अवगुणों का होता भंडार

आचार्य चाणक्य एक महान अर्थशास्त्री माने जाते हैं, चाणक्य द्वारा चाणक्य नीतिशास्त्र की रचना की गई जिसमें न सिर्फ राजनीति और युद्धनीति बल्कि धन-संपत्ति, स्त्री, दोस्त, करियर सहित पारिवारिक मुद्दों से जुड़ी कई बातों का गहराई से जिक्र किया जाता है। इसका उद्देश्य इंसान को सही राह दिखाना और जीवन को सफल व अच्छा बनाना है। कहा जाता है कि आचार्य चाणक्य की नीतियों का अनुसरण जो कर लेता है। उसे जीवन में आने वाले कठिन से कठिन मार्ग भी सरल लगने लगते हैं।

इसी तरह चाणक्य नीति में संतान से जुड़ी कुछ बातों का भी उल्लेख किया गया है, जिसके मुताबिक संतान के कुछ गुण व अवगुणों के बारे में बताया है। चाणक्य के अनुसार, जिस संतान में इस प्रकार के अवगुण होते हैं वह संतान अपने माता पिता के लिए दुश्मन के समान मानी जाती है। ऐसी संतान से पैरेंट्स को हमेशा कष्ट ही पहुंचता है। वो कौन-कौन से अवगुण हैं, इनके बारे में आइए ज्योतिषाचार्य डॉ अरविंद पचौरी से विस्तार से जानते हैं।

माता-पिता को जीवनभर कष्ट देती है ऐसी संतान

चाणक्य नीति के अनुसार, जिस प्रकार जो गाय दूध नहीं देती है या फिर बछड़े को जन्म नहीं दे सकती ऐसी गाय का कोई मोल नहीं होता। उसी प्रकार माता-पिता की सेवा ना करने वाली संतान भी किसी काम की नहीं होती और माता-पिता को हमेशा कष्ट ही देती है।

बुरी संगत में फंसी संतान

चाणक्य नीति के अनुसार, जिस माता-पिता की संतान बुरी संगत में फंस जाती है और गलत आचरण में लिप्त हो जाती है ऐसी संतान बुद्धिहीन हो जाती है। फिर उसे सही गलत का मार्ग नहीं पता चल पाता है। चाणक्य के अनुसार ऐसी संतान का मर जाना ही उचित होता है। क्योंकि संतान के मरने पर कुछ ही समय के लिए माता-पिता दुख पाते हैं लेकिन जीवित रहने पर तो उसे जीवनभर कष्ट भोगना पड़ता है।

मूर्ख व अनपढ़ संतान

आचार्य चाणक्य के अनुसार, जो संतान मूर्ख, अनपढ़ और कम पढ़ी लिखी होती है। ऐसी संतान अपने माता-पिता को जीवनभर कष्ट पहुंचाती है और उसकी गलतियों के कारण माता पिता को हमेशा लज्जित होना पड़ता है। वहीं ऐसी संतान माता-पिता के दुश्मन के समान होती है। इसलिए संतान का बुद्धिमान और समझदार होना बहुत जरुरी होता है।

महाकुंभ में जा रहे उत्तरप्रदेश, तो इस शहर से भूलकर भी न लाएं गंगाजल

भगवान शिव की नगरी बनारस को मोक्ष की नगरी कहा जाता है। काशी बनारस शहर का प्राचीन नाम है। पौराणिक कथाओं की मानें तो भगवान शिव ने स्वयं इस नगरी की स्थापना की थी। इसलिए इसे दुनिया का सबसे प्राचीनतम शहर कहा जाता है, जो कि शिव जी के त्रिशूल की नोक पर टिका हुआ है। वहीं, कहा जाता है कि यहां से दो चीजें कभी भी नहीं लानी चाहिए। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उसे पाप ही नहीं महापाप लगता है। तो आइए पंडित रमाकांत मिश्रा से जानते हैं कौन सी हैं वो चीजें जो बनारस से नहीं लाना चाहिए।

मान्यताओं के अनुसार, पवित्र नगरी बनारस से कभी भी गंगाजल और मिट्टी को घर लेकर नहीं आना चाहिए, इसे वर्जित माना जाता है। कहा जाता है कि जो ऐसा करता है वो महापाप का भागी बन जाता है। तो आइए जानते हैं, क्या है इस मान्यता का कारण।

जीवन-मरण के चक्र से मिलता है छुटकारा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, मोक्ष नगरी काशी में जो भी जीव, जंतु और मानव अपने प्राण त्यागते हैं वो फिर संसार के इस जन्म-मरण के चक्र से छुटकारा मिलता है। तभी आजकल बनारस में कई अनेकों मोक्ष आश्रम बने हुए हैं। इन आश्रमों में लोग अपने जीवन के आखिरी समय में यहां आकर ठहरते हैं और मोक्ष प्राप्त करते हैं।

काशी नगरी में आने से पुण्य प्राप्ति होती है

सनातन धर्म में मान्यता है कि जब किसी जीव को काशी आने के लिए कोई प्रेरित करता है तो उस व्यक्ति को पुण्य प्राप्ती होती है। इसलिए कहा जाता है कि किसी जीव को अगर इस शहर से दूर रखा जाता है तो व्यक्ति पाप का भागी माना जाता है। ऐसे में अगर हम बनारस से गंगाजल या बनारस की मिट्टी लेकर आते हैं तो उनमें मौजूद जीव-जंतु शिव नगरी से दूर हो जाते हैं।

कहा जाता है कि अगर किसी कोई भी व्यक्ति काशी से किसी जीव की मृत्यु और पुनर्जन्म का चक्र बाधित होता है, तो इस बात का जिम्मेदार वह खुद होता है। काशी के जीवमात्र को उनके मोक्ष के इस अधिकार से वंचित करना महापाप माना जाता है।

बनारस से गंगाजल ना लाने का एक कारण ये भी है

मान्यताओं के अनुसार, वहां का गंगाजल घर इसलिए भी नहीं लाया जाता, क्योंकि काशी के घाट पर किसी ना किसी का देह संस्कार होता रहता है। फिर उसकी राख को गंगा में विसर्जित किया जाता है। तो काशी से गंगाजल ले जाने पर उस पानी में मृत व्यक्ति के अंग या अंश, राख या अवशेष आ जाते हैं। इससे भी उसके मोक्ष पाने में बाधा आ सकती है।

सैफ मामले में नया मोड़ : घर में घुसे शख्स से मेल नहीं खाता गिरफ्तार हुए आरोपी का चेहरा!

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हुए जानलेवा हमले के मामले लगातार इस मामले में नई जानकारी सामने आ रही है। अब इस केस में नया मोड़ सामने आया है। फोरेंसिक लैब की जांच के अनुसार, सैफ के घर में सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ व्यक्ति और पुलिस की गिरफ्त में मौजूद आरोपी दोनों अलग-अलग शख्स हैं।

सीसीटीवी फुटेज और आरोपी की पहचान

16 जनवरी 2025 को सैफ अली खान के बांद्रा स्थित आवास पर हुए हमले के बाद से पुलिस इस केस की जांच कर रही है। सैफ के घर से बरामद सीसीटीवी फुटेज की जांच से पता चला है कि जो व्यक्ति सैफ के घर में घुसते और बाहर निकलते हुए देखा गया और जो पुलिस की गिरफ्त में आरोपी है, वह दोनों अलग-अलग शख्स हैं।

फोरेंसिक लैब की जांच से आया नया मोड़

फोरेंसिक लैब की जांच में यह सामने आया कि सीसीटीवी में दिखा व्यक्ति और गिरफ्तार आरोपी दोनों अलग-अलग व्यक्ति हैं। इससे यह साफ होता है कि पुलिस की गिरफ्त में मौजूद व्यक्ति सैफ के घर में दिखे व्यक्ति से मेल नहीं खाता।

फोरेंसिक लैब की रिपोर्ट

फोरेंसिक लैब की रिपोर्ट के अनुसार, कथित तौर पर सीसीटीवी फुटेज में दिखे व्यक्ति की शारीरिक बनावट, हाइट और चेहरा गिरफ्तार आरोपी से बिल्कुल अलग है। इससे एक बात साफ होती है कि पुलिस की गिरफ्त में मौजूद व्यक्ति सैफ के घर में दिखे व्यक्ति से बिल्कुल अलग है।

जारी है पुलिस की जांच

इस नए खुलासे के बाद, पुलिस ने अपनी जांच को और भी तेज कर दिया है। अब पुलिस को यह सुनिश्चित करना होगा कि गिरफ्तार आरोपी वास्तव में सैफ अली खान पर हुए हमले में शामिल था या नहीं। इसके लिए पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और बाकी सबूतों की तलाश में जुट गई है।

पुष्पा 2 के निर्देशक सुकुमार के घर आयकर विभाग की छापेमारी, एक दिन पहले निर्माता के घर भी पड़ी थी रेड

आयकर विभाग के अधिकारियों ने बुधवार, 22 जनवरी को हैदराबाद में 'पुष्पा 2' के निर्देशक सुकुमार के घर और कार्यालय पर छापा मारा। रिपोर्ट्स के अनुसार, छापेमारी सुबह-सुबह शुरू हुई और कई घंटों तक जारी रही। कथित तौर पर सुकुमार हैदराबाद हवाई अड्डे पर थे, जब आयकर अधिकारियों द्वारा उन्हें उनके आवास पर वापस ले जाया गया, जिसके बाद छापेमारी की गई। एक दिन पहले फिल्म के निर्माता दिल राजू के घर भी आयकर विभाग की रेड पड़ी थी।

छापेमारी की वजह का खुलासा बाकी

छापेमारी की वजह का खुलासा फिलहाल नहीं हुआ है। आयकर छापे ऐसे समय में पड़े हैं, जब सुकुमार अपनी नवीनतम फिल्म पुष्पा 2: द रूल की सफलता का आनंद ले रहे हैं। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म ने भारत में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। हालांकि, आयकर विभाग द्वारा इन छापों या सुकुमार और उनकी हालिया सिनेमेटिक उपलब्धि पर इसके प्रभाव के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

फिल्म निर्माता दिल राजू की संपत्तियों पर भी मंगलवार को आयकर ने छापेमारी की। विभाग ने एक साथ राजू के जुबली हिल्स और बंजारा हिल्स स्थित कार्यालयों और आवासों पर छापेमारी की। इस दौरान उनके भाई शिरीष, बेटी हंशिता रेड्डी और अन्य रिश्तेदारों की संपत्तियों की तलाशी ली गई। कथित तौर पर, राजू की संपत्तियों पर आयकर छापे संदिग्ध कर चोरी और कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच का हिस्सा हैं।

आयकर विभाग की जांच पुष्पा 2: द रूल के प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स के निर्माता नवीन यरनेनी और रविशंकर येलामंचिली तक भी पहुंच गई है। राजू और मैथ्री मूवी मेकर्स से जुड़े आठ स्थानों पर विस्तृत तलाशी अभियान के लिए 55 से अधिक टीमें तैनात की गई हैं। रामकृष्ण वीरपनेनी के स्वामित्व वाली फिल्म प्रमोशन कंपनी मैंगो मीडिया पर भी आयकर अधिकारियों ने छापेमारी की है।

24 को हिंदी में रिलीज होगी डाकू महाराज

तेलुगु सिनेमा प्रेमियों का दिल जीतने के बाद डाकू महाराज अब हिंदी सिनेप्रेमियों के लिए सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जानिए कब और कहां देख सकेंगे फिल्म।

तेलुगु सिनेमा प्रेमियों का दिल जीतने के बाद, अब यह फिल्म हिंदी भाषा में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। नंदमुरी बालकृष्ण की मुख्य भूमिका वाली मसाला एंटरटेनर का हिंदी संस्करण जल्द ही हिंदी भाषा में रिलीज किया जाएगा। उर्वशी रौतेला, नंदमुरी बालकृष्ण और बॉबी देओल की फिल्म डाकू महाराज 24 जनवरी को हिंदी में रिलीज की जा रही है।

फिल्म को मिल रहा अच्छा रिस्पांस

बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बाद, कथित तौर पर डाकू महाराज के निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर 24 जनवरी को इसकी हिंदी रिलीज की घोषणा की है। सुपरस्टार नंदामुरी बालकृष्ण और उर्वशी रौतेला अभिनीत, इस फिल्म ने दुनियाभर में 165 करोड़ रुपये कमाए हैं।

फिल्म की हिंदी रिलीज को लेकर नंदामुरी का बयान

हिंदी रिलीज के बारे में नंदामुरी बालकृष्ण ने कहा, "प्रशंसकों का प्यार और प्रतिक्रिया वाकई में अच्छी रही। डाकू महाराज एक ऐसी फिल्म है, जो मेरे दिल के बेहद करीब है और मैं उत्साहित हूं कि यह अब पूरे भारत में हिंदी दर्शकों तक पहुंच रही है।

'मुझे निकाल दिया', भूल भुलैया की दो किस्तों का हिस्सा नहीं होने पर अक्षय का चौंकाने वाला खुलासा

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्काई फोर्स' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म के प्रचार में वह लगातार जुटे हुए हैं। इसके साथ ही इस साल वह बैक-टू-बैक कॉमेडी फिल्मों की रिलीज के लिए भी तैयार हैं। इस बीच अब उन्होंने कल्ट फ्रेंचाइजी 'भूल भुलैया' की दूसरी और तीसरी किस्त का हिस्सा न होने पर खुलकर बात की। साथ ही अक्षय ने यह भी बताया कि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में सामाजिक कारणों पर आधारित फिल्में क्यों चुनी हैं, क्योंकि उनका दिमाग ऐसी स्थिति में था जिसने, उन्हें ऐसा करने के लिए प्रेरित किया।

अक्षय का बयान

हाल ही में 'स्काई फोर्स' का प्रचार करने के दौरान दर्शकों में बैठे एक प्रशंसक ने अक्षय कुमार से पूछा कि वह भूल भुलैया 2 और 3 का हिस्सा क्यों नहीं थे, जिस पर अभिनेता ने जवाब दिया, 'बेटा, मुझे निकाल दिया था। बस इतना ही।' 2007 में रिलीज हुई भूल भुलैया के पहले भाग में अक्षय कुमार और विद्या बालन मुख्य भूमिकाओं में थे। इसे

प्रियदर्शन ने निर्देशित किया था और यह 1993 की मलयालम भाषा की फिल्म मणिचित्राथजू की रीमेक थी।

दूसरे भाग भूल भुलैया 2 (2022) में कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी और तब्बू मुख्य भूमिका में थे। तीसरी किस्त 2024 में रिलीज हुई थी और इसमें कार्तिक आर्यन के साथ विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी थीं। वहीं, इस बीच चर्चा थी कि फिल्म के चौथे भाग में अक्षय कुमार का रोल हो सकता है, लेकिन अब जब अक्षय ने बड़ा बयान दिया है तो चौथी किस्त में अभिनेता का शामिल होना मुश्किल है।

स्काई फोर्स में अक्षय का किरदार

वहीं, अक्षय कुमार की आने वाली फिल्मों की बात करें तो अगली बार स्काई फोर्स में नजर आएंगे, जो 24 जनवरी को रिलीज होने वाली है। इसमें वह एक भारतीय वायु सेना अधिकारी की भूमिका में हैं, जो कई सैनिकों की मौत के बाद बदला लेने के मिशन पर निकलता है। संदीप केवलानी और अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इस हाई-स्टेक थ्रिलर में शानदार एयर वॉर, जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस और भारतीय सैनिकों की बहादुरी को दिखाने वाली एक मनोरंजक कहानी है। अक्षय के साथ नवोदित वीर पहाड़िया भी हैं, जो एक और आईएएफ अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं और सारा अली खान, जो वीर की पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म में निमरत कौर भी अहम भूमिका में होंगी।

अक्षय की आने वाली फिल्में

अभिनेता के पास प्रियदर्शन के साथ 'भूत बंगला' भी है। तब्बू और परेश रावल भी हॉरर-कॉमेडी का हिस्सा हैं। यह अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की 14 साल बाद फिर से जोड़ी है। इससे पहले दोनों ने हेरा फेरी, गरम मसाला, भागम भाग और भूल भुलैया जैसी हिट फिल्मों में काम किया है। यह फिल्म 2 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आपत्तिजनक अफवाहों पर भड़कीं तब्बू

एक्ट्रेस की टीम ने बयान जारी करके मनगढ़ंत रिपोर्ट हटाने और माफी मांगने को कहा

एक्ट्रेस तब्बू ने अपने खिलाफ फैलाए गए आपत्तिजनक अफवाहों पर गुस्सा जाहिर किया है, जिसमें कहा गया था कि 'मुझे शादी में दिलचस्पी नहीं है, बल्कि मुझे सिर्फ अपने बिस्तर पर मर्द चाहिए।' तब्बू की टीम ने ऐसी खबरों को प्रसारित करने वाले मीडिया हाउस को फटकार लगाई है।

इस मामले में तब्बू की टीम ने एक सार्वजनिक बयान जारी कयिा है। जिसमें उन मीडिया रिपोर्ट्स की आलोचना की है, जिनमें शादी के बारे में एक्ट्रेस के विचार पब्लिश किए थे। तब्बू की टीम ने अपनी इस हरकत के लिए मीडिया हाउस से औपचारिक रूप से माफी मांगने को कहा है। तब्बू की टीम ने बयान में कहा- कुछ वेबसाइट और सोशल मीडिया ने तब्बू के बयान को गलत तरीके से पब्लिश किया है। इससे पाठकों

को गुमराह किया जा रहा है। हम यह स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि एक्ट्रेस ने कभी ऐसा कुछ नहीं कहा है। बता दें कि एक वेबसाइट ने एक्ट्रेस के बारे में एक न्यूज पब्लिश की थी। जिसमें यह दावा किया था कि तब्बू ने कहा 'मैं शादी में दिलचस्पी नहीं रखती है और केवल एक मर्द चाहती हूं जिसके साथ मैं बिस्तर पर सो सकूं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो तब्बू हाल ही में फिल्म 'ड्यूनः प्रॉफेसी' में सिस्टर फ्रांसेस्का के रोल को लेकर चर्चा में आईं थीं। इस समय उनके पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। वो 25 साल के बाद अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आएंगी। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले तब्बू और अक्षय कुमार एक साथ फिल्म 'हेरा फेरी' में नजर आए थे।

बिना शादी के अकेले जिंदगी बिताना चाहती हैं शिल्पा शिंदे

बोलीं- पति-पत्नी के बीच कॉम्पिटिशन शुरू हो गया है, शादी का मतलब नहीं समझते लोग

बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया वो शादी नहीं करना चाहती और पूरी जिंदगी अकेले बिताना पसंद करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सही इंसान मिला, तो जरूर शादी कर लेंगी।

एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने टेली टॉक को दिए इंटरव्यू के दौरान अपने मैरिज प्लान को लेकर बातचीत की है। एक्ट्रेस ने कहा- मैंने अपने आप को कभी ब्लॉक नहीं किया कि मुझे अकेला ही रहना है। मैंने ये भी नहीं सोचा कि मुझे किसी से शादी ही करनी है। अगर मुझे लगता है कि कोई सही इंसान मिला, तो मैं जरूर शादी कर लूंगी।

शिल्पा शिंदे ने आगे बताया- मैं उस तरह की लड़की नहीं हूं जो लिविंग रिलेशनशिप में रहने के बाद भी उसे रिलेशनशिप का नाम ना दे। अगर ऐसा कोई रिश्ता है तो उसे एक नाम देना

चाहिए, लेकिन यह नहीं मानती कि शादी सबकुछ है। आज कल लोग शादी का मतलब ही नहीं समझते। पति-पत्नी के बीच काम्पिटिशन शुरू हो गया है।

शादी से दो दिन पहले शादी न करने का फैसला किया

बता दें कि शिल्पा शिंदे की टीवी एक्टर रोमित राज संग सगाई हुई थी, हालांकि कुछ समय बाद दोनों ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए। शिल्पा और रोमित राज की मुलाकात सीरियल मायका (2007-2009) के दौरान हुई थी। रोमित उम्र में शिल्पा से तीन साल छोटे थे। दोनों में प्यार हुआ और फिर 2009 में दोनों ने शादी करने का फैसला लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने 29 नवंबर 2009 को गोवा में शादी करने का फैसला किया था, लेकिन शादी से दो दिन पहले ही शिल्पा ने शादी न करने का फैसला किया था।

राहिल आजम के साथ भी जुड़ा था नाम

इससे पहले शिल्पा शिंदे का नाम राहिल आजम के साथ जुड़ा था। राहिल और शिल्पा ने सबसे पहले सीरियल 'भाभी' (2002-2008) में साथ काम किया था। इसके बाद दोनों सीरियल 'हातिम' (2003) में भी नजर आए थे। कुछ दिन साथ रहने के बाद दोनों आपसी सहमति से अलग हो गए थे।

'रामगोपाल वर्मा ने मेरा करियर खराब नहीं किया'

नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ करियर, हमेशा आइटम गर्ल समझा गया : उर्मिला मातोंडकर

हाल ही में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'सत्या' री-रिलीज हुई है। इस मौके पर एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने रामू के साथ लड़ाई की खबरों को महज अफवाह बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि उनका करियर रामगोपाल वर्मा के कारण नहीं, बल्कि नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ। उन्हें हमेशा ही आइटम गर्ल या फिर सेक्स साइरन के रूप में देखा गया।

उर्मिला ने राम गोपाल वर्मा के साथ सत्या, जंगल, रंगीला और भूत जैसी फिल्मों में काम किया है। रंगीला बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही और इस फिल्म ने उर्मिला मातोंडकर को बॉलीवुड में 'रंगीला गर्ल' के तौर स्थापित कर दिया। इंडस्ट्री में ऐसी अफवाह थी कि एक्ट्रेस का रामू के साथ अफेयर चल रहा है जिस

वजह से वो उनकी हर फिल्म में होती हैं। हालांकि, एक समय पर दोनों के बीच लड़ाई की खबरें आने लगीं।

उर्मिला मातोंडकर ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि कई बेहतरीन फिल्में करने के बाद भी 90 के दशक में मीडिया सिर्फ उनके लुक और उनकी निजी जिंदगी के बारे में बात करती थी। लोगों को उनकी एक्टिंग के बजाय उनकी जिंदगी के हर पहलु में दिलचस्पी रहती थी।

पिंजर, कौन, एक हसीना थी जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में काम करने के बावजूद भी उर्मिला मातोंडकर को बॉलीवुड में सिर्फ एक आइटम गर्ल ही समझा गया। उर्मिला कहती हैं- इंडस्ट्री में सिर्फ एक आइटम गर्ल और सेक्स साइरन के तौर पर देखा जाता था। मैं इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखती थी, जिसका मुझे खामियाजा उठाना पड़ा था।

सत्या की री-रिलीज के मौके पर उर्मिला मातोंडकर ने एक बार फिर डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा और एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ काम करने की इच्छा जताई है।

'किलर चार्ल्स शोभराज का किरदार निभाना डरावना था' : एक्टर सिद्धांत गुप्ता

एक्टर सिद्धांत गुप्ता ने वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज का किरदार निभाया है। इस सीरीज में उनके अपराधों को तिहाड़ जेल के पूर्व जेलर सुनील गुप्ता की गवाही के जरिए दिखाया गया है। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत में, सिद्धांत ने शोभराज का किरदार निभाने के अपने एक्सपीरियंस और इसकी चुनौतियों पर चर्चा की। साथ ही, लेखक सत्यांशु सिंह और डायरेक्टर विक्रमादित्य मोटवानी ने भी अपने अनुभव शेयर किए।

सिद्धांत गुप्ता ने बताया कि इस रोल में उतरना उनके लिए आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'सबसे बड़ी बात यह थी कि कोई इंसान इतने बड़े अपराध करने के बाद भी नॉर्मल कैसे रह सकता है? मैंने किताबें पढ़ीं और यह समझने की कोशिश की कि ऐसे लोग अपने

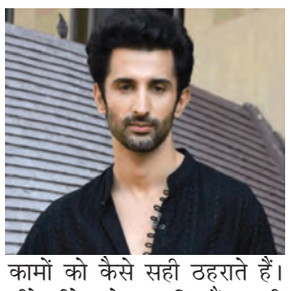

कामों को कैसे सही ठहराते हैं। धीरे-धीरे मुझे लगा कि मैं उसकी सोच को समझने लगा हूं, और फिर यह किरदार निभाना मेरे लिए आसान हो गया।'

सिद्धांत ने यह भी बताया कि शूटिंग के दौरान वह इस किरदार में इतने गहरे उतर गए थे कि कई बार घर लौटने के बाद भी चार्ल्स शोभराज का असर उनके दिमाग पर बना रहता था। उन्होंने कहा, 'कई बार ऐसा लगा जैसे मैं खुद उसकी तरह सोचने लगा हूं। उसकी पर्सनालिटी और तरीका बहुत कॉम्प्लेक्स था, लेकिन जब चीजें समझ में आईं, तो सब कुछ अपने आप फ्लो होने लगा। यह थोड़ा डरावना लेकिन दिलचस्प एक्सपीरियंस था।'

लेखक सत्यांशु सिंह ने स्क्रिप्ट और चार्ल्स शोभराज को लिखने के अपने प्रोसेस के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'चार्ल्स शोभराज जैसे इंसान को समझना और उसकी हरकतों को पर्दे पर सही ढंग से दिखाना एक बड़ा चैलेंज था। उसके अंदर एक क्रिमिनल माइंड के साथ-साथ एक अलग सा चार्म भी था। स्क्रिप्ट लिखते वक्त इसे बैलेंस करना आसान नहीं था।' डायरेक्टर विक्रमादित्य मोटवानी ने सिद्धांत की परफॉर्मेंस को लेकर कहा, 'सिद्धांत इस रोल में पूरी तरह डूब गए थे। सेट के बाहर भी वह चार्ल्स शोभराज की तरह बिहेव करते थे। उनकी मेहनत और डेडिकेशन ने ही इस किरदार को इतना असली बना दिया।'

कचरा समझ कर फेंक देते हैं जिन सब्जियों के पत्ते, वो हैं सेहत का खजाना

जाड़े का मौसम हरी सब्जियों के इठलाने का होता है। इस समय पालक हो या मेथी, बाजार से लेकर घर के रसोई घर में अपनी हरियाली की आभा बिखेरती है। सर्दी के मौसम को हरी सब्जियों का मौसम भी कहा जा सकता है, क्योंकि इस समय कई प्रकार की ताजगी से भरपूर हरी पत्तेदार सब्जियां मिलती हैं, जैसे- पालक, मूली, सरा, मेथी, सरसों, बथुआ और कोलार्ड ग्रीन्स। इन सभी के पत्ते जहां खाने में स्वादिष्ट होते हैं, वहीं शरीर के लिए अत्यंत फायदेमंद भी होते हैं। इनमें फैट, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन और कैल्शियम जैसे तत्वों की भरपूर मात्रा होती है।

चुकंदर-शलजम : हड्डियों की मजबूती

बाजार में अक्सर चुकंदर और शलजम पत्तों समेत बेचे जाते हैं, लेकिन आपकी तरह ही अन्य महिलाएं भी इसे बेकार समझकर फेंक देती हैं। चुकंदर और शलजम के पत्ते विटामिन और आयरन जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। साथ ही इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है और वसा कम होता है, जिस वजह से ये अधिक पौष्टिक होते हैं।

अरबी : एनीमिया से राहत

अरबी के पत्ते न सिर्फ स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो आपको कई बीमारियों से बचाते हैं। इन पत्तों में विटामिन बी, सी, कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, डाइटरी फाइबर और एंटी-ऑक्सिडेंट मौजूद होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। ये आंखों के स्वास्थ्य, कोलेस्ट्रॉल, हृदय स्वास्थ्य, उच्च रक्तचाप, पाचन तंत्र और एनीमिया से पीड़ित लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होते हैं। भारतीय परिवारों में अरबी के पत्तों की सब्जी, साग और पकौड़े बनाए जाते हैं, जो कि बहुत स्वादिष्ट भी होते हैं।

पत्तागोभी : सूजन करे कम

पत्तागोभी में भरपूर मात्रा में विटामिन, मिनरल्स, फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं। इसके अलावा पेट में अल्सर से राहत और ब्रेस्ट में होने वाले दर्द को कम करने के लिए इसके पत्ते सहायक होते हैं। ये डायबिटीज, हृदय स्वास्थ्य और इन्फ्लेमेशन (सूजन) से जुड़ी समस्याओं को भी कम करने में मदद करते हैं।

सोया : सुंदर, स्वस्थ त्वचा

सोया के पत्ते केवल स्वाद और खुशबू में ही बेहतरीन नहीं होते, बल्कि ये विटामिन ए, सी, आयरन, कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, एंटीवायरल, एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सिडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन से हीमोग्लोबिन के स्तर में सुधार होता है, मस्तिष्क के कार्य को बढ़ावा मिलता है और मुंह की दुर्गंध भी दूर होती है।

वहीं तुलसी को तो आयुर्वेद में औषधि के रूप में वर्णित किया गया है। ये पत्तियां विटामिन ए, सी, के और कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, आयरन तथा पोटैशियम जैसे खनिजों से भरपूर होती हैं। इनमें प्रोटीन और फाइबर भी अच्छी मात्रा में होता है। तुलसी की पत्तियों को मुख्य रूप से कच्चा ही खाया जाता है। इनका उपयोग हृदय रोग, श्वसन संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता है।

पोषक तत्वों का भंडार

इन पत्तों के अलावा कुछ अन्य पत्ते भी अपनी डाइट में अवश्य शामिल करें, जो सेहत को लाभ पहुंचाएंगे।

करमुआ का पत्ता

इसे वॉटर स्पिनेच के नाम से भी जाना जाता है। यह एक प्रसिद्ध हरी पत्तेदार सब्जी है, जो खाने में स्वादिष्ट और सेहत के लिए लाभकारी है। इसमें काफी मात्रा में आयरन पाया जाता है, जो खून की कमी दूर करता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन सी, कैल्शियम, फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के संचालन के लिए बहुत आवश्यक माने जाते हैं।

धनिया, पुदीना, तुलसी और करी पत्ता

इन सभी पत्तों का इस्तेमाल भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। धनिया पत्ते ऊर्जा, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, खनिज पदार्थ और जल से भरपूर होते हैं। इनमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटीइंफ्लेमेटरी (सूजनरोधी), एंटीमाइक्रोबियल, एंटीडिस्लिपिडेमिक (रक्त में लिपिड्स कम करने वाला), एंटीहाइपरटेंसिव (रक्तचाप कम करने वाला) और न्यूरोप्रोटेक्टिव (तंत्रिका को सुरक्षा देने वाला) जैसे गुण होते हैं। इसके साथ ही ये डायबिटीज, मिर्गी, चिंता और अवसाद दूर करने तथा शरीर से विषाक्त पदार्थों की सफाई करने में भी बेहद मददगार होते हैं।

इसी तरह पुदीना की पत्तियों का उपयोग अधिकांशतः चटनी और ताजगी भरे ड्रिंक्स में किया जाता है, क्योंकि इसमें विटामिन ए, सी, बी-

छोटी-छोटी चोट को न लें हल्के में, बड़े खतरे से बचाव के लिए अपनाएं ये सतर्कता

यह बात भी सच है कि घर ही वह स्थान है, जहां हम खुद को सबसे सुरक्षित पाते हैं। मगर इसी स्थान पर परिवार के सदस्य किसी न किसी छोटी-मोटी दुर्घटना का शिकार हो ही जाते हैं। कभी कोई फिसल जाता है, जिस कारण चोट लग जाती है या मोच आ जाती है। कभी रसोई में काम करते वक्त हाथ कट या जल जाता है। कई बार पालतू पशु और कीड़े-मकौड़े जख्म दे जाते हैं।

कटने और जलने को हल्के में न लें

रसोई वह स्थान है, जहां पाक कलाओं को लेकर तमाम तरह के प्रयोग किए जाते हैं, लेकिन यहीं हल्की-फुल्की चोट लगने की आशंका भी हमेशा बनी रहती है। अमूमन, रसोई में प्राथमिक रूप से फल-सब्जी काटने, भोजन पकाने, चाय-कॉफी बनाने, मसाले पीसने और साफ-सफाई से लेकर अन्य कई तरह के काम किए जाते हैं। कई बार ऐसा करते हुए कभी उंगली कट जाती है, कभी गरम पानी या तेल हाथों पर गिर जाता है तो कभी इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंस चलाते हुए इलेक्ट्रिक शॉक लग जाता है। आप अक्सर इनकी खास परवाह नहीं करती हैं और नजरअंदाज कर देती हैं। वह अक्सर चोट लगी जगह पर जलन को रोकने के लिए सरसों तेल या ठंडे पानी में हाथ को डूबोकर, कोई स्प्रे छिड़ककर, बर्न ऑइंटमेंट या एलोवेरा जेल लगाकर काम चला लेती हैं।

सिर की चोट हो सकती गंभीर

छोटे बच्चों को आप कितना भी संभाल लें, नटखटपन और शरारतों की वजह से अक्सर उन्हें चोट लग ही जाती है। दौड़ने, खेलने-कूदने, कुर्सी या बिस्तर से उतरते समय थोड़ा-सा संतुलन बिगड़ते ही उन्हें सिर पर या हाथ-पैर में चोट लग जाती है। इस मौके पर होम किट या घरेलू नुस्खों की मदद से मरहम-पट्टी करना जरूरी है। अक्सर आप खरोंचों पर खास ध्यान नहीं देतीं, जबकि उनमें ही संक्रमण का सबसे अधिक खतरा होता है।

बुजुर्गों के प्रति सतर्कता

बच्चों के अलावा आपको परिवारों के बुजुर्गों का भी खास ख्याल रखना होता है। बुजुर्गों की बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर और आंखों की रोशनी कम होने लगती है। कई बार उनके लिए शरीर पर संतुलन बनाए रखना भी मुश्किल होता है। इससे उनके गिरने या चोटिल होने का खतरा हमेशा बना रहता है, खासकर डिमेंशिया और पार्किंसन के शिकार बुजुर्गों के बाथरूम में गिरने की अनेक घटनाएं घटित होती हैं।

बिजली के उपकरणों से सावधानी

कहावत है, 'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी।' अनजाने में होने वाली लापरवाहियां कब घातक हो जाती हैं, इसका आभास तक नहीं होता है। आधुनिक घरों में इलेक्ट्रिकल एप्लायंसेस का उपयोग काफी बढ़ गया है। रसोई से लेकर तमाम स्थानों पर बिजली से चलने वाले उपकरणों का इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन मोबाइल चार्ज करने, गीजर या इलेक्ट्रिक हीटर चलाने के बाद आप उनको कई बार बंद करना भूल जाती हैं। इससे कभी भी कोई अनहोनी घट सकती है।

खून रोकने के प्राथमिक उपाय

किसी भी गंदगी को हटाने के लिए कट को तुरंत ठंडे बहते पानी से धोएं। हल्के साबुन का उपयोग किया जा सकता है।

रक्तस्राव को नियंत्रित करने के लिए साफ कपड़े से दबाव डालें। रक्तस्राव बंद होने तक दबाव बनाए रखें।

संक्रमण रोकने के लिए घाव पर एंटीसेप्टिक घोल या मेडिकेटेड वाइप से साफ करके घाव को खुला छोड़ दें। इससे घाव जल्दी भरता है।

अगर झुलस जाए हाथ

जलने पर कम से कम 10-15 मिनट के लिए जले हुए हिस्से पर तुरंत ठंडा पानी डालें, लेकिन सीधे बर्फ का उपयोग न करें।

पहली डिग्री के जलने से त्वचा की केवल ऊपरी परत प्रभावित होती है, जिसे तुरंत ठंडा करके ठीक किया जा सकता है।

ठंडा होने के बाद जले हुए हिस्से की नॉन-स्टिक ड्रेसिंग कर दें, ताकि संक्रमण को रोका जा सके। आप रूई या चिपकने वाली पट्टियों के उपयोग से बचें।

दर्द असहज हो जाए तो...

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली के सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन के एडिशनल प्रोफेसर, डॉ. हर्षल रमेश साल्वे कहते हैं, घर में बच्चे-बुजुर्ग, युवा, महिलाएं सभी होते हैं। हर किसी की स्थिति-परिस्थिति अलग होती है। सबके चोट लगने के कारण भिन्न हो सकते हैं।

छोटी-मोटी चोट या दर्द को तो आप घरेलू नुस्खों से ठीक कर लेती हैं, लेकिन अगर आपको दर्द असहज करे तो इसे हल्के में न लें। इसके अलावा फर्स्ट एड किट काफी कारगर होती है, जिसमें एंटीसेप्टिक क्रीम, बीटाडीन लोशन, एस्पिरीन, बर्न क्रीम आदि जरूर हों। साथ ही जरूरी है कि आप अपना रूटीन चेकअप कराती रहें। वजन को नियंत्रित रखें। नियमित व्यायाम करें।

सफेद बालों को काला करने के घरेलू तरीके, बिना केमिकल के मिलेगा फायदा

आजकल की बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और खराब खान-पान की वजह से ज्यादातर लोग स्वास्थय संबंधी दिक्कतों से परेशान हैं। इसका असर न सिर्फ सेहत बल्कि त्वचा और बालों पर भी पड़ता है। खासतौर पर बात की जाए बालों की तो आज के समय में बालों का झड़ना, बालों का रूखा होना और कम उम्र में बालों का सफेद होना बेहद आम बात है।

यदि आपके बाल भी कम उम्र में सफेद हो रहे हैं, और आप किसी प्रकार के केमिकल वाले कलर का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं तो यहां हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप अपने बालों को जड़ से काला कर सकते हैं। इन नुस्खों में किसी तरह के केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। ऐसे में बस एक बार पैच टेस्ट करें और घरेलू नुस्खों की मदद से बालों को जड़ से काला बनाएं।

आंवला और नींबू का रस

आंवला बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें विटामिन C और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो बालों को काला करने में मदद करते हैं। बालों को काला करने के लिए यदि ये नुस्खा अपनाना चाहते हैं तो एक कप आंवला का रस और एक चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को सिर पर अच्छे से लगाएं और 30-40 मिनट तक छोड़ दें। उसके बाद बालों को धो लें।

मेहंदी और कॉफी

मेहंदी के साथ कॉफी का मिश्रण सफेद बालों को काला करने में मदद करता है। 2-3 चमच मेहंदी पाउडर लें और उसमें 1 चमच कॉफी पाउडर मिलाएं।अब इसे पानी में घोलकर पेस्ट बना लें और बालों में लगाकर 1-2 घंटे के लिए छोड़ दें। फिर बालों को अच्छे से धो लें। यह बालों को प्राकृतिक रूप से काला करता है।

नारियल तेल और आंवला पाउडर

नारियल तेल और आंवला पाउडर का मिश्रण बालों को काला और मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके लिए दो चम्मच आंवला पाउडर को नारियल तेल में मिला कर गर्म करें। इस मिश्रण को बालों की जड़ों में अच्छी तरह लगाएं और रातभर छोड़ दें। सुबह बालों को धो लें।

ब्लैक टी

काली चाय में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो बालों के रंग को गहरा करने में मदद करते हैं। 1 कप काली चाय बनाकर उसमें 1 चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को बालों पर अच्छी तरह लगाएं और 20-30 मिनट तक छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी से बाल धो लें।

मेहंदी और आंवला पाउडर

मेहंदी को आंवला पाउडर के साथ मिलाकर बालों में लगाने से बालों का रंग गहरा होता है और सफेद बालों को काला करने में मदद मिलती है। इसके लिए मेहंदी और आंवला पाउडर को पानी में मिला कर पेस्ट बना लें। इसे बालों में लगाकर 1-2 घंटे के लिए छोड़ दें, फिर धो लें।

बार- बार ब्रश और माउथवॉश करने के बाद भी आती है मुंह से बदबू? इस विटामिन की कमी से जूझ रहे हैं आप

हेल्थ के साथ-साथ ओरल हाइजीन भी बहुत जरूरी है। मुंह और दांतों को स्वस्थ रखने के लिए हम रोजाना बर्श और माउथ वॉश करते हैं। यही नहीं, कई लोग डेंटिस्ट के पास जाकर हर छह महीने में चेकअप भी करवाते हैं। हालांकि, इतनी जद्दोजहद के बाद भी ऐसा होता है कि कई लोग मुंह की बदबू से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में उन्हें इसके पीछे का कारण नहीं पता चल पाता है। तो आज की इस खबर में हम आपको इसके पीछे की बड़ी वजह के बारे में बताने जा रहे हैं।

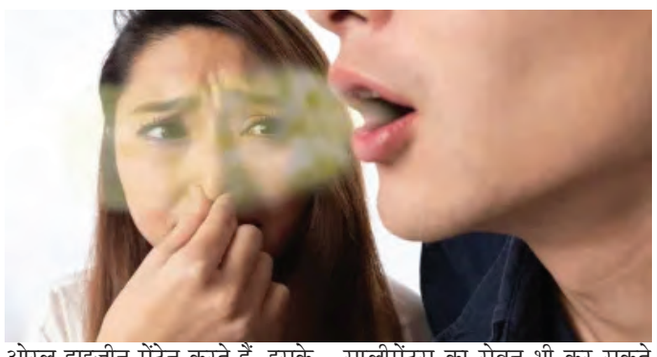

मुंह से क्यों आती है बदबू?

विटामिन डी हमारे शरीर की हड्डियों और इम्यून सिस्टम के लिए काफी जरूरी है, लेकिन क्या आप इस बात से भी अवगत हैं कि यह हमारी ओरल हाइजीन मेंटेन करने के लिए भी काफी जरूरी है। बता दें कि विटामिन डी की कमी से मसूड़ों की सूजन, बैक्टीरिया का बढ़ना और मसूड़ों के संक्रमण जैसी परेशानियां हो सकती हैं, जिसकी वजह से मुंह से बदबू आने लगती है।

विटामिन डी की कमी को कैसे करें पता?

अगर आप भी रोजाना ब्रश और ओरल हाइजीन मेंटेन करते हैं, इसके बाद भी आपके मुंह से बदबू आती है। तो यह विटामिन डी की कमी के मुख्य लक्षण हैं। विटामिन डी की कमी से आपको थकान, हड्डियों में दर्द और बीमार पड़ने की समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में आपको तुरंत अपने डॉक्टर से परामर्श करने की जरूरत है।

ऐसे करें समस्या का समाधान

अच्छे से लें धूप- विटामिन डी का सबसे अच्छा सोर्स धूप होता है। व्यक्ति को कम से कम रोजाना 15 से 20 मिनट धूप लेना चाहिए।

सप्लीमेंट लें- अगर आपको धूप में जाने से दिक्कत हैं तो आप अपने डॉक्टर की सलाह से विटामिन डी सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं।

खानपान में करें बदलाव- आपको अपनी डाइट में मशरूम अंडे, मछली और दूध शामिल करना चाहिए।

खूब पानी पीएं- पानी पीने से ओरल हाइजीन काफी मेंटेन रहती है।

ओरल हाइजीन क्यों है जरूरी?

ओरल हाइजीन इसलिए भी जरूरी है कि मुंह की बदबू से परेशान होकर आप खुद असहज महसूस करते हैं। यही नहीं, यह शरीर में हो रही गड़बड़ियों का भी संकेत देता है। ऐसे में विटामिन डी की कमी पूरी कर के आप इससे छुटकारा पा सकते हैं।

पानी पीने के बाद भी बार-बार लगती है प्यास?

सर्दी हो या गर्मी पानी पीना हर व्यक्ति के लिए काफी जरूरी होता है। ये शरीर को हाइड्रेट करने के लिए काफी जरूरी है। ऐसे में जब आपको पानी की जरूरत होती है तो शरीर खुद-ब-खुद संकेत भी देने लगती है। हालांकि, बहुत ज्यादा या कम पानी पीना दोनों ही सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है, लेकिन अगर आपको पानी पीने के बाद भी बार-बार प्यास लगती है तो शायद यह नॉर्मल नहीं है और आपके शरीर में कोई बीमारी पनप रही है। आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर आपको ज्यादा प्यास लगती है तो आप किन बीमारियों का शिकार हो सकते हैं?

बार-बार प्यास लगने की समस्या

प्यास आपके शरीर का आपको यह बताने का तरीका है कि शरीर डिहाइड्रेट हो रहा है। गर्मी के मौसम में या जब आप बहुत ज्यादा व्यायाम करते हैं, तो प्यास लगना सामान्य बात है। लेकिन अगर आपको बार-बार

प्यास लग रही है तो यह किसी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।

डिहाइड्रेशन

डिहाइड्रेशन का मतलब है कि आपके शरीर में ठीक से काम करते रहने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है और प्यास इसका मुख्य लक्षण है। यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे व्यायाम, दस्त , उल्टी और बहुत अधिक पसीना आना।

डायबिटीज

अगर आपको दिन में बार-बार प्यास लगती है और आपके गला हमेशा सूखा ही रहता है तो आपको तुरंत अपना शुगर लेवल टेस्ट कराने की जरूरत है। डायबिटीज में किडनी को ब्लड से अतिरिक्त शुगर हटाने के लिए काफी ज्यादा काम करना पड़ता है। ऐसे में हमारे शरीर से ज्यादा तरल पदार्थ बाहर निकलता है, परिणामस्वरूप ज्यादा प्यास लगती है।

एनीमिया

शरीर में खून की कमी होने को एनीमिया कहते हैं। ऐसी स्थिति में शरीर में पर्याप्त मात्रा में रेड ब्लड सेल्स नहीं बनते हैं। हालांकि, यह हेल्थ इशू अक्सर गलत खानपान और हैवी ब्लड लॉस की वजह से होता है। ऐसे में आपको बार-बार प्यास लगती है। इससे गला सूखने की समस्या भी ज्यादा हो जाती है।

पाचन से जुड़ी समस्या

जब भी आप तला-भुना कुछ खाते हैं तो यह आपकी पाचन प्रक्रिया पर काफी गहरा प्रभाव डालता है। ऐसे में आपका पेट खराब हो जाता है और आपको बार-बार प्यास लगती है।

साइकिलिंग या योग, हृदय स्वास्थ्य के लिए ज्यादा फायदेमंद क्या है?

हृदय स्वास्थ्य के लिए साइकिलिंग और योग दोनों ही फायदेमंद हैं। साइकिलिंग एक तरह का व्यायाम है, जो हृदय की पंपिंग को बढ़ाता है। वहीं योग स्ट्रेस को कम करता है जो कि हृदय रोगों का प्रमुख कारण है। हृदय स्वास्थ्य के लिए आप साइकिलिंग करना चाहते हैं या योगाभ्यास, ये आपके लक्ष्य, शारीरिक स्थिति और पसंदीदा गतिविधि पर निर्भर करता है। साइकिलिंग और योग में से कौन ज्यादा फायदेमंद है, ये जानकर दोनों तरह के व्यायाम में से एक का चयन करें। साइकिलिंग और योग कौन है, ज्यादा प्रभावी।

साइकिलिंग का हृदय स्वास्थ्य पर प्रभाव

साइकिलिंग एक एरोबिक व्यायाम है जो हृदय की पंपिंग क्षमता को बढ़ाता है। साइकिलिंग हृदय की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है और रक्त प्रवाह को सुचारु करती है। इससे कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है और खराब कोलेस्ट्रॉलर कम होता है। ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। साइकिलिंग से वजन कम किया जा सकता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। नियमित साइकिलिंग करने से स्ट्रोक और कोरोनरी हृदय रोग का जोखिम कम होता है।

जो लोग कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस को बढ़ावा देना चाहते हैं वो साइकिलिंग कर सकते हैं। इसके अलावा वजन कम करने का लक्ष्य रखने वाले साइकिलिंग कर सकते हैं। साथ ही ऊर्जावान और सक्रिय व्यायाम पसंद हो तो भी साइकिलिंग करें।

योग का हृदय स्वास्थ्य पर प्रभाव

शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने की होलिस्टिक एक्सरसाइज योग है। योगासन का अभ्यास स्ट्रेस को कम करता है, जो हृदय रोगों का प्रमुख कारण है। ये ब्लड प्रेशर और हृदय गति को स्थिर करता है, जिससे हृदय पर दबाव कम होता है। योग से शरीर में लचीलापन और श्वसन क्षमता में सुधार होता है। योग से जुड़ी प्राणायाम ऑक्सीजन

आपूर्ति को बढ़ाकर हृदय की सेहत में सुधार करती हैं। योग सूजन को कम करता है, जो हृदय रोगों का बड़ा कारण है। अगर आप तनाव और चिंता को नियंत्रित करना चाहते हैं तो योग का अभ्यास करें। उच्च रक्तचाप से पीड़ितों के लिए योग फायदेमंद होता है। ये मानसिक शांति के साथ शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करता है।

साइकिलिंग और योग का संयोजन

हृदय स्वास्थ्य की मजबूती के लिए साइकिलिंग और योग का संयोजन सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है। साइकिलिंग आपकी हृदय सहनशक्ति को बढ़ा सकती है और योग तनाव को कम करके श्वसन प्रणाली को मजबूत करता है।

जेफ बेजोस से बिल गेट्स तक सब हुए मालामाल, मस्क हुए 'कंगाल'

ट्रंप के शपथ के बाद सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के शपथ के एक दिन बाद खुले अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। जिसकी वजह से जेफ बेजोस से लेकर बिल गेट्स तक तमाम अरबपतियों की दौलत में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला। वहीं हैरानी की बात ये है कि ट्रंप के सबसे नजदीकी माने जाने वाले एलन मस्क की दौलत में गिरावट आई। उसका अहम कारण टेस्ला के शेयरों में गिरावट आना है। जिसकी वजह से दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी की दौलत 1.74 अरब डॉलर कम हो गई। अगर बात भारत की करें तो दुनिया के 500 अरबपतियों में से मुकेश अंबानी की दौलत में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। वहीं दूसरी ओर गौतम अडानी की दौलत में भी 2 अरब डॉलर से ज्यादा कम हो चुकी है। मंगलवार को भारत के शेयर बाजार में गिरावट देखी गई थी। जिसका असर एशिया के दोनों सबसे अमीर कारोबारियों की दौलत

में देखने को मिला। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर दुनिया के प्रमुख अरबपतियों की दौलत के आंकड़े किस तरह से देखने को मिल रहे हैं।

एलन मस्क की दौलत में गिरावट

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की दौलत में करीब पौने दो अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार एलन मस्क की कुल दौलत में 1.74 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली है। जिसके बाद उनकी कुल दौलत 447 अरब डॉलर हो गई है। वैसे मौजूदा साल में उनकी नेटवर्थ में 14.4 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। वास्तव में मंगलवार को टेस्ला के शेयर में 0.57 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। जिसकी वजह से उनकी दौलत में कमी आई है।

बेजोस से गेट्स तक सब हुए मालामाल

वहीं दूसरी ओर दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी जेफ बेजोस से लेकर दुनिया के 8वें सबसे अमीर बिजनेसमैन बिल गेट्स की दौलत में इजाफा देखने को मिला है। जेफ बेजोस की नेटवर्थ में 4.61 अरब डॉलर, मार्क जुकरबर्ग की दौलत में 1.32 अरब डॉलर, लैरी एलिसन की नेटवर्थ में 10.4 अरब डॉलर, बर्नार्ड अरनॉल्ट में 5.82 अरब डॉलर, लैरी पेज में 1.83 अरब डॉलर, सर्जी ब्रिन की दौलत में 1.72 अरब डॉलर और बिल गेट्स की नेटवर्थ में 1.46 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है।

अंबानी और अडानी की दौलत गिरी

वहीं दूसरी ओर एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की दौलत में बड़ी गिरावट देखी गई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार मुकेश अंबानी की दौलत में दुनिया में सबसे ज्यादा 2.46 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली है। जिसके बाद उनकी कुल दौलत 92.2 अरब डॉलर हो गई है। दुनिया के 17वें सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी की दौलत में इस साल 1.58 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं दूसरी ओर गौतम अडानी की दौलत में 2.13 अरब डॉलर की कमी देखी गई है। जिसके बाद उनकी कुल दौलत 73.9 अरब डॉलर हो गई है। मौजूदा समय में 21वें सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी की दौलत में इस साल 4.79 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिल चुकी है।

फिनफ्लुएंसर ने बताया बिटकॉइन में निवेश का सही तरीका, कहा- इस तरह किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ

नई दिल्ली,22 जनवरी (एजेंसियां)। क्या बिटकॉइन में निवेश करना सही है? यह ऐसा सवाल है जो काफी निवेशकों के मन में आता है। वह इसलिए क्योंकि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करना बहुत ज्यादा जोखिमभरा है। काफी एक्सपर्ट क्रिप्टोकरेंसी में निवेश से बचने की सलाह देते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस पर कंट्रोल के लिए कोई नियामक संस्था नहीं है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसने जो रिटर्न दिया है, उसे लेकर निवेशक इसी ओर खिंचे चले जा रहे हैं।बिटकॉइन में निवेश के तरीके को लेकर बचत करें निवेश करें दोहराएँ नाम के एक फिनफ्लुएंसर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। इसमें इस फिनफ्लुएंसर ने बताया है कि सही तरीके से निवेश करने पर बिटकॉइन ने किसी को भी नुकसान नहीं दिया है। अपनी पोस्ट में फिनफ्लुएंसर ने कुछ साल के बिटकॉइन, सोना और एस एंड पी 500 (अमेरिकी शेयर मार्केट इंडेक्स) के रिटर्न का भी जिक्र किया है।

क्या बताया निवेश का फॉर्मूला ?

इस फिनफ्लुएंसर ने बिटकॉइन में ठीक उस प्रकार से निवेश करने की बात कही है, जैसे हम म्यूचुअल फंड में एसआईपी करते हैं। इसने बताया है कि एसआईपी के जरिए बिटकॉइन में निवेश करना फायदे का सौदा हो सकता है। फिनफ्लुएंसर ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'दिलचस्प बात यह है कि 4 वर्षों से ज्यादा तक बिटकॉइन में निवेश करने से किसी को भी घाटा नहीं हुआ। इससे भी अधिक दिलचस्प बात यह है कि बिटकॉइन एसआईपी निवेशक ने किसी भी समय सीमा में एस एंड पी 500 या गोल्ड से कम प्रदर्शन नहीं किया है।'

रिटर्न से समझाई बात

अपनी बात को समझाने के लिए फिनफ्लुएंसर ने बिटकॉइन के साथ गोल्ड और एस एंड पी 500 के रिटर्न के डेटा का सहारा लिया है। इसमें इसने बताया कि एक साल में जहां बिटकॉइन ने 164 फीसदी का रिटर्न दिया है तो वहीं गोल्ड ने 34 फीसदी और एस एंड पी 500 ने 24 फीसदी रिटर्न दिया है।

दुनिया से खत्म होगा तेल का खेल

ट्रंप के आगे खाड़ी देशों की सारी पॉलिसी होगी फेल

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जब से डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभाली है। तब से कच्चे तेल की कीमतों में 2 फीसदी की कटौती देखने को मिल चुकी है। मतलब साफ है कि अब अमेरिकी तेल की सप्लाई बढ़ेगी। इसके अलावा खाड़ी देशों के ऑयल प्रोड्यूसर्स के संगठन ओपेक और ओपक प्लस की सभी पॉलिसी इस मामले में फेल होंगी। इसका फायदा दुनिया के उन देशों को मिलेगा। जो अपनी जरूरत का 80 फीसदी कच्चा तेल इंपोर्ट करते हैं। इसमें भारत का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। मौजूदा समय में ओपेक ने कच्चे तेल की कीमतों को हाई रखने के लिए प्रोडक्शन में कटौती की हुई है। वहीं दूसरी ओर खाड़ी देशों की जियो पॉलिटिकल टेंशन की वजह से कच्चे तेल की सप्लाई में सेंध लगी हुई है। जिसकी वजह से कच्चे तेल के दाम 80 डॉलर के करीब बने हुए हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इस मामले में जानकारों का क्या कहना है? ग्लोबल पॉलिटिक्स के साथ-साथ ग्लोबल इकोनॉमी में डोनाल्ड ट्रंप की एंट्री हो चुकी है। उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि एक बार फिर से अमेरिकी में क्रूड ऑयल प्रोडक्शन को बूस्ट मिलेगा। इससे इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल की सप्लाई में इजाफा होगा। ग्लोबल ऑयल और गैस की कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी और भारतीय कंज्यूमर समेत दुनिया के उन तमाम देशों को को लाभ होगा, जो क्रूड ऑयल के इंपोर्ट पर ज्यादा निर्भर हैं। रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के सीईओ मुकेश सुराणा ने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा कि अगर राष्ट्रपति ट्रम्प वही करते हैं जो वह कहते रहे हैं, तो अमेरिका में ड्रिलिंग को बढ़ावा मिलेगा। शेल प्रोडक्शन तेजी से बढ़ाया जा सकता है और अमेरिका के पास बहुत सारे शेल रिसोर्स हैं। इससे अपस्ट्रीम में कैपिटल एक्सपेंडिचर का फ्लो बढ़ेगा और ग्लोबल सप्लाई में बढ़ोतरी होगी। सुराना ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि लॉन्ग टर्म में, हाई अमेरिकी ऑयल प्रोडक्शन "ग्लोबल ऑयल मार्केट को प्रबंधित करने वाली संस्था ओपेक+ की पॉवर कम होगी। बढ़े हुए अमेरिकी निर्यात से कुछ बाजारों में ओपेक+ की सप्लाई में भी इजाफा हो सकता है। इससे न केवल कीमतों में नरमी आएगी, बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे ओपेक+ और दूसरे प्रोड्यूसर्स को रणनीति में फिर से बदलाव करना पड़ सकता है। सोमवार को अपने उद्घाटन समारोह में ट्रंप ने एनर्जी को लेकर अपनी प्रायोरिटीज को सभी के सामने रखा था। उन्होंने कहा था कि हम कीमतें नीचे लाएंगे और पूरी दुनिया में अमेरिकी एनर्जी का एक्सपोर्ट करेंगे।दो दिनों में तेल की कीमतें करीब 2 डॉलर से 79 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई हैं।

यस बैंक के एटी-1 बॉन्ड को बट्टे खाते में डालने का मामला अलग बेंच के पास, आरबीआई व अन्य की है अपील

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एटी-1 बॉन्ड (अतिरिक्त टियर-1 बॉन्ड) पर भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य की याचिकाओं को एक दूसरी पीठ को भेज दिया। याचिका में बंबई उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें यस बैंक के प्रशासक की ओर से बेलआउट के तहत 8,415 करोड़ रुपये के बॉन्ड को बट्टा खाते में डालने के फैसले को रद्द कर दिया गया था। अतिरिक्त टियर 1 (एटी-1) बैंकों की ओर से अपने पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए जारी किए जाने वाले स्थायी बॉन्ड होते हैं। ये उच्च ब्याज दरों वाले पारंपरिक बॉन्ड की तुलना में अधिक जोखिम भरे होते हैं। अगर बैंक संकट में है तो आरबीआई बैंक से उन्हें रद्द करने के लिए कह सकता है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर चार याचिकाओं पर सुनवाई नहीं करेगी। बिना कोई कारण बताए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इन याचिकाओं पर अब एक सप्ताह बाद न्यायमूर्ति एएस ओका की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई करेगी। तत्कालीन सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ (अब सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाली पीठ ने 3 मार्च, 2023 को उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ आरबीआई और अन्य की आरे से दायर चार याचिकाओं पर एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज लिमिटेड को नोटिस जारी किया था।शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के उस आदेश के लागू होने पर रोक को भी बढ़ा दिया था, जिसमें मार्च 2020 में बेलआउट के हिस्से के रूप में 8,415 करोड़ रुपये के एटी -1 बॉन्ड को बट्टे खाते में डालने के यस बैंक प्रशासक के

फैसले को रद्द कर दिया गया था। 3 मार्च, 2023 को पहली सुनवाई के बाद मामलों को पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया। उच्च न्यायालय ने 20 जनवरी, 2023 को यस बैंक के 14 मार्च, 2020 के बांडों को बट्टे खाते में डालने के निर्णय को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि प्रशासक के पास ऐसा निर्णय लेने का अधिकार नहीं है।हालांकि, शीर्ष अदालत ने एटी-1 बांड निवेशकों को आश्वासन दिया था कि वह उनके सामने आ रही वित्तीय परेशानी का कोई न कोई समाधान निकालने की कोशिश करेगी। इससे पहले एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज लिमिटेड की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा था कि निवेश की गई धनराशि उनकी बिना किसी गलती के "शून्य" हो गई है। रोहतगी ने कहा था, बैंक के शीर्ष अधिकारियों ने ही बैंक को डुबोया...हमारा पैसा शून्य हो गया...हम टाटा-बिड़ला नहीं हैं। हम संस्थागत निवेशक हैं। कुछ लोगों ने अपनी मेहनत की कमाई निवेश की। हमने क्या गलत किया? हमें क्यों भुगतना चाहिए।आरबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और यस बैंक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा था कि एटी-1 बांड को बट्टे खाते में डालने का निर्णय होने के बाद पीएसयू बैंकों ने बेलआउट पर सहमति जताई और यस बैंक में धन डाला।

सेंसेक्स 566 अंक चढ़कर 76,404 पर बंद

निफ्टी में भी 130 अंक की बढ़त रही, आईटी और बैंकिंग शेयर्स में रही तेजी

मुंबई,22 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 22 जनवरी को बढ़त देखने को मिली है। सेंसेक्स 566 अंक की तेजी के साथ 76,404 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 130 अंक की तेजी रही, ये 23,155 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट देखने को मिली। आईटी, एफएमसीजी और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा बढ़त रही। वहीं मेटल और एनर्जी स्टॉक्स पर दबाव देखने को मिला।

एशियाई बाजारों में रहा मिला-जुला कारोबार

एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 1.58% और कोरिया के कोस्पी में 1.15% की तेजी रही। वहीं चीन के शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स में 0.89% की गिरावट देखने को मिली। एनएसई के डेटा के अनुसार, 21 जनवरी को विदेशी निवेशकों (एफआईआईएस) ने 5,920 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों (डीआईआईएस) ने 3,50 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। 21 जनवरी को अमेरिका का डाओ जोंस 1.24% की तेजी के साथ 44,025 पर बंद हुआ। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.88% चढ़कर 6,049 पर बंद हुआ। नैस्डैक इंडेक्स में 0.64% की तेजी रही।

आज से ओपन हुआ डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस का आईपीओ

डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आईपीओ आज यानी 22 जनवरी से ओपन हो गया है। निवेशक इस इश्यू में 24 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। 29 जनवरी को कंपनी के बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी टोटल 220.50 करोड़ जुटाना चाहती है। इसमें 75 लाख नए शेयर जारी होंगे।

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 21 जनवरी को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 1,235 अंक की गिरावट के साथ 75,838 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 320 अंक की गिरावट रही थी, ये 23,024 पर बंद हुआ था।

सोना पहली बार 80 हजार के पार:10 ग्राम की कीमत 80,194 हुई, जून तक 85 हजार पहुंच सकता है

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सोना आज यानी 22 जनवरी को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 741 रुपए बढ़कर 80,194 रुपए हो गया है। इससे पहले मंगलवार को इसके दाम 79,453 रुपए प्रति दस ग्राम थे। सोने ने पिछले साल 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं, चांदी की कीमत में भी आज तेजी है। ये 715 रुपए बढ़कर 91,248 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 90,533 रुपए पर थी। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 82,240 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 82,090 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 75,250 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 82,090 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 82,090 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 82,140 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 75,250 रुपये है।

क्या अडानी से अमीर हैं उनके होने वाले समधी जैमिन शाह? जानें क्या है कारोबार और कितनी है नेटवर्थ

नई दिल्ली,22 जनवरी (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की शादी की तैयारियां धूमधाम से चल रही हैं। जीत की शादी दिवा जैमिन शाह के साथ होगी। दोनों अहमदाबाद में 7 फरवरी को विवाह बंधन में बंधेंगे। गौतम अडानी के होने वाले समधी यानी दिवा के पिता का नाम जैमिन शाह है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अडानी और शाह के दोस्ताना संबंध काफी पुराने हैं।जैमिन शाह सूरत के बड़े डायमंड कारोबारी हैं। उनकी कंपनी का नाम सी दिनेश एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड है। इनकी कंपनी की स्थापना साल 1976 में हुई थी। कंपनी का हेडक्वार्टर मुंबई और सूरत में है। इनकी कंपनी देश-विदेश की कई कंपनियों को हीरे बेचती है। कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी टीम का विस्तार किया है। इसमें जिगर दोशी, अमित दोशी, जैमिन शाह आदि इसके दैनिक संचालन का प्रबंधन करते हैं।जैमिन शाह के पास कितनी संपत्ति है, इसके बारे में पब्लिक डोमेन में कोई जानकारी नहीं है। हालांकि अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ अलग-अलग बताई जा रही है।ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स में दुनिया के 500 अमीरों के नाम शामिल हैं। इसमें मुकेश अंबानी और गौतम अडानी समेत कई भारतीय कारोबारियों का भी नाम शामिल है। लेकिन इसमें जैमिन शाह का नाम नहीं है।

इस लिस्ट में अडानी 73.9 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के 21वें सबसे अमीर शख्स हैं। ऐसे में कह सकते हैं कि दौलत के मामले में अडानी अपने छोटे समधी से काफी आगे हैं।

हाई डेंसिटी सेब बगीचा लगाने के लिए लाखों रुपये की मदद देगी सरकार, ऐसे करें आवेदन

शिमला,22 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के बागवानों को अच्छे रंग और आकार के सेब उगाने के लिए सरकार लाखों की मदद करेगी। एमआईडीएच (एकीकृत बागवानी विकास मिशन) में बागवानों को एचडीपी (हाई डेंसिटी पौधरोपण) स्पोर्ट सिस्टम के साथ लगाने पर 5 से 7.50 लाख तक अनुदान मिलेगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से जारी ताजा दिशा-निर्देशों में वाणिज्यिक महत्व की बागवानी फसलों में एचडीपी को पहली बार शामिल किया गया है। हिमाचल में बागवान बड़े पैमाने पर सेब की परंपरागत खेती के स्थान पर एचडीपी को अपना रहे हैं। योजना में बागवानों को पहले साल में 60 फीसदी अनुदान और दूसरे साल में 40 फीसदी अनुदान मिलेगा। हालांकि दूसरे साल अनिवार्य तौर पर 80 फीसदी सर्वाइकल रेट (उत्तरजीविता दर) की शर्त लगाई गई है ताकि बागवान नया बगीचा लगाने में पूरी मेहनत करे और महज अनुदान

के लिए आवेदन न करे। फेजना के तहत न्यूनतम 2222 पौधे प्रति हेक्टेयर का बगीचा स्पोर्ट सिस्टम के साथ लगाने के लिए 5 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से अधिकतम दो हेक्टेयर के लिए अनुदान मिलेगा। इसके अलावा 3333 पौधे प्रति हेक्टेयर का अल्ट्रा एचडीपी बगीचा स्पोर्ट सिस्टम के साथ लगाने के लिए 7.50 लाख प्रति हेक्टेयर की दर से अधिकतम दो हेक्टेयर के लिए अनुदान दिया जाएगा। बागवानों को यह अनुदान रोपण सामग्री (पौधों की खरीद) और अन्य इनपुट लागत (स्पोर्ट सिस्टम) पर होने वाले खर्च की एवज में दिया जाएगा। योजना में प्रति बीघा के हिसाब से करीब 26,000 रुपये अनुदान मिलेगा। बागवानी विभाग के ई-उद्यान पोर्टल पर एमआईडीएच लिंक के माध्यम से बागवान अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के बाद विभाग की और से जांच की जाएगी और दिशा-निर्देशों के आधार पर पर अनुदान के लिए पात्र हो सकेंगे। मड़ावग के बागवान दीपक बरागटा का कहना है कि एचडीपी पर नया बगीचा लगाने वालों को इस योजना से बड़ी राहत मिलेगी। एचडीपी बगीचा लगाने की लगात बहुत अधिक है। अगर ऋण लेकर भी बगीचा लगाया जाए तब भी 5 से 7.50 लाख अनुदान से लाभ मिलेगा। रोहड़ू के स्पैल शैली के बागवान संजीव जामटा के अनुसार सरकार अगर एचडीपी को प्रोत्साहन देना चाहती है तो कुल लागत का 50 फीसदी तक अनुदान दिया जाए, हलांकि एमआईएचडी में लागू अनुदान से भी राहत मिलेगी। एकीकृत बागवानी विकास मिशन में पहली बार से के एचडीपी बगीचे के लिए 5 से 7.50 लाख के अनुदान का प्रावधान किया गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	मे	मकर...	06-17 बजे
चंद्र-	तुला	मे	कुंभ...	08-08 बजे
मंगल	कर्क	मे	मीन...	09-46 बजे
बुध-	धनु	मे	मेष...	11-22 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृष...	13-07 बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	मिथुन	15-08 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कर्क..	17-19 बजे
राहु-	मीन	मे	सिंह...	19-32 बजे
केतु-	कन्या	मे	कन्या...	21-40 बजे
			तुला....	23-44 बजे
			वृश्चिक..	01-53 बजे
			धनु.....	04-07 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणं • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-53
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. -18-02
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी . 17-37 तक उपरान्त दशमीं
मास - माघ कृष्ण ,गुरुवार 23 January
नक्षत्र - विशाखा 05-08 दिन रात तक
योग - गण्ड 05-06 दिन रात तक
करण- गर 17-37 तक उप वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - नेता जी सुभाषचंद्र बोस ज.

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:52 से 15:17 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:53 - 08:15 शुभ	अमृत	18:02 - 19:41 शुभ
रोग	08:15 - 09:39 अशुभ	चंचल.	19:41 - 21:17 शुभ
उत्पात	09:39 - 11:04 अशुभ	रोग.	21:17 - 22:52 अशुभ
चंचल	11:04 - 12:28 शुभ	काल.	22:52 - 00:28 अशुभ
लाभ.	12:28 - 13:52 शुभ	लाभ.	00:28 - 02:04 शुभ
अमृत..	13:52 - 15:17 शुभ	उत्पात	02:04 - 03:39 अशुभ
काल.	15:17 - 16:41 अशुभ	शुभ.	03:39 - 29:15 शुभ
शुभ	16:41 - 18:02 शुभ	अमृत	05:15 - 06:53 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)

आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा । कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपके करियर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेगी । आय में भी वृद्धि की संभावना है। आपको अपने करियर को आगे ले जाने के लिए समर्पण और ध्यान को बढ़ाने की जरूरत है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे है , साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो काफी भरोसेमंद है और पुरस्कार से भरपूर भी परन्तु इस तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है । आपके वित्त एवं धन की स्थिति में अचानक परिवर्तन आ सकता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

ये समय अपने सहकर्मियों का उत्साह बढ़ाने का समय है ! आप कुछ कठिन कार्य के लिए प्रयासरत है जिसमे आपके जूनियर या आपसे निचले क्रम के सहकर्मी आपका समर्थन करेंगे और आपके सच्चे समर्थक होंगे । इसलिए उन्हें खुश रखे ! जो लोग अपने कार्यालय में अग्रणी स्थिति या उच्च पद पर है , उन लोगों के लिए बेहतर करियर के अवसर आज आ सकते है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी । यह एक जोखिम भरा कदम हो सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

अवलोकन और विश्लेषण की आपकी शक्ति आज अपने चरम पर होगी अतः अगर आप किसी भी नौकरी में हैं और अगर इन कौशल की आवश्यकता है , तो आज सफलता आपके कदम चूमेगी । वैज्ञानिकों , जांचकर्ताओं और शोधकर्ताओं के लिए आज एक उपयोगी दिन होगा । आज आप रचनात्मक और निष्कपट तरीके से अपने कार्यस्थल पर समस्याओं का हल खोजेंगे जो की आपके कार्यालय में सराहा जायेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चो को करना चाहते थे । यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है के लिए किसी छोटी सी पार्टी का अयोजन कर सकते है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खूबसूरत चीज से प्रभावित होंगें । इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता है ।आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा ।आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं ,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे और इससे कार्यस्थल पर भी माहौल खुशनुमा रहेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं । हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा । आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं । जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है ,अपने ऊपर थोडा सा नियंत्रण रखें क्योंकि आपके कार्यकलापों को गलत भी समझा जा सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज फैसला लेने का दिन है । आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं । आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे । लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए । ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा?अपने दिल की बात सुनें,इससे आपको लाभ होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नक्सल ऑपरेशन की इनसाइड स्टोरी

कैसे 1000 जवानों ने घेरकर नक्सलियों का किया काम तमाम

रायपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की। 19 जनवरी की रात शुरू हुए इस ऑपरेशन में अब तक 27 नक्सली मर चुके हैं, जिनमें 1 करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपति भी शामिल है। डीआरजी, सीआरपीएफ, कोबरा और एसओजी के जवानों ने मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। ड्रोन की मदद से नक्सलियों पर नज़र रखी गई और दुर्गम इलाके में घेराबंदी कर जवानों ने उन्हें मार गिराया।

खुफिया जानकारी पर एक्शन की तैयारी

यह ऑपरेशन ओडिशा की सीमा से लगे कुल्हाड़ी घाट रिजर्व वन में चलाया गया। खुफिया जानकारी मिली थी कि वहां नक्सली छिपे हुए हैं। 19 जनवरी की रात को डीआरजी, सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ के कोबरा कमांडो और ओडिशा के एसओजी के जवानों ने संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। यह इलाका बेहद दुर्गम है, जहां पहाड़ और घने जंगल हैं। रास्ते भी ठीक नहीं हैं। जवानों को तीन किलोमीटर की सीधी चढ़ाई चढ़नी पड़ी।

आईईडी, गोला-बारूद समेत मिला ये सामान

सोमवार को हुई मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गईं। वहाँ से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और आईईडी भी बरामद हुए। एक सेल्फ-लोडिंग राइफल भी मिली। इसके बाद छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर ही मैनपुर थाना क्षेत्र के भालू डिग्गी में सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह फिर गोलीबारी हुई। इसमें 20 से ज़्यादा नक्सली मारे गए।

भालू डिग्गी का जंगली इलाका बहुत ही दुर्गम है। पहाड़ी इलाका है और कोई पक्का रास्ता नहीं है। तीन किलोमीटर की सीधी चढ़ाई के बाद जवानों का सामना लगभग 60 नक्सलियों से हुआ। पहले सुरक्षाबलों ने 15-20 किलोमीटर के इलाके को घेर रखा था। लेकिन बाद में नक्सली 3 किलोमीटर के दायरे में सिमट गए। भालू डिग्गी के जंगल में 1000 जवानों ने करीब 60 नक्सलियों को घेर लिया। 200 जवानों की बैकअप पार्टी भी भेजी गई। ड्रोन से भी नक्सलियों पर नज़र रखी जा रही थी।

इस मुठभेड़ में एक एसओजी जवान के पैर में गोली लगी। उसे एयरलिफ्ट करके रायपुर लाया गया। जवानों ने अपनी बहादुरी के साथ-साथ सूझबूझ और तकनीक का भी इस्तेमाल किया। ड्रोन की मदद से नक्सलियों को निशाना बनाया गया। इससे न सिर्फ़ ज़्यादा संख्या में नक्सली मारे गए, बल्कि उनके बड़े लीडर भी ढेर हो गए। गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने बताया कि मारे गए नक्सलियों में एक जयराम उर्फ चलपति है। वह भाकपा (माओवादी) का केंद्रीय समिति सदस्य था और उस पर एक करोड़ रुपये का इनाम था।

डॉग स्क्वॉयड की टीम कर रही सर्चिंग

इस ऑपरेशन के बाद आसपास के इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। कुल्हाड़ी घाट से 5 किलोमीटर दूर भालू डिग्गी के आसपास डॉग स्क्वाड भी चेकिंग कर रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर सुरक्षा बलों की तारीफ की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी सुरक्षाबलों की तारीफ की।

2025 के पहले महीने में अब तक 40 नक्सली ढेर

इस साल छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में 40 नक्सली मारे गए हैं। 16 जनवरी को बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया था। माओवादियों ने बाद में एक बयान में स्वीकार किया कि 16 जनवरी की मुठभेड़ में 18 नक्सली मारे गए थे। पिछले साल छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षा बलों ने 219 नक्सलियों को मार गिराया था।

निकाय-पंचायत चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू

पार्षद, मेयर, अध्यक्ष पदों के लिए भरे जाएंगे पर्चे भाजपा-कांग्रेस से अब तक प्रत्याशी तय नहीं

अंबिकापुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के लिए आज (बुधवार) से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। निगम के लिए नामांकन कलेक्ट्रेट में दाखिल किए जाएंगे। हालांकि अब तक भाजपा और कांग्रेस दोनों प्रमुख दलों ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। नामांकन की अंतिम तिथि 28 जनवरी निर्धारित की गई है।

नामांकन सुबह 10.30 बजे दोपहर 3 बजे तक होगा। इस दौरान पार्षद, महापौर और अध्यक्ष पदों के लिए नामांकन लिए जाएंगे। इस बार चुनाव में मेयर पद के दावेदार अधिकतम 25 लाख रुपए खर्च कर सकेंगे। वहीं, पंचायतों में चुनाव बैलेट पेपर से होगा।

आज से नामांकन पत्रों की बिक्री और नामांकन जमा करने का क्रम शुरू हो जाएगा। 28 जनवरी तक जमा हुए नामांकन पत्रों की जांच 29 जनवरी को होगी। 31 जनवरी को नाम वापसी के बाद चुनाव चिन्ह का आवंटन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में आचार संहिता लागू हो गई है। निकाय चुनाव 11 फरवरी को होंगे। वहीं 15 फरवरी को नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत के नतीजे आ जाएंगे। इस बार नगरीय निकाय के चुनाव ईवीएम से ही होंगे। वहीं 3 चरण में 17, 20 और 23 फरवरी को पंचायत चुनाव के लिए मतदान होगा। इसके नतीजे 18, 21 और 24 फरवरी को आएंगे।

अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र के महापौर पद के लिए न्यायालय अपर कलेक्टर कक्ष में रिटर्निंग ऑफिसर अपर कलेक्टर सुनील कुमार नायक की ओर से नामांकन लिया जाएगा। वहीं पार्षद के लिए वार्ड क्र. 1 से वार्ड क्र. 12 तक, न्यायालय तहसीलदार कक्ष अंबिकापुर में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर अपर कलेक्टर राम सिंह ठाकुर की ओर से नामांकन जमा किया जाएगा।

पार्षद वार्ड क्र. 13 से वार्ड क्र. 24 तक, न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी कक्ष अंबिकापुर में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एसडीएम फागेश सिन्हा की ओर से नामांकन लिया जाएगा।

पार्षद वार्ड क्र. 25 से वार्ड क्र. 36 तक तक न्यायालय नजूल अधिकारी कक्ष में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर डिप्टी कलेक्टर देव सिंह उईके की ओर से नाम निर्देशन पत्र लिए जाएंगे। पार्षद वार्ड क्र. 37 से वार्ड क्र. 48 तक के लिए शिकायत शाखा कक्ष में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर आयुक्त नगर पालिक निगम डीएन कश्यप की ओर से नाम निर्देशन पत्र लिए जाएंगे।

अपर-कलेक्टर के बेटे की डैम में डूबने से मौत

दिल्ली से छुट्टी मनाने आया था रायगढ़, स्पीकर निकालने पानी में उतरा, तभी गहराई में समाया

रायगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के टीपाखोल डैम में बालोद के अपर कलेक्टर अजय लकड़ा के बेटे की डूबने की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक दिल्ली से छुट्टी मनाने के लिए रायगढ़ आया था। अपने 2 दोस्तों के साथ डैम घूमने गया था।

मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक अपर कलेक्टर के बेटे का नाम जॉय लकड़ा (25) है। वह दिल्ली में रहकर कॉलेज की पढ़ाई करता था। मंगलवार रात करीब साढ़े 8 बजे डैम में तीनों दोस्त ब्लूटूथ स्पीकर से गाना सुन रहे थे, तभी स्पीकर पानी में गिर गया। उसे निकालने के लिए जॉय पानी में उतरा था। इस दौरान जॉय डूबने लगा। दोस्त नवशीश शिंदे और शिवाशिष शिंदे ने बचाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। जॉय को और उसके दोनों दोस्तों को भी तैरना नहीं आता था। दोस्तों ने तत्काल कोतरा रोड पुलिस को जानकारी दी। पुलिस अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंची।

जिला कमांडेट ब्लासियुज कुजूर ने बताया कि रात में करीब साढ़े 10 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया, जो सुबह 3 बजे तक रेस्क्यू चला, लेकिन जॉय का कुछ पता नहीं चला। इसके बाद फिर सुबह 6 बजे से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब 1 घंटे के बाद वह जहां गिरा था, वहीं गहराई में उसकी डेडबॉडी मिली। कोतरा रोड थाना प्रभारी त्रिनाथ त्रिपाठी ने बताया कि मृतक के पिता बालोद में अपर कलेक्टर हैं। वहीं जॉय की मां अनिता लकड़ा जिंदल स्कूल में शिक्षिका हैं। डेडबॉडी मिलने के बाद लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि 1 जनवरी को भी टीपाखोल में एक हादसा हुआ था, जिसमें डैम में वोटिंग के दौरान तेज रफ्तार नाव बेकाबू होकर पलट गई थी।

नाव में बैठे पति-पत्नी और उनका बच्चा गिर गया था, लेकिन लाइफ जैकेट पहने होने के कारण वह बाल बाल बच गए थे। बाद में दूसरी नाव से सुरक्षित किनारे लाया गया था।

नाबालिग से गैंगरेप फिर परिवार के तीन सदस्यों की हत्या

कोर्ट ने पांच आरोपियों को दी फांसी की सजा

कोरबा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की एक अदालत ने रेप के आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई है। पहाड़ी कोरवा जनजाति की 16 वर्षीय एक बालिका से सामूहिक बलात्कार करने और उसके समेत परिवार के तीन सदस्यों की हत्या कर देने के जुर्म में पांच लोगों को फांसी की और एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार मिश्रा ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश ममता भोजवानी की अदालत ने रेप और हत्या के मामले में यह सजा सुनाई है। उन्होंने बताया कि 16 वर्षीय बच्ची के साथ रेप के बाद उसकी और उसके परिवार के दो लोगों की हत्या कर दी थी। इस मामले में संतराम मंझवार, अनिल कुमार सारथी, आनंदराम पनिका, परदेशी राम तथा अब्दुल जब्बार को फांसी की सजा सुनाई है। अदालत ने इस मामले के अन्य अभियुक्त उमाशंकर यादव को आजीवन कारावास की सुनाई है। अदालत ने यह फैसला सुनाते हुए कहा है कि अभियुक्तों द्वारा अमानवीय एवं निर्दयता पूर्वक किया गया यह कृत्य अत्यधिक विकृत, वीभत्स, पाशविक एवं कायरतापूर्ण है।

मासूम बच्ची के साथ किया था गैंगरेप

मिश्रा ने बताया कि 29 जनवरी 2021 को जिले में लेमरू थाना क्षेत्र के गढ़ उपरोडा गांव में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह कोरवा के एक परिवार के तीन सदस्यों की हत्या का मामला सामने आया था। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपियों ने परिवार की 16 वर्षीय एक बालिका, उसके पिता और लगभग चार वर्षीय भतीजी को जंगल में ले जाकर पत्थरों से कुचलकर मार डाला था तथा इससे पहले उन्होंने 16 वर्षीय बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। मिश्रा ने बताया कि पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ था कि मुख्य आरोपी संतराम मंझवार ने 16 वर्षीय बालिका को अपनी दूसरी पत्नी बनाने के लिए दबाव डाल रहा था। संतराम ने पीड़ित परिवार को अपने यहां काम पर रखा था। विशेष लोक अभियोजक के मुताबिक जब बालिका के परिवार ने मंझवार के प्रस्ताव का विरोध किया तब संतराम ने अपने पांच साथियों के साथ मिलकर तीन लोगों की हत्या कर दी तथा ऐसा करने से पहले उन्होंने 16 वर्षीय बालिका के साथ सामूहिक बलात्कार किया था।

मिश्रा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था और यह मामला अदालत में पेश किया था।

उन्होंने बताया कि अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि अभियुक्तों द्वारा अमानवीय एवं निर्दयता पूर्वक किया गया यह कृत्य अत्यधिक विकृत, वीभत्स, पाशविक एवं कायरतापूर्ण है, क्योंकि उन्होंने अपनी वासना को पूरा करने के लिए तीन निर्दोष और कमजोर व्यक्तियों की हत्या की है। अदालत ने कहा कि इससे संपूर्ण समाज की सामूहिक चेतना को आघात पहुंचा है।

अदालत ने कहा है कि अभियुक्तों द्वारा एक ही आदिवासी परिवार के तीन सदस्यों की हत्या की गई तथा 16 साल की बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया तथा जिनकी हत्या की गयी उनमें 16 वर्ष की एक बच्ची, साढ़े तीन साल की एक बच्ची और लगभग 60 वर्षीय एक वृद्ध पुरुष शामिल है, इसलिए आजीवन कारावास के सामान्य नियम की अपेक्षाकृत मृत्युदंड के अपवाद का चयन करने के अतिरिक्त इस न्यायालय के पास और कोई विकल्प नहीं बचा है।

धनखड़ बोले- यूसीसी लागू किया जाना चाहिए

उपराष्ट्रपति ने कहा- लाखों घुसपैठिए रह रहे, जनसंख्या विस्फोट-धर्मांतरण राष्ट्रीयता के लिए खतरा

रायपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत में अवैध प्रवासियों की समस्या अब अराजकता के रूप में सामने आ रही है। हमारे राष्ट्रीयता के लिए जनसंख्या विस्फोट और धर्म परिवर्तन की योजनाबद्ध कोशिशें एक गंभीर खतरे के रूप में उभर रही हैं। यूसीसी को लागू किया जाना चाहिए। हमें केवल चुनावी गणनाओं के संकुचित दृष्टिकोण से प्रभावित नहीं होना चाहिए।

धनखड़ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई, और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) रायपुर के छात्रों से बेहतर भारत बनाने के विचार कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर पहुंचे थे।

मंगलवार शाम आयोजित कार्यक्रम में उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, 'हम इस देश में इलीगल माइग्रेशन (अवैध प्रवासियों) से पीड़ित हैं, जो लाखों की संख्या में है। अगर आप इनकी संख्या गिनने जाएं तो यह चौंका देने वाली होगी, यह अब एक नासूर बन चुका है। यह एक ऐसी समस्या बन चुकी है जिसे हमें संभालना होगा क्योंकि यह अब अराजकता की दिशा में बढ़ रही है।' उपराष्ट्रपति ने मंच से खुले तौर पर कहा कि 'कोई भी देश लाखों अवैध प्रवासियों को सहन नहीं कर सकता, जिसका हमारे चुनावी तंत्र पर प्रभाव डालने की क्षमता है। वे आसानी से समर्थन प्राप्त कर लेते हैं। जब लोग छोटी-छोटी राजनीति में सोचते हैं, तो हमें हमेशा राष्ट्र को पहले रखना चाहिए। देश में अवैध प्रवासी का कोई औचित्य नहीं हो सकता। अगर यह लाखों में है, तो इसके हमारे अर्थव्यवस्था पर प्रभाव को देखें। ये हमारे संसाधनों, रोजगार, स्वास्थ्य क्षेत्र, और शिक्षा क्षेत्र पर दबाव डालते हैं। अवैध प्रवासियों की इस विशाल समस्या का समाधान में अब और देर नहीं की जा सकती। हमें इस समस्या से निपटने की जरूरत है।'

उपराष्ट्रपति ने कहा- 'हमारे राष्ट्रीयता के लिए जनसंख्या विस्फोट एक गंभीर खतरे के रूप में उभर रहा है। सामान्य रूप से होने वाला जनसंख्या विकास शांति और सामंजस्यपूर्ण होता है, लेकिन अगर जनसंख्या विस्फोट केवल लोकतंत्र को अस्थिर करने के लिए हो, तो यह एक चिंता का विषय बन जाता है। फिर धर्मांतरण की योजनाबद्ध कोशिशें होती हैं, जो प्रलोभन के माध्यम से देश की जनसंख्या को बदलने का उद्देश्य रखती हैं।' जगदीप धनखड़ ने कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) जो की एक संवैधानिक जिम्मेदारी है उसका विरोध किया जाता है। ये तो संविधान के निर्देशात्मक सिद्धांतों में है। शासन पर यह दायित्व डाला गया है कि कानून लाए, यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करें। एक राज्य, उत्तराखंड ने इसे लागू किया है।

हम संविधान में लिखी किसी चीज का विरोध कैसे कर सकते हैं? जो हमारे संविधान का हिस्सा है? हमें केवल चुनावी गणनाओं के संकुचित दृष्टिकोण से प्रभावित नहीं होना चाहिए।

महाकुंभ में आर्ट ऑफ लिविंग के कैम्प का उद्घाटन

1 फरवरी से 5 फरवरी तक महाकुंभ में पहुंचेंगे श्री श्री रवि शंकर

प्रयागराज, 22 जनवरी (एजेंसियां)। गत 15 जनवरी को आर्ट ऑफ लिविंग संस्था ने बजरंगदास मार्ग-सेक्टर 8 महाकुंभ नगर में कैम्प का उद्घाटन किया जिसमें महाकुंभ में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के ठहरने और निःशुल्क भोजन की उचित व्यवस्था की गई है। कैम्प का उद्घाटन गुरु पूजा, ध्यान एवं सत्संग से किया गया।

आर्ट ऑफ लिविंग प्रयागराज के प्रमुख सदस्य विनय गोयल ने बताया कि कैम्प में आगंतुकों की सुविधाओं का पूरी तरह ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु कैंप से केवल 800 मीटर की दूरी पर गंगा स्नान कर सकेंगे । विनय गोयल ने बताया कि लोगों के ठहरने के लिए डॉरमेट्री, डीलक्स और सुपर लक्जरी कॉटेज की व्यवस्था की गई है और एक विशाल सत्संग सभागार भी बनाया गया है जिसमें श्रद्धालु प्रतिदिन मौन, ध्यान साधना और वैदिक पूजाओं में भाग ले सकते हैं। कैम्प में आगामी 22 जनवरी से आर्ट ऑफ लिविंग के स्वामी दिव्यानंद श्रीमद भागवद महापुराण का प्रवचन भी करेंगे। इस सभागार में प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक सत्संग, गुरुपूजा और रुद्रपूजा का आयोजन किया जाता है, जिसमें श्रद्धालु हर दिन बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं।

संस्था की स्थानीय प्रबंधन समिति के सदस्य स्वामी वैशम्पायन ने बताया कि कैंप में गत 13 जनवरी से श्री श्री तत्त्व द्वारा निःशुल्क नाड़ी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सक लोगों को नाड़ी परीक्षण द्वारा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दे रहे हैं। लोग आगामी 26 फ़रवरी तक अनुभवी चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी सलाह ले सकते हैं। इस दौरान

वहा आयुर्वेदिक दवाइयों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है जहाँ से लोग आवश्यक दवाईयाँ खरीद सकेंगे।

विनय गोयल ने गुरुदेव के महाकुंभ दौरे की जानकारी साझा करते हुए बताया कि गुरुदेव 1 फरवरी से 5 फरवरी तक महाकुंभ में सम्मिलित होंगे। इस दौरान गुरुदेव की उपस्थिति में विश्व के 180 देशों से आर्ट ऑफ लिविंग के हजारों श्रद्धालु तीर्थराज प्रयाग पहुंच रहे हैं, जो महाकुंभ में दिव्य गंगा स्नान के साथ मौन, ध्यान, सुदर्शन क्रिया और सत्संग का अनुभव करेंगे।

गुरुदेव ने महाकुंभ की व्यवस्था पर चर्चा करते हुए राज्य और केंद्र सरकार की सराहना की और कहा, जिस तरह से इतनी बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा की गई व्यवस्थाए वास्तव में आश्चर्यजनक और अद्वितीय हैं। यह विश्व के लिए एक अध्ययन का विषय है। पूरी दुनिया भारत की क्षमता पर चकित है, जो इतने विशाल महाकुंभ को इतनी सहजता से आयोजित कर रहा है।

महाकुंभ में देश-विदेश से पहुंचने वाले करोड़ों श्रद्धालु और साधक कैम्प में आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा प्रस्तुत 'आदि शंकराचार्य सीरीज' के माध्यम से सनातन धर्म को पुनःस्थापित करने वाले जगतगुरू आदि शंकराचार्य की फिल्म भी देख सकेंगे।

भाजपा कार्यालय के सामने फायरिंग मामले में एफआईआर

14 वर्षों से फरार शशि सिंह और नवीन सिंह पर मामला दर्ज, हर्ष और एकलव्य को क्लीनचिट

धनबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद स्थित झरिया के कतरास मोड़ स्थित भाजपा कार्यालय के सामने एक कमरे के दरवाजे पर 10 जनवरी को हुई फायरिंग की घटना के 11वें दिन झरिया थाने में प्राथमिकी दर्ज हुई है। घटना की लिखित शिकायत भाजपा की झरिया विधायक रागिनी सिंह ने थाने में की थी। उसमें हर्ष सिंह और एकलव्य सिंह पर शशि सिंह और नवीन सिंह को हत्या कराने की मंशा से भेजने का आरोप लगाया था। सुरेश सिंह के हत्याकांड में आरोपी शशि सिंह पिछले 14 वर्षों से कानून की नजर में फरार हैं। वो रामाधीर सिंह के पुत्र हैं।

शिकायत के बाद थाने के एक पुलिस अधिकारी से मामले से जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट के बाद मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज हुई। रिपोर्ट में जांच अधिकारी ने एकलव्य सिंह और हर्ष सिंह को क्लीनचिट देते हुए शशि सिंह और नवीन सिंह उर्फ रतीश को आरोपी बताया।

जांचकर्ता ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एकलव्य और हर्ष की संलिप्तता नहीं मिली है। वहीं, रिपोर्ट के आधार पर शशि सिंह और नवीन सिंह के खिलाफ झरिया थाने में आर्म्स एक्ट और अन्य धाराओ में एफआईआर दर्ज की गई है। घटना के बाद झरिया थाने के दारोगा प्रदीप कुमार लकड़ा को जांच अधिकारी बनाया गया था। लकड़ा ने जांच के बाद रिपोर्ट थाना प्रभारी को सौंप दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि रागिनी सिंह ने फायरिंग किए जाने की शिकायत पुलिस से की थी।

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक एसआईटी को मिले 54 सबूत

रांची, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले में आज झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस एमएस रामाचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की बेंच में सुनवाई हुई। जहां सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि मामले में सीआईडी जांच जारी है। मोबाइल सहित कुछ डिजिटल साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है। जिसकी रिपोर्ट के लिए चार सप्ताह का समय लगेगा।

इसके बाद अदालत ने सरकार को चार हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट देने की बात की। वहीं अगली सुनवाई 26 मार्च निर्धारित की। वहीं रिजल्ट प्रकाशित करने पर रोक जारी रखी। सुनवाई के दौरान जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पक्ष रखा। वहीं प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने बहस की। वहीं जांच कर रही एसआईटी को अब तक कुछ ठोस सबूत नहीं मिले हैं। परीक्षा के पेपर लीक हुए हैं या नहीं इसे लेकर पुख्ता जानकारी अब तक हाथ नहीं लग सकती है। इस बीच एसआईटी के पास 54 अलग-अलग सबूत आए हैं। दरअसल एसआईटी ने विज्ञापन जारी कर पेपर लीक से संबंधित सबूत देने का आग्रह आमलोगों से किया था। इसके बाद कुल 54 सबूत टीम को मिले। इसमें से 30 सबूत वाट्स एप के जरिए और 24 शिकायतें इ-मेल के जरिए मिली हैं। अब तक की जांच में जो चौंकाने वाली बात सामने आई है, वो यह है कि इस परीक्षा का शक के दायरे में लाने के लिए साजिश रची गई। शिकायतकर्ताओं की ओर से सीआईडी की एसआईटी को पांच मोबाइल दिए गए। इन सभी मोबाइल को एफएसएल जांच के लिए दिया गया है। अभी जो बातें सामने आई हैं, उसके मुताबिक मोबाइल का समय बदल कर पेपर लीक से जुड़ी तस्वीरों की टाइमलाइन बदलकर बनाई गई थी। जांच में शामिल अधिकारियों की मानें तो शिकायतकर्ताओं से पूछताछ की गई। छात्रों से यह सवाल किया गया कि जिस युवक के हाथ में लीक हुआ पेपर था, उसका मोबाइल में फोटोग्राफ क्यों नहीं है, लेकिन छात्रों के पास इसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं था। एसआईटी ने इस बात को संदिग्ध माना और मामले की गहराई से जांच जारी है। वहीं एसआईटी ने मामले की जांच के लिए जब्त किए गए मोबाइल को एफएसएल भेज दिया है। वहां से रिपोर्ट आने के बाद ही मामले में कुछ ठोस कार्रवाई की जा सकेगी। बता दें कि हाईकोर्ट के आदेश पर एसआईटी द्वारा जांचा जा रहा है।

बाइक सवार तीन बदमाशों ने साइट इंजीनियर को मारी गोली

फोरलेन पुल निर्माण स्थल पर हमला, जख्मी रिम्स रेफर

लातेहार, 22 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार जिले में बुधवार को अपराधियों का आतंक देखने को मिला। मनिका थाना क्षेत्र के दोमुहाना नदी पर निर्माणाधीन फोरलेन पुल के साइट पर बाइक सवार तीन बदमाशों ने दिनदहाड़े फायरिंग की।

इस हमले में साइट इंजीनियर दीपांकर को पैर में गोली लग गई। घटना की सूचना मिलते ही मनिका थाना के एसआई सत्येंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। घायल इंजीनियर को सहकर्मियों ने तत्काल मनिका अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। भारत वाणिज्य प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दोमुहाना नदी पर फोरलेन पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन से 2.16 करोड़ का घोटाला

एजेंसी के कर्मचारियों ने फर्जी रसीद देकर किया गबन, दोनों आरोपी फरार

पलामू, 22 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गढ़वा जिले के नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन में बड़ा घोटाला सामने आया है। टिकट बिक्री से प्राप्त 2 करोड़ 16 लाख 12 हजार 267 रुपए की राशि का गबन कर लिया गया। यह मामला रेलवे के बैंक खाते के स्टेटमेंट की जांच के दौरान प्रकाश में आया।

स्टेशन से बैंक तक पैसा पहुंचाने वाली एजेंसी राईटर सेफ गार्ड लिमिटेड (डब्ल्यूएसजी) के दो कर्मचारियों अजय कुमार गुप्ता और प्रेमचंद्र प्रजापति पर गबन का आरोप है। दोनों आरोपी भवनाथपुर थाना क्षेत्र के कोनमंडरा गांव के निवासी हैं और वर्तमान में फरार हैं।

जांच में पता चला कि वर्ष 2023 में एजेंसी के कर्मचारी टिकट बिक्री से प्राप्त राशि को रेलवे के खाता संख्या 32595570076 में जमा नहीं कर रहे थे।

इसके बजाय वे स्टेशन प्रबंधक को फर्जी जमा रसीदें थमा देते थे। धनबाद रेल मंडल में राजस्व की कमी की शिकायतों के बाद जब सभी स्टेशनों की जांच की गई, तब यह घोटाला सामने आया।

स्टेशन प्रबंधक संतोष कुमार ने दोनों आरोपियों के खिलाफ नगर ऊंटारी थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक के अनुसार मामले की जांच शुरू कर दी गई है और स्टेशन के अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थल का निरीक्षण कर चुके हैं।

यूक्रेन जंग पर ट्रम्प की पुतिन को चेतावनी

कहा– बातचीत को तैयार नहीं हुए तो रूस पर प्रतिबंध लगाएंगे, बोले– हर समय मिलने को तैयार

वॉशिंगटन, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन जंग के मुद्दे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को चेतावनी दी है। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा अगर पुतिन जंग पर बातचीत के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो अमेरिका रूस पर प्रतिबंध लगाएगा। उन्होंने कहा कि वे हर समय पुतिन से बातचीत और व्यक्तिगत तौर पर मिलने के लिए तैयार हैं।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन में जंग कभी शुरू ही नहीं होनी चाहिए थी, यहां भयंकर स्थिति है, लाखों लोग मारे जा रहे हैं।

उन्होंने कहा- अगर अमेरिका में एक सक्षम राष्ट्रपति होता, तो यह जंग कभी नहीं होती। अगर मैं राष्ट्रपति होता, तो ऐसा नहीं होता। ट्रम्प ने दावा किया कि उनके कार्यकाल में रूस ने यूक्रेन पर हमला करने की हिम्मत नहीं की थी।

यूक्रेन को अमेरिका से होने वाली हथियारों की सप्लाई पर ट्रम्प ने कहा कि वो इसकी समीक्षा कर रहे हैं। ट्रम्प ने बताया कि वो यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं। ट्रम्प जल्द ही पुतिन से भी बात करेंगे।

दूसरी तरफ ट्रम्प ने यूरोपीय यूनियन पर अमेरिका की तुलना में यूक्रेन को कम वित्तीय सहायता देने का आरोप लगाया। ट्रम्प ने कहा कि हम यूक्रेन के लिए 200 अरब डॉलर दे रहे हैं। यूरोप को हमसे ज्यादा खतरा है, फिर वे कम मदद दे रहे हैं।

ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति से अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जेलेंस्की शांति चाहते हैं। इसके लिए रूस और यूक्रेन, दोनों पक्षों को बातचीत करनी होगी। दोनों में सहमति होना जरूरी है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को यूक्रेन जंग को खत्म करने और नए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से संबंधों को लेकर बातचीत की।

जिनपिंग और पुतिन ने वीडियो कॉल के जरिए एक घंटे 35 मिनट तक बातचीत की। दोनों ने रूस और चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का प्रस्ताव भी रखा। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया कि रूस अमेरिका के साथ सम्मानजनक रिश्ते रखना चाहता है।

सीमेंट प्लांट से जहरीली गैस का रिसाव

38 से ज्यादा स्कूली बच्चों की बिगड़ी तबीयत, कई बेहोश होकर गिरे

बलौदाबाजार, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में श्री सीमेंट प्लांट से निकली जहरीली गैस से शासकीय हाई स्कूल खपराडीह के 38 से ज्यादा बच्चे बीमार हो गए। स्कूल में कई छात्र-छात्राएं अचानक बेहोश होने लगे, जिन्हें चक्कर आने लगा और उल्टी जैसी शिकायतें हुईं। मामले की सूचना मिलते ही कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर राजेश अवस्थी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल, स्वास्थ्यकर्मी मौके पर पहुंचे। यहां से बच्चों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुहेला लाया गया। कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने और ऑक्सीजन की कमी होने की वजह से जिला अस्पताल रेफर किया गया। कुछ बच्चों को भाटापारा और सिमगा स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज जारी है।

कलेक्टर दीपक सोनी ने कहा कि श्री सीमेंट प्लांट की जांच की जा रही है। प्रदूषण विभाग सहित अन्य विभाग की अधिकारी मौके पर जांच कर रहे हैं। जरूरत पड़ी तो कंपनी को सील किया जाएगा।

चीन को अरबों डॉलर का अफगान खजाना 'लूटना' पड़ा भारी

तखार में चीनी नागरिक की हत्या, जिनपिंग को अब तिहरी टेंशन

काबुल, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में सोने से लेकर लिथियम के 1 ट्रिल्यन डॉलर के भंडार पर नजरें गड़ाए बैठे चीन को बड़ा झटका लगा है। चीन के एक नागरिक की तखार प्रांत में हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि यह चीनी नागरिक अफगानिस्तान की एक खदान में काम करता था और वापस तालकान शहर की ओर लौट रहा था। इस दौरान अज्ञात व्यक्तियों ने उस पर हमला कर दिया और गोली मार दी। चीनी नागरिक के साथ एक दुभाषिया और एक अन्य व्यक्ति भी चल रहा था। ये दोनों भी गोलीबारी की चपेट में आ गए थे। तालिबानी प्रशासन ने इस दुभाषिए को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। चीन के लिए पाकिस्तान और ताजिकिस्तान के बाद अब अफगानिस्तान से भी टेंशन बढ़ गई है।

अफगान मीडिया के मुताबिक अभी तक इस हत्याकांड के कारणों का पता नहीं चल पाया है। तालिबानी सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे हैं और उन्होंने हमलावर की तलाश शुरू कर दी है। अभी कुछ दिन पहले ही तजाकिस्तान में भी चीनी नागरिकों पर हमला करके एक व्यक्ति को मार डाला गया था। यह अफगानिस्तान से घुसे एक हमलावर ने किया था। इस हमले में 4 चीनी नागरिक घायल हो गए थे। तजाकिस्तान में चीन के नागरिक सोने की एक खान में काम कर रहे थे। इस पूरे ही हिंसाग्रस्त इलाके में अब चीनी नागरिक भी निशाना बनाए जाने लगे हैं। वह भी तब जब चीन ने अफगानिस्तान, तजाकिस्तान और पाकिस्तान में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। चीन तजाकिस्तान के अंदर अपना सैन्य अड्डा भी बना रहा है।

अमेरिका के अफगानिस्तान से वापसी के बाद चीन ने अपनी धमक बढ़ा दी है। चीन ने अफगानिस्तान के तालिबानी राजदूत को मान्यता दे दी है। यही नहीं चीन ने अफगानिस्तान के अंदर से तेल निकालना भी शुरू कर दिया है। अब चीन की नजर अफगानिस्तान के हर तरफ भरे पड़े खनिजों पर है जिसमें लिथियम, सोना जैसे बहुमूल्य खनिज शामिल हैं। अफगानिस्तान के अंदर 1 ट्रिल्यन डॉलर के खनिज भंडार मौजूद हैं। इसी वजह से चीन अब बड़े पैमाने पर अफगान खदानों में निवेश कर रहा है। आज दुनिया में लिथियम की भारी मांग है और कहा जाता है कि अफगानिस्तान लिथियम का सऊदी अरब बन सकता है।

दुनिया में जिस तरह से ईवी, मोबाइल, कंप्यूटर, पावर टूल और बैट्री स्टोरेज बनाने के लिए लिथियम की बहुत मांग है। चीन को ऐसे खनिजों को निकालने और उसे रिफाइन करने में महारत हासिल है।

चीन इसलिए भी अफगानिस्तान से दोस्ती बढ़ा रहा है जिससे उइगर मुस्लिम विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके जो शिंजियांग प्रांत में सक्रिय हैं।

युद्ध विराम समझौते के बीच इजरायल ने वेस्ट बैंक के जेनिन क्षेत्र को बनाया निशाना

10 फिलीस्तीनियों की मौत

तेल अवीव, 22 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायल-हमास के बीच अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्ध विराम समझौता फिलहाल लागू हो गया है, लेकिन इस बीच कब्जे वाले वेस्ट बैंक के जेनिन क्षेत्र में इजरायली सेना ने एक बड़ा सैन्य अभियान किया है। इसमें 10 फिलीस्तीनियों की मौत हो गई है और करीबन 40 लोग घायल हो गए। फिलीस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बारे में जानकारी दी। फिलीस्तीनी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कब्जे वाले वेस्ट बैंक में जेनिन क्षेत्र में मंगलवार को इजरायली सुरक्षा बलों ने एक के बाद एक कई हवाई हमले किए।

होटल में फटा सिलेंडर, 3 कर्मचारी समेत 5 झुलसे

हालत गंभीर, नाश्ता करते समय हुआ हादसा, बाइक और स्कूटी भी जलकर राख

रायगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में बुधवार दोपहर रोड किनारे एक होटल में एकाएक सिलेंडर के फटने से 5 लोग झुलस गए। जानकारी के मुताबिक ढिमरापुर रोड पर जय समोसा कॉर्नर नाम से नाश्ते की दुकान है। आज दोपहर नाश्ता करने वाले लोगों की भीड़ लगी थी। तभी एकाएक वहां का गैस सिलेंडर फट गया। इससे उस होटल में काम करने वाले सुंदर लाल यादव (47), नान बाई लकड़ा (60) और रहमातुल्ला (40) और 2 अन्य ग्राहक आग की चपेट में आ गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा आग से होटल के सामने खड़ी एक बाइक और स्कूटी भी जलकर राख हो गई। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र की है। आग लगने से होटल में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने मामले की सूचना कोतवाली थाना और दमकल विभाग में दी। ऐसे में तत्काल पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी और दमकल वाहन मौके पर पहुंचकर आग को बुझाने का प्रयास शुरू किया। बताया जा रहा है कि करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग को बुझा लिया गया। इसके बाद दो घायलों को निजी अस्पताल और होटल में काम करने वाले 3 लोगों को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सिलेंडर के फटने के बाद होटल के बाहर खड़ी एक स्कूटी और बाइक भी आग की चपेट में आ गए। इससे वे भी जलने लगे। जिसे भी बुझाया गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की काफी संख्या में यहां भीड़ जमा हो गई थी।

ट्रम्प के जन्मजात नागरिकता खत्म करने के आदेश का विरोध

22 राज्य कोर्ट पहुंचे, हर साल 1.5 लाख नवजातों को नहीं मिलेगी सिटिजनशिप

वॉशिंगटन, 22 जनवरी (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प के जन्मजात नागरिकता खत्म करने के आदेश का अमेरिका में विरोध शुरू हो गया है। मंगलवार को 22 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने दो फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में इसके खिलाफ मुकदमा दायर कर आदेश को रद्द करने के लिए कहा। ट्रम्प के इस आदेश के बाद अवैध प्रवासियों या वीजा पर रहने वाले लोगों के उन बच्चों को नागरिकता नहीं मिल पाएगी जिनका जन्म अमेरिका में हुआ है। ट्रम्प ने इस आदेश को लागू करने के लिए 30 दिन का समय दिया है।

ट्रम्प का ये आदेश अमेरिकी बच्चों को मिलने वाले जन्मजात नागरिकता के अधिकार को चुनौती देता है। इससे हर साल 1.5 लाख नवजातों को नागरिकता पर संकट आ गया है।

अठारह राज्यों और दो शहरों (सैन फ्रांसिस्को और वाशिंगटन, डीसी) ने मैसाचुसेट्स और चार अन्य राज्यों ने वाशिंगटन के पश्चिमी जिले की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में ट्रम्प के आदेश के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

इसमें तर्क दिया गया कि 14वें संशोधन के तहत मिलने वाली जन्मजात नागरिकता पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रपति और कांग्रेस के पास संवैधानिक अधिकार नहीं हैं।

न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल मैथ्यू जे. प्लैटकिन ने अपने बयान में कहा कि, राष्ट्रपति शक्तिशाली होते हैं, लेकिन वे राजा नहीं हैं। वे कलम के एक झटके से संविधान को फिर से नहीं लिख सकते।

गरीब और युद्धग्रस्त देशों से आए लोग अमेरिका आकर और बच्चों को जन्म देते हैं। ये लोग पढ़ाई, रिसर्च, नौकरी के आधार पर अमेरिका में रुकते हैं। बच्चे का जन्म होते ही उन्हें अमेरिकी नागरिकता मिल जाती है। नागरिकता के बहाने माता-पिता को अमेरिका में रहने की कानूनी वजह भी मिल जाती है।

अमेरिका में यह ट्रेंड काफी लंबे समय से जोरों पर है। आलोचक इसे बर्थ टूरिज्म कहते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक 16 लाख भारतीय बच्चों को अमेरिका में जन्म लेने की वजह से नागरिकता मिली है।

हालांकि ट्रम्प के आदेश में कहा गया है कि यह केवल उन लोगों पर लागू होगा जो इस आदेश की तारीख से 30 दिनों के बाद अमेरिका में जन्मे हैं। इसका मतलब है कि अमेरिका में भारतीयों की आने वाली पीढ़ी इसके दायरे में होगी।

पतंग उड़ाना इस्लाम विरोधी

पाकिस्तान में फतवा जारी तो लगा बैन, बसंत पर उड़ा नहीं पाएंगे हिंदू

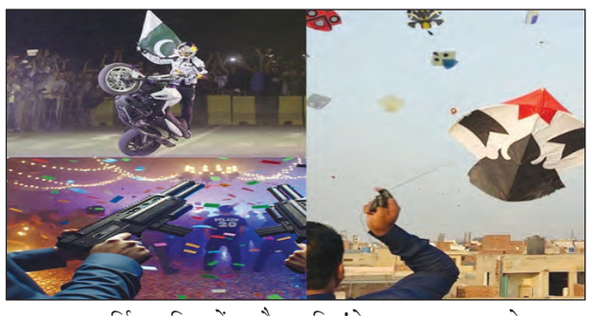

इस्लामाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अब पतंग उड़ाना भी गैर-इस्लामिक काम हो गया है। लाहौर पुलिस विभाग के परामर्श से इस्लामिक उलमा ने इसे लेकर एक फतवा जारी किया है। इस फतवे में तीन कामों को गैर-इस्लामी बताते हुए अपराध घोषित कर दिया है, जिसमें एक पहिया चलाना, पतंग उड़ाना और हवाई फायरिंग शामिल है। फतवे में इन अपराधों को हराम साबित करते हुए कुरान की आयतों और हदीसों का हवाला दिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट डॉन न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में इस बारे में जानकारी दी है।

फतवे के पहले लाहौर ऑपरेशन विंग के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बैठकें हुई हैं, जिसमें युवाओं की मौत और घायल होने का डेटा साझा किया गया। डॉन न्यूज ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया, धार्मिक विद्वानों और कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने हवाई फायरिंग पतंग उड़ाने और एक पहिया बाइकिंग जैसी खतरनाक गतिविधियों में शामिल होने के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की है और उन्हें गैर-इस्लामी और अवैध घोषित किया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस्लामी विद्वानों ने सर्वसम्मति से फतवा जारी किया है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि इस्लाम मानव जीवन के संरक्षण को प्राथमिकता देता है। अधिकारी ने फतवे का हवाला देते हुए कहा कि 'ये काम आत्महत्या के बराबर हैं, क्योंकि कुरान साफ तौर पर ऐसे कामों के लिए मना करता है, जो खुद के विनाश की ओर ले जाते हैं।'

लाहौर के डीआईजी ऑपरेशन फैसल कामरान ने भी इस्लामिक विद्वानों के फतवे की पुष्टि की है और तीनों श्रेणियों के खिलाफ धार्मिक और कानूनी रुख का समर्थन किया। डीआईजी ने कहा, 'इन तीनों गतिविधियों को उनकी फिजूलखर्ची, घातक परिणामों और गैर इस्लामी प्रकृति के कारण प्रतिबंधित किया गया है।'

हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर अली हमादी की गोली मारकर हत्या

घर के सामने मारी छह गोलियां

बेरूत, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्वी लेबनान के बेका घाटी क्षेत्र में अज्ञात बंदूकधारियों ने मंगलवार को हिजबुल्ला नेता शेख मुहम्मद अली हमादी की गोली मारकर हत्या कर दी। हिजबुल्ला के स्थानीय कमांडर हमादी को पश्चिमी बेका जिले के मचघरा में उनके घर के पास छह बार गोली मारी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमादी को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ ही देर में इलाज के दौरान मौत हो गई।

बताया जाता है कि पारिवारिक झगड़े के संदेह में घटना को अंजाम दिया गया है। लेबनानी अधिकारियों ने इसकी जांच शुरू कर दी है। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट में हत्या के पीछे इस्राइल का हाथ बताया जा रहा है। मोहम्मद अली हमादी यूएस की संघीय एजेंसी एफबीआई के मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में भी शामिल था। उसने एथेंस से रोम जा रहे 153 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों वाले विमान को हाईजैक कर लिया था।

बीते साल नवंबर में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच युद्धविराम समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत दोनों पक्षों में 13 माह से चल रही लड़ाई बंद हुई थी। समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान में लेबनानी आर्मी को तैनात किया जाना था और हिजबुल्ला और इस्राइल अपनी-अपनी सेनाएं हटाएंगे। हालांकि दोनों ही पक्षों ने एक दूसरे पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया था।

समझौते के तहत इस्राइल को 26 जनवरी तक दक्षिणी लेबनान से अपने सैनिकों को वापस बुलाना है। इस बीच हिजबुल्ला को इस्राइल की सीमा से लिटानी नदी के उत्तर में पीछे हटना होगा। जैसे ही इस्राइली सेना दक्षिणी लेबनान से हटेगी, लेबनानी सेना इन खाली क्षेत्रों में हजारों सैनिकों को तैनात करेगी। इसके साथ ही लेबनानी सेना दक्षिणी लेबनान में पहले से ही मौजूद संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षक बल को भी तैनात करेगी। अब हिजबुल्ला नेता की हत्या के बाद समझौते पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं।

पढ़ाई के प्रेशर में 12वीं के छात्र ने किया सुसाइड

पिता ने 15 बार किया कॉल पड़ोसी ने कमरे में झांक कर देखा फंदे से लटकती लाश

किशनगंज, 22 जनवरी (एजेंसियां)। किशनगंज के पानीबाग इलाके में एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। 12वीं कक्षा का छात्र 4 दिन से किराए के कमरे में रह रहा था। मृतक की पहचान पोठिया प्रखंड के गेवड़ालोटी निवासी मजहरुल इस्लाम (21) के रूप में हुई है। मजहरुल परीक्षा की तैयारी के लिए महज 5 दिन पहले ही किशनगंज आया था। वो पढ़ाई के प्रेशर में था। घटना का पता तब चला जब उसके पिता ने बुधवार को उसे फोन किया। 15 बार लगातार कॉल करने पर भी बेटे ने फोन नहीं उठाया। कॉल रिसीव नहीं करने पर मृतक के पिता ने पड़ोस में रहने वाले मनीसुल हक को फोन कर जानकारी दी।

तुर्किये अग्निकांड में पुलिस ने नौ लोगों को किया गिरफ्तार

हादसे में 76 लोगों की गई थी जान, जांच जारी

अंकारा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मंगलवार तड़के तुर्किये के स्की रिसॉर्ट में भीषण आग लगने से 76 लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में हरकंप मच गया। अग्निकांड में मृतक लोगों के शव इतनी बूरी तरह से झुलसे है कि उनकी पहचान के लिए डीएनए टेस्ट की आवश्यकता पड़ने लगी है। बता दें कि यह हादसा तुर्कीय के बोलू पर्वतों में स्थित कार्तलकाया स्की रिसॉर्ट के 12-मंजिला ग्रैंड कार्तल होटल के रेस्तां क्षेत्र में हुआ था।

इसी बीच खबर सामने आ रही है कि हादसे की जांच के दौरान बुधवार को पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इसको लेकर तुर्कीय के आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने कहा कि सुरक्षाउपायों को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। इस घटना की जांच के लिए छह अभियोजकों को नियुक्त किया गया है। इस अग्नीकांड में मारे गए 76 लोगों के शव की पहचान को लेकर कई सारी बातें सामने आ रही है। इसको लेकर मंत्री येरलिकाया ने बताया कि 45 मृतकों के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। वहीं बाकी की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण किए जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट की माने तो होटल की आग का अलार्म सिस्टम सही तरीके से काम नहीं किया।

इसकी जानकारी हादसे में कई अन्य बचे हुए लोगों ने दी। उन्होंने कहा कि आग का अलार्म नहीं बजा और उन्हें अंधेरे और धुएं से भरे गलियारों में से गुजरना पड़ा। कुछ लोग खिड़कियों से कूद कर बचने की कोशिश करते नजर आए। साथ ही मामले में होटल ने घटना के बाद अधिकारियों से पूरी सहयोग की बात कही। स्की रिसॉर्ट ने पुलिस को दिए हुए बयान कहा कि वे इस मामले के सभी पहलुओं को उजागर करने के लिए काम कर रहे हैं। इसके साथ ही तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इस घटना के बाद राष्ट्रीय शोक दिवस की घोषणा की।

यह हादसा तुर्की के एक प्रमुख स्की स्थल कार्तलकाया में शीतकालीन पर्यटन के दौरान हुआ। गौरतलब है कि मंगलवार को उत्तर पश्चिमी तुर्किये के बोलू पर्वतों में स्थित कार्तलकाया स्की रिसॉर्ट के 12-मंजिला ग्रैंड कार्तल होटल में मंगलवार तड़के लगभग 3.30 बजे हुए अग्निकांड में 76 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग झुलस गए।

निलंबन मुक्त हुई आईएएस पूजा सिंघल

कार्मिक विभाग में योगदान देने का निर्देश, मनी लॉन्ड्रिंग में हुई थी गिरफ्तारी

रांची, 22 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने 2000 बैच की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को निलंबन से मुक्त कर दिया है। इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई। फिलहाल उन्हें पैतृक विभाग कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग में योगदान करने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने उन्हें जमानत मिलने की तिथि 7 दिसंबर 2024 से निलंबन मुक्त किया है। निलंबन समीक्षा समिति की अनुशंसा पर सरकार ने यह फैसला लिया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने 12 मई 2022 को तत्कालीन खान सचिव पूजा सिंघल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया। तब से वह जेल में थीं। 7 दिसंबर 2024 को पीएमएलए कोर्ट से जमानत मिलने और जेल से रिहा होने के बाद उनका निलंबन हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। कार्मिक विभाग ने इससे संबंधित फाइल मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित निलंबन समीक्षा समिति की बैठक को भेज दी। समिति ने पूरे मामले की समीक्षा के बाद उनका निलंबन वापस लेने की अनुशंसा की थी। आईएएस पूजा सिंघल को 31 महीने जेल में रहने के बाद 7 दिसंबर 2024 को पीएमएलए कोर्ट से जमानत मिली। ईडी की विशेष अदालत ने उन्हें दो लाख रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी है। इसके अलावा उन्हें अपना पासपोर्ट कोर्ट में जमा करना है। पूजा सिंघल को नए कानून का लाभ मिला है। बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 479 के तहत अगर कोई आरोपी किसी मामले में लंबे समय से जेल में बंद है और उसकी न्यायिक हिरासत की अवधि उस मामले में दी जाने वाली सजा की एक तिहाई है तो उसे बेल दी जा सकती है। इस कानून का हवाला देकर पूजा सिंघल ने जेल से ही बंदी पत्र लिखा था। जिसके बाद सुनवाई करते हुए जमानत दी गई है।

पूजा पर आरोप है कि जब वह (फरवरी 2009-जुलाई 2010 तक) खूंटी में डीसी थीं तो उन्होंने बिना काम हुए मनरेगा का 18 करोड़ रुपए इंजीनियर को जारी कर दिया था।

फिजी के पीएम बोले- मोदी बॉस साहब हैं

करोड़ों लोगों का उन पर यकीन, दुनिया उनके विकास मॉडल को अपनाए

सुवा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका ने बुधवार को पीएम मोदी की जमकर तारीफ की और उन्हें दुनिया का बॉस कहा। राबुका ने कहा- मोदी बॉस साहब हैं। बॉस साहब का धन्यवाद। मैं उन्हें फिर से पीएम बनने पर बधाई देता हूं।

राबुका ने यह भी कहा कि मोदी का सबका साथ, सबका विकास एक बेहतरीन शासन मॉडल है। इसे पूरी दुनिया को अपनाना चाहिए। ताकि सभी का समावेशी विकास हो सके और दुनिया बेहतरीन हो सके। फिजी के प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पीएम मोदी दुनियाभर में शांति और हिंदुओं की एकता के एक प्रतीक बन गए हैं। भारत में इतने लोगों का उन पर यकीन होना एक बड़ी बात है। इससे पहले मई 2023 में पीएम मोदी ने फिजी की अपनी यात्रा के दौरान पोर्ट मोरेस्बी में राबुका से मुलाकात की थी। फिजी ने प्रधानमंत्री मोदी को फिजी गणराज्य के सर्वोच्च सम्मान - कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया था।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब किसी विश्व नेता ने प्रधानमंत्री मोदी बॉस कहा है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने उन्हें 'बॉस' कह चुके हैं। साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया में प्रवासी भारतीयों के बीच मोदी की लोकप्रियता देख अल्बनीज हैरान हो गए थे। उन्होंने मोदी की तुलना चर्चित रॉकस्टार ब्रूस स्प्रिंगस्टीन से की थी। 2 साल पहले राबुका ने फिजी में भारतीय मूल के लोगों से माफी मांगी थी। दरअसल, साल 1987 में सितिवेनी राबुका ने देश में तख्तापलट किया था और भारत समर्थक सरकार गिरा दी थी। इस दौरान राबुका लेफ्टिनेंट कर्नल थे। राबुका ने अपने 10 नकाबपोश सैनिकों के साथ फिजी की संसद पर धावा बोला और प्रधानमंत्री टिमोसी बावद्र को गिरफ्तार कर लिया। राबुका ने पीएम टिमोसी और सरकार के 27 बड़े नेताओं को एक ट्रक में भरकर किसी अज्ञात जगह ले गए। वे खुद केयरटेकर सरकार के चीफ बन गए और फिजी के संविधान को निलंबित करने का ऐलान कर दिया। तब राबुका ने दलील दी थी कि भारतीय मूल के लोगों की आबादी, फिजी की मूल निवासियों से ज्यादा हो गई है।

प्रश्न-पत्र लीक पर लगेगी पूरी तरह से लगाम

सीएम ने खुद संभाली कमान

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के तत्वावधान में आगामी 2 फरवरी को आयोजित होने वाली राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की फरवरी माह में आयोजित होने वाली विभिन्न परीक्षाओं की तैयारियों के संबंध में मुख्यमंत्री निवास पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शिता के साथ संपादित करने के लिए प्रतिबद्ध है और परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण सजगता एवं सतर्कता के साथ किया जाएगा।

परीक्षाओं में अनुचित साधनों का उपयोग पर पूर्ण रोक पर फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त

प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा के लिए प्रश्न-पत्र संग्रहण और वितरण पर विशेष सतर्कता बरती जाए। जिला प्रशासन, पुलिस एवं आरपीएससी परस्पर समन्वय कर बेहतर पर्यवेक्षण और निगरानी के साथ परीक्षा संपादित करें। उन्होंने कहा कि प्रश्न-पत्रों की गोपनीयता एवं सुरक्षा सर्वोच्च होनी चाहिए। उन्होंने परीक्षाओं में अनुचित साधनों का उपयोग ना हो इसके लिए प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

परीक्षा केन्द्रों पर हों सुरक्षा के विशेष इंतजाम

सीएम शर्मा ने संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त रहे और डिबार किए गए परीक्षार्थियों पर निगरानी करने लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों के निकट क्षेत्रों का सघन निरीक्षण भी किया जाए। स्थानीय पुलिस थाना विशेष सतर्कता के साथ कार्य करें। बैठक में आरपीएससी सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि डमी अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने से रोकने के लिए आवेदन पत्र और अटेंडेस शीट पर थंब इम्प्रेशन लेने का नवाचार भी किया गया है।

सुगम आवागमन के लिए बसों की समय-सारणी हो जारी

मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग को परीक्षार्थियों के सुगम आवागमन के लिए पर्याप्त संख्या में यातायात साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा परीक्षा से दो दिन पूर्व एवं पश्चात निःशुल्क आवागमन की सुविधा दी जा रही है। परीक्षार्थियों को सुलभ यातायात के लिए परिवहन विभाग बसों की समय सारणी भी जारी करे।

राहुल गांधी का 'सफेद टी-शर्ट आंदोलन' होगा उग्र

नेता प्रतिपक्ष जूली ने की युवाओं से आगे आने की अपील

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के महात्मा गांधी की तर्ज पर सफेद टी-शर्ट आंदोलन की शुरुआत किए जाने के बाद राजस्थान में भी आंदोलन तेज किया जाएगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस आंदोलन में युवाओं से आगे आने की अपील है।

जूली ने बयान करते हुए कहा कि सफेद टी-शर्ट आंदोलन को जनान्दोलन बनाया जाएगा। सफेद टी-शर्ट भारत के युवाओं के नेतृत्व में एक अग्रणी न्याय आंदोलन है। मोदी सरकार ने गरीब और मेहनतकश वर्ग से मुंह मोड़ लिया है।

दलितों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ीं

जूली ने एक अन्य बयान में कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है।

दलितों पर अत्याचार की घटनाए बढ़ रही हैं। झुंझुनूं जिले के मेघपुर में ईंट भट्टे की घटना सरकार की असंवेदनशीलता और जातिवादी मानसिकता का प्रत्यक्ष उदाहरण है। दलित युवक को मटके को छूने की वजह से पीटा और फिरौती वसूलने के बाद छोड़ा गया। यह घटना दलित समाज के सम्मान और अधिकारों पर हमला है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में श्रमिकों की स्थिति के बारे में आवाज उठाने और देश में बढ़ती असमानता को देखते हुए 'व्हाइट टी-शर्ट मूवमेंट' शुरू किया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 'मोदी सरकार ने गरीबों और मजदूर वर्ग से मुंह मोड़ लिया है और उन्हें पूरी तरह से उनके हाल पर छोड़ दिया है। सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों को समृद्ध करने पर है। इसके कारण असमानता लगातार बढ़ रही है और देश का पेट पालने वाले मजदूरों की हालत बदतर होती जा रही है।'

मजदूरों को एकजुट करने का एक मंच- राहुल गांधी

उन्होंने आगे कहा कि 'उन्हें तरह-तरह के अन्याय और अत्याचार सहने को मजबूर होना पड़ रहा है।" कांग्रेस पार्टी के अनुसार, व्हाइट टी-शर्ट आंदोलन "एक शक्तिशाली नए आंदोलन की शुरुआत है, जो युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों के मजदूरों को एकजुट करने का एक मंच है, जिनका श्रम हमारे जीवन को आकार देता है।'

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को 5 साल की सजा

पाली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पाली के एक निजी स्कूल में अध्ययनरत 11 साल की बालिका से छेड़छाड़ करने के मामले में पाली के पॉक्सो कोर्ट संख्या एक के जज सचिन गुप्ता ने टैक्सी ड्राइवर 43 वर्षीय हाजी मोहम्मद को 11 साल की नाबालिग से छेड़छाड़ का दोषी माना और 5 साल के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है।

पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता मुकुल सोनी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने कोतवाली थाने में 2 मई 2024 को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इस रिपोर्ट में बताया था कि उसकी 11 साल की बेटी शहर के एक निजी स्कूल में कक्षा छठी क्लास में पढ़ती है और वैन में स्कूल आती-जाती है।

यह था रिपोर्ट में

इस रिपोर्ट के अनुसार फरवरी 2024 से 20 अप्रैल 2024 के बीच वैन के ड्राइवर मंडिया रोड निवासी 43 वर्षीय हाजी मोहम्मद पुत्र सफी मोहम्मद उसकी नाबालिग बेटी को जबरदस्ती अगली सीट पर अपने पास बिठाता था, इस दौरान उसने उसकी नाबालिग पुत्री से कई बार छेड़छाड़ की और इसके बारे में किसी को कुछ नहीं बताने के लिए धमकाया।

एक दिन उसकी नाबालिग बेटी ने अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया कि किस प्रकार वैन के ड्राइवर ने उसके साथ छेड़छाड़ की और घटना के बारे में किसी को बताने से मना किया। इसके बाद पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया था।

बरातियों से ज्यादा पुलिस, ड्रोन से निगरानी

अजमेर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर जिले में दूल्हे की बरात भारी पुलिस सुरक्षा के बीच निकाली गई, क्योंकि दुल्हन के परिवार ने प्रशासन से संपर्क कर आशंका जताई थी कि ऊंची जातियों द्वारा घोड़े पर सवार बरात का विरोध किया जा सकता है। राजस्थान के अजमेर जिले के लवेरा गांव में एक ऐतिहासिक घटना घटी। जब दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले श्रीनगर निवासी विजय रैगर ने अपनी बरात घोड़ी पर बैठकर निकाली। उन्होंने लवेरा गांव के रहने वाले नारायण खोरवाल की बेटी अरुणा से ब्याह रचाया। यह घटना केवल एक शादी समारोह तक सीमित नहीं रही, बल्कि सामाजिक समता और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक बन गई। विजय रैगर की बरात करीब 100 से अधिक पुलिस कर्मियों और अधिकारियों की सुरक्षा के साये में निकाली गई, ताकि किसी भी प्रकार की जातीय हिंसा या विरोध को रोका जा सके।

भविष्य के सुनहरे सपने दिखा बनाया शारीरिक संबंध

पूर्व सभापति बोला- ये तो ट्रेलर है, पिक्चर बाकी है

चित्तौड़गढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। नगर परिषद चित्तौड़गढ़ के पूर्व सभापति संदीप शर्मा पर लगे यौन शोषण आरोप मामले में अब एक और प्रकरण दर्ज हो गया है। पूर्व सभापति के खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाने वाली विवाहिता ने ही सदर थाने में फोटो को अश्लील वीडियो के साथ जोड़कर वायरल करने का आरोप लगाते हुए प्रकरण दर्ज करवाया है। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर सदर थाना पुलिस ने 77 बीएमएस और आईटी एक्ट में मामला दर्ज किया है। गत दिनों विवाहिता पुलिस अधीक्षक के समक्ष पेश होकर शिकायत दी। इसमें बताया कि तत्कालीन सभापति उस पर गंदी निगाह रखता था और होटल की एक कर्मचारी को माध्यम बना कर षड्यंत्र रचा। प्रार्थिया की कमजोर आर्थिक हालात होने की जानकारी होटलकर्मी ने शर्मा को दी, जिस पर नगर परिषद में नौकरी का लालच दिया और सुनियोजित ढंग से उसे षड्यंत्र में फंसा दिया।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसे भविष्य के सुनहरे सपने दिखा कर संबंध स्थापित किए और विरोध करने पर भविष्य बर्बाद कर देने और घर बार बिगाड़ देने की धमकी के साथ विवाह करने का झूठा नाटक कर संतुष्ट करने का प्रयास किया। विवाह के बावजूद न तो उसे घर पर लेकर गया और न ही पत्नी के रूप में उसे रखा।

होटल में बंधक बनाने का आरोप

अपनी रिपोर्ट में प्रार्थिया ने बताया कि आरोपित शर्मा कई बार उसे अपने ड्राइवर को काले कांच की गाड़ी के साथ भेज कर जबरन अपने साथ ले जाता था और अवैध संबंध स्थापित किए। इसी कारण से

सामने वीडियो बनाना स्वीकार किया। इससे स्पष्ट है कि परिवारजन भी अपराध के संबंध में पहले से जान रहे थे।

रिपोर्ट में यह भी बताया कि आरोपित का विरोध करने पर अश्लील वीडियो वायरल करने व सोशल मीडिया पर बदमान करने की धमकी दी। वहीं, दो लड़कों को बाइक पर भेजकर धमकी दी कि अभी तो ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है। तेरा जीना दुभर कर देंगे। वहीं, आरोपित संदीप शर्मा काले कांच की अलग-अलग गाड़ियों के जरिए उसका और उसके पति का पीछा कर रहा है, जो कोई अनहोनी घटना में घटित कर सकता है। उसने अपनी रिपोर्ट में झूठे तथ्यों पर आधारित रिपोर्ट प्रस्तुत कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने, शादी का झूठा झांसा देकर अवैध संबंध स्थापित करने, झूठे मुकदमें में फंसाने के संबंध में प्रकरण दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई करने का निवेदन किया। इस मामले में शाम छह बजे सदर थाने पहुंची और पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। मामले का अनुसंधान सदर थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह कर रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्व सभापति संदीप शर्मा कांग्रेस सरकार में चित्तौड़गढ़ नगर परिषद के सभापति चुने गए। गत दिनों सभापति और विवाहिता के फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। इसकी रिपोर्ट पहले विवाहिता ने सभापति के साथ ही थाने पर जाकर दर्ज करवाई, जिसमें चित्तौड़गढ़ विधायक सहित अन्य पर आरोप लगाए थे। बाद में एक रिपोर्ट विवाहिता ने पूर्व सभापति संदीप शर्मा के खिलाफ दर्ज करवा कर यौन शोषण का आरोप लगाया। गत माह ही एक प्रकरण सभापति ने विवाहिता के खिलाफ दर्ज करवा कर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया।

जमीन में गडा मिला युवक का शव

शरीर के अंग दिखाई देने पर मचा हड़कंप

दौसा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान को दौसा जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। नांगल राजावतान थाना क्षेत्र में युवक का शव जमीन में गढ़ा हुआ मिला। जिसके शरीर के अंग बाहर दिखाई देने से हड़कंप मच गया। अभी तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। हालांकि, पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है।

नांगल राजावतान थाना क्षेत्र के पपलाज माता मार्ग पर कंवरदास बाबा की कुटिया के समीप एक युवक का शव जमीन में गढ़ा हुआ मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को बाहर निकालकर जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। शव की बुधवार सुबह तक तक शिनाख्त नहीं हो पाई।

पुलिस सीओ चारुल गुप्ता ने बताया कि कुटिया के समीप शाम को बकरी चरा रहे किसी व्यक्ति ने एक गड्ढे में गढ़े हुए शव का हाथ ऊपर निकला हुआ दिखा। उसने पूर्व सरपंच हरिकिशन मीणा को सूचना दी।

एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर जुटाए साक्ष्य

इसके बाद पुलिस ने प्रशासन की मौजूदगी में शव को बाहर निकालकर जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी जमा रहे।

पुलिस सीओ गुप्ता ने बताया कि शव करीब चार से पांच दिन पुराना है। मृतक की उम्र 40-45 वर्ष बताई जा रही है।

हालांकि, अभी तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है।

बीकानेर में सोशल मीडिया स्टार जाह्नवी का अपहरण

बदमाशों ने पहले मां को दिया धक्का, फिर बेटी को गाड़ी में डालकर फरार

बीकानेर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ कस्बे में चौंकाने वाली घटना सामने आई, जब सोशल मीडिया पर लोकप्रिय कॉमेडियन और अभिनेत्री जाह्नवी मोदी का अपहरण कर लिया गया। यह वारदात उनके घर के बाहर हुई, जब जाह्नवी अपनी मां के साथ बाजार से लौट रही थीं। नकाबपोश बदमाशों ने उनकी मां को धक्का दिया और जाह्नवी को जबरन गाड़ी में डालकर फरार हो गए।

बता दें, जाह्नवी मोदी राजस्थान में सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। वे मारवाड़ी भाषा में शॉर्ट मूवी और कॉमेडी कंटेंट बनाती हैं, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते हैं। उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर लाखों फॉलोअर्स हैं।

जाह्नवी मोदी अपनी मां पुष्पा देवी के साथ बाजार से घर लौटी थीं। जैसे ही वे अपने घर के पास पहुंचीं, एक सफेद कार ने उनका रास्ता रोक दिया। तभी दो नकाबपोश युवक बाइक पर पहुंचे और उनकी मां को धक्का देकर जाह्नवी को गाड़ी में खींच लिया। बदमाश तेजी से गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि सफेद कार सुबह से ही जाह्नवी के घर के बाहर खड़ी थी। किसी को शक न हो, इसके लिए बदमाश गाड़ी की जगह बदलते रहे। घटना के समय उन्होंने पहले से तैयार योजना के तहत वारदात को अंजाम दिया।

जाह्नवी के अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी कर दी और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। श्रीडूंगरगढ़ पुलिस थाने के अधिकारी जितेंद्र स्वामी अपनी टीम के साथ जांच में जुटे हैं। जाह्नवी का मोबाइल घर पर ही छूट गया था, जिससे उनकी लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल हो गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी मदद से आरोपियों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

फिलहाल बदमाशों और जाह्नवी का कोई सुराग नहीं लग पाया है। इस घटना से कस्बे के लोगों में भारी रोष है। लोग सड़कों पर उतरकर जल्द से जल्द जाह्नवी की वापसी और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

2 घंटे में दो स्टूडेंट ने किया सुसाइड

नीट की छात्रा और जेईई का छात्र फंदे से लटके; हैंगिंग डिवाइस नहीं लगा था

कोटा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा में बुधवार को 2 घंटे के गैप में दो स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया। सुसाइड करने वालों में एक छात्र और एक छात्रा है। छात्रा नीट की तैयारी कर रही थी जबकि छात्र जेईई की प्रिपरेशन कर रहा था। खास बात यह है कि दोनों ही स्टूडेंट जवाहर नगर इलाके में रहते थे। फिलहाल सुसाइड के कारण सामने नहीं आए हैं।

सुबह करीब 10 बजे नीट की तैयारी कर रही अफ्शा शेख (23) ने पीजी के कमरे में पंखे से फंदा लगा लिया। वह जवाहर नगर थाना इलाके में प्रतीक्षा रेजिडेंसी में रह रही थी। गाइडलाइन के बाद भी पंखे में हैंगिंग डिवाइस नहीं लगा था।

सीआई राम लक्ष्मण ने बताया- अफ्शा गुजरात के अहमदाबाद की रहने वाली थी। वह करीब 6 महीने पहले कोटा आई थी। बुधवार सुबह पीजी मालिक ने छात्रा को कमरे में फंदे पर लटका देखा था। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। स्टूडेंट के परिजन को सूचना दी गई है। उनके आने के बाद पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

दोपहर 12 बजे जेईई की तैयारी कर रहे स्टूडेंट पराग (18) ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। वह असम का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, अगले सप्ताह उसका जेईई-मेन का पेपर था।

पराग जवाहर नगर थाना इलाके के महावीर नगर में रहता था। फिलहाल उसकी मां भी कोटा में ही है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवाया है।

बुजुर्ग महिला के हाथ-पैर बांधे और लूट लिए 50 लाख के गहने, 7 दिन पहले रखी नौकरानी ने किया कांड

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मोतीडूंगरी थाना इलाके में एक बुजुर्ग महिला और दो नौकरों को बंधक बनाकर बदमाश 50 लाख के गहने और 7 लाख रुपए नगद लूटकर ले गए। सुबह 6 बजे पुलिस को घटना की जानकारी मिली। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश शुरू की गई है। बुजुर्ग महिला की हालत ठीक बताई जा रही है।

एडिशनल डीसीपी ईस्ट आशाराम चौधरी ने बताया कि सोनी अस्पताल के पास देवी नगर में रहने वाली मंजू कोठारी (75) के घर में वारदात हुई है। लूट की वारदात में 7 दिन पहले रखी एक नेपाली नौकरानी सावित्री शामिल है। उसने बाहर से दो लोगों को घर पर बुलाया था। आरोपी सावित्री ने सोमवार रात करीब 11 बजे दरवाजा खोलकर दो बदमाशों को घर में एंट्री दी। इस दौरान मंजू कोठारी और उनके दोनों नौकर अपने कमरों में थे। बदमाशों ने पहले दोनों नौकर फिर मंजू देवी के साथ मारपीट कर उन्हें बंधक बनाया। मंजू कोठारी के रूम की आलमारी को खोल कर बदमाशों ने 7 लाख रुपए नगद और करीब 50 लाख रुपए के जेवरात और अन्य सामान लूट लिए।

रात करीब 2 बजे बदमाश घर से बाहर निकले। सावित्री वारदात के बाद इन दोनों बदमाशों के साथ एक कैब से निकल गई। जांच में सामने आया कि घायल मंजू कोठारी (75) के पति का साल 2007 में देहांत हो गया था। इनका ज्वेलरी का बिजनेस था। पति के देहांत के बाद से वह अपने नौकरों के साथ इस मकान पर रह रही थी। परिचित के कहने पर 7 दिन पहले उन्होंने नेपाली नौकरानी सावित्री को रखा था।

जवाब नहीं दे पाया कक्षा एक का स्टूडेंट तो गुस्साए टीचर ने डंडों से पीट-पीटकर तोड़ा हाथ

सवाई माधोपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जयसिंहपुरा में प्रश्नों का जवाब नहीं देने पर डंडों से छात्र की मारपीट का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर छात्र के पिता ने पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है। छात्र के पिता ने बताया कि उनका पुत्र कक्षा एक में पढता है। उन्होंने बताया कि सोमवार को उनका बच्चा घर आया तो वह बहुत घायल था। उन्होंने बेटे से इस हाल के बारे में पूछा तो बताया कि मास्टर सुरेश ने उनसे स्कूल में कोई सवाल पूछा, जिसका वह जवाब नहीं दे पाया और उसे बुरी तरह डण्डे से पीटा और घर भेज दिया। अपने घायल बेटे को तुरंत अस्पताल लेकर गए तो डॉक्टरों ने उसके हाथ को टूटना बताया। पिता ने अध्यापक सुरेश मीना के खिलाफ खण्डार थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाकर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। अध्यापक की ओर से बच्चे को पीटने का मामला दर्ज हुआ है। मामले की जांच कर रहे हैं।

झुंझुनूं में पानी का घड़ा छूने पर दलित को बेरहमी से पीटा

फिर देनी पड़ी डेढ़ लाख की फिरौती

झुंझुनू, 22 जनवरी (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले के पचेरी कलां थाना क्षेत्र में पानी का घड़ा यानी मटका छूने पर एक दलित व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई की वारदात सामने आई है। पुलिस ने बताया कि एक ईंट-भट्ठा मालिक ने पानी के घड़े को हाथ लगाने पर कथित तौर पर दलित ट्रैक्टर चालक को बुरी तरह पीट दिया।

बता दें कि पचेरी कलां थाना क्षेत्र में एक ईंट-भट्ठे पर यह घटना शनिवार को उस समय हुई, जब ट्रैक्टर चालक चिमनलाल मेघवाल वहां ईंट लेने गया था। पुलिस के अनुसार, पैसे देने के बाद चिमनलाल घड़े से पानी पीने लगा तो भट्ठा मालिक विनोद यादव ने उसे लात मार दी। पुलिस ने बताया कि इसके बाद विनोद और दो अन्य लोग उसे कार से हरियाणा के रेवाड़ी ले गए और बेल्ट से उसकी पिटाई की। उसे छोड़ने के लिए परिवार से डेढ़ लाख रुपये मांगे। पीड़ित के भाई की ओर से पैसे दिए जाने के बाद उसे छोड़ा गया। पुलिस उप निरीक्षक राजपाल ने बताया कि पीड़ित ने इस संबंध में रविवार को मामला दर्ज कराया।

राजपाल के मुताबिक, चालक के शरीर पर चोट के निशान थे और उसका सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर इलाज कराया गया। उप निरीक्षक ने बताया कि पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उसे घड़े से पानी पीने पर पीटा गया। उन्होंने कहा कि अभी मामले में पूछताछ जारी है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सचिन पायलट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा, झुंझुनूं के मेघपुर में पानी के मटके को छूने को लेकर दलित व्यक्ति को बेरहमी से पीटने एवं वसूली की घटना पूर्ण रूप से अमानवीय है, जिसकी मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। सचिन पायलट ने कहा कि हर प्रकार के भेदभाव एवं असमानता को मिटाकर लोगों को एकता, समानता और सद्भाव के सूत्र में बांधना है, यही बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के आदर्श हैं।

जब्त किए जाने से पहले ही अवैध किडनी प्रत्यारोपण का काम पूरा

> स्वास्थ्य अधिकारियों से नहीं ली गई थी कोई अनुमति

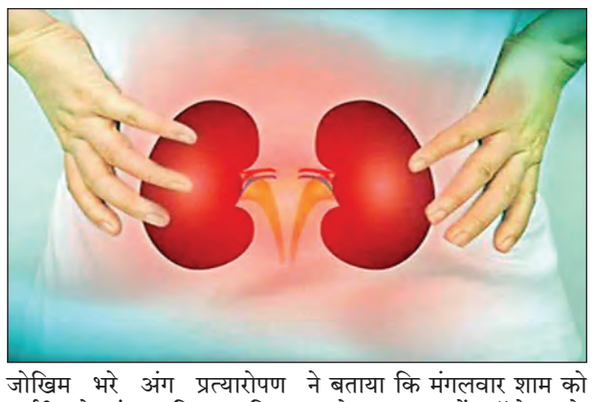

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य और पुलिस अधिकारी मंगलवार को सरूरनगर स्थित अलकनंदा अस्पताल को जब्त कर पाते, उससे पहले ही अन्य राज्यों से आमंत्रित प्रत्यारोपण सर्जनों ने बिना किसी मंजूरी के, दानकर्ताओं और प्राप्तकर्ताओं के बीच किडनी प्रत्यारोपण का काम बेशर्मी और अवैधानिक तरीके से पूरा कर लिया। जब छापेमारी हुई, तब कर्नाटक और तमिलनाडु से दो-दो मरीज, कुल चार मरीज, अलकनंदा अस्पताल में किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी के बाद ठीक हो रहे थे।

अलकनंदा अस्पताल के प्रबंधन और प्रत्यारोपण सर्जनों ने स्वास्थ्य अधिकारियों से कोई अनुमति नहीं ली और बेशर्मी से जोखिम भरे अंग प्रत्यारोपण सर्जरी को अंजाम दिया। जटिल किडनी प्रत्यारोपण पहले ही किए जा चुके थे और सर्जरी करने वाले सर्जनों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। गांधी अस्पताल की अधीक्षक डॉ. सीएच राजकुमारी ने बताया कि मंगलवार शाम को हमारे अस्पताल में ऑपरेशन के बाद रिकवरी के लिए दो पुरुष और दो महिला मरीज भर्ती हुए। सभी चार मरीज हमारी यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी टीमों की देखरेख में हैं और अब तक उनकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है। अलकनंदा अस्पताल को केवल 9 बिस्तरों वाली स्वास्थ्य सेवा सुविधा संचालित करने की अनुमति थी और उसके पास अंग प्रत्यारोपण के लिए विनियामक अनुमोदन नहीं था। अस्पताल को उज्बेकिस्तान से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करने वाले एक डॉक्टर, एक प्लास्टिक सर्जन और एक फिजीशियन के आधार पर अनुमति मिली थी। रंगारेड्डी जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि अस्पताल के पास इस तरह की उच्च स्तरीय प्रत्यारोपण सर्जरी करने के लिए कोई मंजूरी नहीं थी। सर्जरी करने वाले यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञ गायब हैं। जांच जारी है और आने वाले दिनों में एक व्यापक रिपोर्ट पेश की जाएगी।

सरकार गरीबों को शिक्षा, चिकित्सा सेवा प्रदान करने की जिम्मेदारी लेती है : राजा नरसिम्हा

> मंत्री ने सौ बिस्तरों वाले अस्पताल की आधारशिला रखी

महबूबनगर, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने इस बात पर जोर दिया है कि सरकार वंचितों को शिक्षा, चिकित्सा सेवा और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी उठाती है।

मंत्री ने बुधवार को महबूबनगर जिले में स्थित देवराकाद्रा में सौ बिस्तरों वाले अस्पताल की आधारशिला रखी।समारोह में अपने भाषण के दौरान मंत्री ने संकेत दिया कि अस्पताल का निर्माण 35 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है, जिसके एक साल के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, राजा नरसिम्हा ने दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की सहायता के लिए हर 30 किलोमीटर पर एक ट्रॉमा केयर सेंटर स्थापित करने की योजना की घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि देवराकाद्रा में एक ट्रॉमा केयर

सेंटर विकसित किया जाएगा, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि कांग्रेस सरकार की स्थापना के बाद से सरकारी शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों में व्यापक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा, "एक साल के भीतर स्वास्थ्य विभाग में करीब 8,000 पद भरे गए हैं। सरकारी अस्पतालों में सभी तरह की दवाइयां, साथ ही सर्जिकल और डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।" राजा नरसिम्हा ने आगे कहा कि महबूबनगर जनरल अस्पताल में कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी जैसी सुपर-स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाएं शुरू की जा रही हैं और जल्द ही एमआरआई सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। राजा नरसिम्हा ने कहा, "यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि डायलिसिस के मरीजों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े और डायलिसिस सेवाएं नजदीक में उपलब्ध हों। एक साल के भीतर अठारह नए डायलिसिस केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं और देवराकाद्रा और मकतल के लिए नए डायलिसिस केंद्र स्वीकृत किए गए हैं।" उन्होंने कहा, "प्रत्येक डायलिसिस केंद्र में पांच डायलिसिस मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। लोगों की मासूमियत का फायदा उठाकर ठगी करने वाले निजी अस्पतालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी तरह, अवैध अंग प्रत्यारोपण करने वाले अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।" मंत्री ने कहा कि पात्र सभी लोगों को चरणबद्ध तरीके से आवास और राशन कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे।

मंचेरियल में अवैध लेआउट का निर्माण जारी

मंचेरियल, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल नगरपालिका के निगम में परिवर्तित होने के बाद भी कस्बे में अवैध निर्माण जारी है। स्थानीय विधायक के प्रेमसागर राव के कथित अनुयायी कुछ लोगों ने नगर के बीचों-बीच सर्वे नंबर 75 में रंगपेट के बाहरी इलाके में एक रियल एस्टेट परियोजना विकसित की है, जिसके लिए उन्होंने नगर, ग्राम नियोजन निदेशक (डीटीसीपी) की पूर्व स्वीकृति नहीं ली है। उन्होंने गैर-कृषि भूमि मूल्यांकन अधिनियम (एनएएलए) के तहत कृषि भूमि को वाणिज्यिक भूमि में परिवर्तित नहीं किया, जिससे सरकार को भारी राजस्व घाटा हुआ।

एनएएलए के तहत सरकार को भारी भरकम टैक्स देने के बाद भी संपत्तियों के पंजीकरण पर रोक लगने से जहां कई डेवलपर्स संकट में हैं, वहीं कुछ लोग विधायक से नजदीकी की मदद से नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर घर बेच रहे हैं। रियल एस्टेट डेवलपर्स ने अधिकारियों से नियमों का उल्लंघन करने वालों और टैक्स चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। पता चला है कि इस उद्यम के डेवलपर्स ने यह दावा करते हुए साइट बेचना शुरू कर दिया कि उन्होंने एनएएलए के तहत सरकार को कर का भुगतान किया है। राजस्व अधिकारियों ने कहा कि डेवलपर्स ने कृषि भूमि को वाणिज्यिक भूमि में बदलने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। अधिकारियों ने कहा कि रूपांतरण की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है।

15 महीने की बच्ची की हुई जीवनरक्षक सर्जरी

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंतों की असामान्य स्थिति (आंतों की खराबी) और छोटी आंत का अपने चारों ओर मुड़ जाना (मिडगट वॉल्वुलस) सहित जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाले जन्म दोषों के साथ पैदा हुई एक महीने की बच्ची को मेडिकवर वूमन एंड चाइल्ड हॉस्पिटल के डॉक्टरों द्वारा जीवनरक्षक सर्जरी से गुजरना पड़ा। सर्जरी में डुओडेनम को सीधा करना, मेसेंटरी को चौड़ा करना, आसंजनों को हटाना, एपेंडेक्टोमी और आंतों को फिर से व्यवस्थित करना शामिल था। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे को स्थिर हालत में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, उसका वजन 1.77 किलोग्राम है और वह अब माता-पिता की देखभाल में अच्छा-खासा विकास कर रहा है।

रामागुंडम पुलिस ने फोन मालिकों को सौंपे 200 मोबाइल

पेद्दापल्ली, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम कमिश्नरेट पुलिस ने बुधवार को गोदावरीखानी में आयोजित सेल फोन रिकवरी मेले में 25.68 लाख रुपये मूल्य के 200 मोबाइल फोन उनके मालिकों को सौंपे। सीसीएस इंस्पेक्टर कमलाकर के नेतृत्व में सीसीएस और आईटी सेल की टीमों ने चोरी हुए या खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस आयुक्त एम श्रीनिवास ने फोन मालिकों को सौंप दिए। इस अवसर पर बोलते हुए, सीपी ने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के बारे में बताया, जिसका उपयोग खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन का पता लगाने के लिए किया जा रहा है। कमिश्नरेट की सीमा में अब तक पोर्टल पर 5280 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें से 1538 मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को सौंप दिए गए हैं। हाल ही में सीसीएस और आईटी सेल पुलिस ने 200 और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी का मोबाइल फोन खो गया है तो उसे सीईआईआर पोर्टल पर मोबाइल को ब्लॉक करना चाहिए और नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करना चाहिए।

117 किलोग्राम गांजा जलाया गया

कुमरमभीम आसिफाबाद 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोमुरमभीम आसिफाबाद जिले के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज 53 मामलों में आरोपियों से जब्त 117.8 किलोग्राम सरकारी प्रतिबंधित गांजा को आज एनडीपीएस एक्ट के तहत जिला ड्रग डिस्पोजल कमेटी के तत्वावधान में मानाकोंदूर स्थित वेंकटरमणा इंसिनेरेटर्स सेंटर में जला दिया गया। पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम के तहत जिला पुलिस अधीक्षक ने एक बयान में बताया कि जले हुए गांजे की कीमत करीब 74 लाख रुपए है। जिला औषधि निपटान समिति की अध्यक्षता जिला पुलिस अधीक्षक डीवी श्रीनिवास राव आईपीएस ने की तथा समिति के सदस्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभाकर राव और कागजनगर डीएसपी रामानुजम थे। इस अवसर पर बोलते हुए एसपी ने बताया गया कि जिले के विभिन्न थानों में दर्ज 53 मामलों में संग्रहित गांजा को एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जला दिया गया।

मां से मिलना चाहती थी बच्ची इसलिए पिता ने कर दी थी हत्या

> रायकोड़े हत्याकांड का खुलासा

संगारेड्डी, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रायकोड पुलिस ने 11 वर्षीय मधुगड्डा वैष्णवी की हत्या के रहस्य को सुलझा लिया है, जो 16 जनवरी को अपने गांव सांगापुर के बाहरी इलाके में एक खुले कृषि कुएं में मृत पाई गई थी।

पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि हत्यारा उसका पिता सतीश (32) है। सतीश ने 12 साल पहले सांगापुर की अनिता से शादी की थी, उसकी दो बेटियां वैष्णवी और हरिता (6) हैं। हालांकि, सतीश को अपनी पत्नी की निष्ठा पर शक था और वह अनिता को परेशान करता रहता था। उत्पीड़न को सहन करने में असमर्थ, अनिता ने पिछले नवंबर में परिवार छोड़ दिया। तब से वह इस्नापुर में अपने रिश्तेदारों के पास रह रही थी। छोटी बेटी हरिता की दिसंबर में बीमारी के कारण मौत हो गई थी। हालांकि, अनीता अपनी बेटी का अंतिम संस्कार करने के लिए भी घर नहीं लौटी। तब से वैष्णवी इस बात पर अड़ी हुई थी कि वह अपनी मां के साथ ही रहेगी। उसने कई बार अपना सामान लेकर गांव छोड़ने की भी कोशिश की। हालांकि, सतीश ने वैष्णवी को घर वापस आने के लिए मना लिया था। जब वह फिर से जिद करने लगी, तो सतीश ने उसे खत्म करने का फैसला किया। वैष्णवी को उसकी मां के पास ले जाने के बहाने सतीश 11 जनवरी को अपनी बेटी के साथ गांव के बाहरी इलाके में गया और उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को कुएं में फेंक दिया। जब शव कुएं में मिला, तो दादा-दादी को सतीश पर शक हुआ और उन्होंने रायकोड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

इस बीच, रिश्तेदारों को भी अपनी छोटी बेटी की मौत में सतीश का हाथ होने का संदेह है, जिसकी दिसंबर में मौत हो गई थी। पुलिस 6 साल की बच्ची की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए भी जांच कर रही है। पुलिस ने कहा कि दंपति के अलग होने के कारण दो महीने के भीतर दो बच्चों की मौत हो गई।

के.बी.आर. पार्क स्थित गणेश भगवान की पूजा करते राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, अजिता, संध्या अग्रवाल, अशोक लखोटिया, गोपाल बलदवा, विनोद तिकमनी, अशोक रुंगटा, पी.सी. जैन, अशोक सराईवाला, विजय कुमार सराईवाला, झा साब, सुधाकर पंपटी, राहुल सिंघल, राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. राधा कृष्णा, मोहन लाल मित्तल, स्वामी एवं अन्य ।

गांजा की खेती और बिक्री में शामिल चार आरोपियों को सजा व जुर्माना

कुमरमभीम आसिफाबाद 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमवी रमेश ने गांजा की खेती के एक मामले में चार आरोपियों को कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। केरामेरी के तत्कालीन उपनिरीक्षक विजय ई. द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, रमेश को सूचना मिली थी कि गोयागाम गांव से गांजा ले जाया जा रहा है, उसी दिशा से आ रहे एक ऑटो को रोककर जांच की गई। ऑटो में लगभग एक किलो गांजा बरामद हुआ।

एक बैग जिसके अंदर तीन लोग थे। तीनों का विवरण प्रवीण, गोंडा प्रणय, चौधरी मणिकंठा नाम के तीन लोग मुहुरले मधुकर नामक व्यक्ति को गांजा बेच रहे थे। उनकी जानकारी के आधार पर मोहरले मधुकर से पूछताछ की गई और उनके घर से लगभग दो किलोग्राम मारिजुआना बरामद किया गया तथा उनके खेत में मारिजुआना के पौधे पाए गए। तत्कालीन वांकिडी सीआई डी सुधाकर ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें कोर्ट में पेश किया। न्यायाधीश एम.वी. रमेश ने जांच की और पाया कि चारों ने अपराध किया था। सभी आरोपियों को एक साल कारावास की सजा सुनाई। महारले मधुकर को दस साल के कठोर कारावास की सजा और एक लाख रुपये का जुर्माना किया।

जगतियाल के पास वाहनों का आवागमन ठप

जगतियाल, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल शहर के बाहरी इलाके राजाराम के पास बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना के बाद करीमनगर-जगतियाल मुख्य सड़क पर वाहनों का आवागमन एक घंटे तक ठप रहा। यह हादसा उस समय हुआ जब करीमनगर से जगतियाल जा रही चावल से लदी एक लॉरी ने पीछे से उसी दिशा में जा रही एक कार को टक्कर मार दी। बाद में उसी लॉरी ने विपरीत दिशा से आ रही एक एंबुलेंस को भी टक्कर मार दी। परिणामस्वरूप, लगभग एक घंटे तक यातायात ठप रहा। एक मरीज, जो दुर्भाग्यपूर्ण एम्बुलेंस में यात्रा कर रहा था, को दूसरी एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया।

अयोध्या में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मनाई

हैदराबाद,, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अयोध्या में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर, बजरंग सेना तेलंगाना ने एन.आर. लक्ष्मण राव, राज्य अध्यक्ष के नेतृत्व में गौलीगुड़ा में राम मंदिर में एक विशेष पूजा और अर्चना का आयोजन किया।

भक्ति और उत्साह से भरे कार्यक्रम में दल के सदस्य और भक्तों ने जमकर जश्न मनाया। विशेष अनुष्ठानों के बाद, उपस्थित लोगों के बीच खुशी और एकजुटता के प्रतीक के रूप में मिठाई प्रसाद वितरित किया गया। अवसर पर संजय कुमार (उपाध्यक्ष), राघव कुमार (उपाध्यक्ष), विकास सिंह (महासचिव), शिव कुमार (महासचिव), प्रिया चारी (अध्यक्ष, महिला मोर्चा), प्रवीण यादव, नरेश, रामेश्वर मिश्रा, वीरेंद्र अवस्थी, और कई अन्य सहित बजरंग सेना तेलंगाना के प्रमुख नेता उपस्थित थे।

एक साल के भीतर बाल विवाह मुक्त हो जाएगा कुमराम भीम आसिफाबाद

कुमराम भीम असिफाबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम असिफाबाद देश भर के उन 73 जिलों में शामिल है, जिन्हें नीति आयोग ने एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए) के सहयोग से एक वर्ष में 'बाल विवाह मुक्त' जिले में परिवर्तित करने के लिए चुना है। नीति आयोग और एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन दोनों ने बच्चों की सुरक्षा, सशक्तिकरण और शिक्षा के लिए भारत के सबसे कमजोर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हाथ मिलाया है और हाल ही में देश के 104 ब्लॉकों के 15,000 गांवों को कवर करने का लक्ष्य रखा है।

इस पहल को पूर्ण समर्थन देते हुए हैदराबाद स्थित स्वैच्छिक संगठन एसयूआरई ने एकजुटता व्यक्त की और कहा कि एवीए और नीति आयोग के बीच इस सहयोग से उनमें उत्साह की नई किरण जगी है और वे कुमराम भीम आसिफाबाद जिले को बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल विवाह और बाल दुर्व्यवहार सहित किसी भी प्रकार के बाल शोषण से मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एसयूआरई और एवीए दोनों ही जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के साझेदार हैं, जो देश के 416 जिलों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों के लिए काम करने वाले 250 से अधिक गैर सरकारी संगठनों का एक नेटवर्क है।

अफ़ज़लगंज गोलीबारी : कई राज्यों में लुटेरों की गतिविधियों पर नज़र रख रही है पुलिस

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग एक सप्ताह के बाद, शहर पुलिस को अफजलगंज गोलीबारी मामले में कुछ प्रगति मिली है। विभिन्न स्थानों पर निगरानी कैमरों की जांच सहित जांच और वैज्ञानिक विश्लेषण से पता चला है कि हमलावर एक यात्री ऑटो-रिक्शा में त्रिमुलघेरी से शमीरपेट गए थे। वहां से वे एक शेयरिंग ऑटो-रिक्शा में गजवेल भाग गए थे। पुलिस को यह भी पता चला है कि हमलावर एक लॉरी में सवार होकर गजवेल से आदिलाबाद पहुंचे, जहां से वे मध्य प्रदेश होते हुए बिहार भाग गए।

इस बीच, गोलीबारी की घटना में शामिल लुटेरों की पहचान अमित और मनीष के रूप में की

गई है, जिनके देश भर में अन्य अपराधों में शामिल होने की संभावना है। मामले की जांच हैदराबाद और बीदर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की जा रही है। संदिग्धों की तलाश में विशेष टीमें पहले ही बिहार और झारखंड पहुंच चुकी हैं। पड़ोसी राज्य कर्नाटक के बीदर में गुरुवार सुबह डकैती करने वाले दो संदिग्धों ने एक सुरक्षा गार्ड सहित दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी और 93 लाख रुपये लूट लिए थे। बीदर में डकैती करने के बाद दोनों बाइक पर सवार होकर भाग निकले। वे जिले से बाहर चले गए और बाइक को कहीं छोड़ दिया और एमजीबीएस हैदराबाद पहुंचने के लिए बस पकड़ी। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि संदिग्धों ने शहर पहुंचने के बाद एमजीबीएस में बस से उतरकर अफजलगंज स्थित रोशन ट्रैवल्स से रायपुर के लिए टिकट बुक कराया। उनमें से एक ने बैग में सामान भरकर नकदी रख ली। जब दोनों संदिग्ध बस में चढ़े तो मैनेजर जहांगीर को बैग में नकदी मिली और उसने संदिग्धों से इसके बारे में पूछताछ की, तभी एक संदिग्ध ने पिस्तौल निकालकर उस पर गोली चला दी।

खम्मम में एक व्यक्ति ने नर्सिंग छात्रा पर फेंका तेजाब

खम्मम, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम में हाल ही में स्थानीय सरकारी नर्सिंग कॉलेज की नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा पर एसिड अटैक का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता के परिवार के सदस्यों के अनुसार गणेश नामक युवक लंबे समय से किशोरी को परेशान कर रहा था और उसे प्यार करने के लिए मजबूर कर रहा था। 13 जनवरी को जब वह खम्मम शहर के श्रीनिवास नगर में अपने घर के सामने रंगोली बना रही थी, तो युवक ने उस पर तेजाब फेंक दिया और वह उससे बचकर घर के अंदर भाग गई। जब लड़की की चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोग इकट्ठा हुए तो गणेश मौके से भाग गया। परिवार के सदस्यों ने उसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। लड़की के एक हाथ और पेट पर जलने के निशान हैं। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। मंगलवार को एसिड अटैक पीड़िता की शिकायत के आधार पर तीन शहरों की पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। छात्रा के पिता की कुछ समय पहले ही मौत हो गई थी और वह अपनी मां और भाई के साथ रह रही थी। परिजनों ने मीडिया को बताया कि आरोपी की प्रताड़ना से तंग आकर छात्रा पहले भी दो बार आत्महत्या का प्रयास कर चुकी है। आरोपी ने छात्रा के भाई वेंकटेश जो बीटेक का छात्र है, को भी धमकी दी थी कि अगर उसने उससे प्यार करने से इनकार किया तो वह उसे जान से मार देगा।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी समय पर आएं:- जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के डॉक्टर और कर्मचारी समय की पाबंदी का कड़ाई से पालन करें। बुधवार को जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी और उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला ने जिले के कागजनगर कस्बे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के वार्डों, रजिस्टरों और आसपास के वातावरण का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि चिकित्सक अस्पताल में आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाएं, आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराएं तथा चिकित्सक व स्टाफ के समय पर जाने का अनुपालन करें। उन्होंने कहा कि अस्पताल के आसपास सफाई रखने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। बाद में, उन्होंने कागजनगर कस्बे में महात्मा ज्योतिबापुले गर्ल्स गुरुकुल स्कूल का दौरा किया और कक्षाओं, रसोईघर और नए मेनू का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को रसोई में साफ-सफाई बनाए रखनी चाहिए, खाना बनाते समय आवश्यक वस्तुओं और ताजी सब्जियों का उपयोग करना चाहिए तथा उपकरणों को पारंपरिक तरीके से व्यवस्थित करना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मोहम्मद सिराज अब हैदराबाद के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे

चैंपियन ट्रॉफी की टीम में नहीं मिली जगह

हैदराबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ लिमिटेड ओवरों की सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया था। उन्होंने पिछले तीन साल में टीम की तरफ से वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लिए, लेकिन इसके बाद भी उनकी अनदेखी की गई। सिराज अब ऐसा होने के बाद घरेलू क्रिकेट खेलते नजर आएंगे।

इस कड़ी में उन्होंने हैदराबाद के लिए आगामी ग्रुप बी रणजी ट्रॉफी मैच के लिए तैयारी शुरू कर दी है, जो पूर्व चैंपियन विदर्भ के खिलाफ 30 जनवरी से 2 फरवरी तक नागपुर में खेला जाएगा। उन्होंने हैदराबाद के जिमखाना मैदान में ट्रेनिंग सेशन के साथ अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

टच में दिखाई दे रहे सिराज

हैदराबाद क्रिकेट एससिएशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'मोहम्मद सिराज हैदराबाद और विदर्भ के बीच अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए तैयार हो गए हैं। उन्होंने आज जिमखाना मैदान में सेशन के साथ अपनी तैयारी शुरू कर दी।' वीडियो में सिराज लोकल बल्लेबाजों को नेट पर पूरी ताकत से गेंदबाजी करते नजर आ रहे हैं।

बता दें कि उनको लेकर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि 30 साल के तेज गेंदबाज ने पुरानी गेंद से अपनी इफैक्टिवनैस खो दी थी और इसलिए ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में भारत के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। बता दें कि 2022 से 2024 तक वनडे मैचों में सिराज ने सिर्फ 22.97 की औसत से 71 विकेट लिए, जो इस पीरियड में किसी भारतीय तेज गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं।

इस साल गुजरात के लिए खेलते दिखेंगे सिराज

पिछले साल मेगा ऑक्शन में सिराज का करियर एक नए शिखर पर पहुंच गया, जब उन्हें गुजरात टाइटंस ने 12.25 करोड़ रुपये में साइन किया। 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस से शुरुआत करने वाले सिराज को लेकर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स में होड़ देखने को मिली, लेकिन आखिर में बाजी गुजरात ने मारी।

हार्दिक पांड्या संग रिश्तों पर खुलकर बोले कप्तान सूर्या

बताया स्टार ऑलराउंडर का कैसा है टीम के प्रति बर्ताव

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाने वाले हार्दिक पांड्या का अगला टी-20 कैप्टन बनना तय माना जा रहा था। रोहित के संन्यास ने इस बात को और मजबूत दे दी थी। मगर अचानक से सूर्यकुमार यादव को क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट के लिए टीम की कमान सौंप दी गई। हार्दिक को कप्तानी तो छोड़िए उपकप्तान की भी जिम्मेदारी नहीं मिली। इंग्लैंड के खिलाफ चुनी गई टीम में हार्दिक के रहते हुए भी अक्षर पटेल को वाइस कैप्टन नियुक्त कर दिया गया। क्या इन सब चीजों से हार्दिक के बर्ताव में बदलाव आया? क्या सूर्या और हार्दिक की दोस्ती पर असर पड़ा? इन तमाम तरह के सवालों के जवाब सूर्यकुमार ने पहले टी-20 मैच से पहले दे दिए हैं।

कप्तान बनने के बाद हार्दिक संग अपने रिश्ते को लेकर सूर्यकुमार ने खुलकर बात की है।

सूर्यकुमार यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टी-20 इंटरनेशनल मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बातचीत करते हुए हार्दिक संग अपनी दोस्ती को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, "मेरा और हार्दिक का रिलेशन काफी अच्छा है। हम दोनों काफी लंबे समय से साथ खेल रहे हैं। मुझे याद है जब मैं साल 2018 में मुंबई इंडियंस की टीम में वापस आया था। तब से लेकर अब तक हमारे बीच रिश्ते एक समान ही हैं। मेरी बस यहां जिम्मेदारी बढ़ गई है, लेकिन मैं और हार्दिक मैदान पर अच्छे दोस्त हैं और हमको पता है कि भारतीय टीम को आगे कैसे लेकर जाना है। अक्षर को इस बार यह जिम्मेदारी दी गई है। हमने देखा था कि उन्होंने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में क्या किया था। वह लंबे समय से टीम का हिस्सा हैं।"

सूर्यकुमार ने आगे कहा, "हार्दिक लीडरशिप ग्रुप का हिस्सा हैं। हम जब भी बैठते हैं, तो इस चीज पर बात करते हैं कि हमको क्या करना है और कैसे टीम को आगे लेकर जाना है। यहां तक कि मैदान पर भी हार्दिक हमेशा सलाह देने के लिए उपलब्ध रहते हैं। ग्राउंड पर हमारे पास कई कप्तान मौजूद रहते हैं।" हार्दिक का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में व्हाइट बॉल क्रिकेट में कमाल का रहा है। सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में हार्दिक ने बल्ले से जमकर धमाल मचाया था। टीम मैनेजमेंट हार्दिक से इंग्लैंड के खिलाफ भी जोरदार प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

आईपीएल की बेस्ट विकेटकीपर प्लेइंग 11

लिस्ट में एक से बढ़कर एक नाम, धोनी टीम के कप्तान

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट ऐसा खेल है, जहां मौजूदा समय में बल्लेबाजों, गेंदबाजों के साथ-साथ अब विकेटकीपर्स का भी बोलबाला देखने को मिलता है। कुछ सालों पहले ऐसा नहीं था और तब विकेटकीपर की जिम्मेदारी काफी हद तक विकेटकीपिंग तक ही सीमित थी। लेकिन अब ऑलराउंडर्स के जमाने में समय बिल्कुल बदल गया है, जहां कीपर विकेटकीपिंग के साथ-साथ बल्लेबाजी, गेंदबाजी और कप्तानी का मोर्चा भी बखूबी संभालते हैं। ऐसा सिर्फ इंटरनेशनल क्रिकेट में ही नहीं बल्कि आईपीएल जैसी दुनियाभर की क्रिकेट लीग में भी देखने को मिला है।

टीम में एक से बढ़कर एक नाम शामिल

पिछले कुछ सालों में आईपीएल में कई प्रभावशाली विकेटकीपर देखने को मिले हैं, जो अपनी

कीपिंग स्किल्स और पावर हिटिंग की काबिलियत के दम पर मैच को अकेले दम पर पलट देते हैं। एडम गिलक्रिस्ट, ब्रेंडन मैकुलम और एमएस धोनी ऐसे ही बड़े नाम हैं, जिनकी पूरी दुनिया में तूती बोलती है। अगर हम आईपीएल इतिहास की बेस्ट विकेटकीपर प्लेइंग इलेवन बनाएं तो इसमें इन तीनों खिलाड़ियों का नाम आना जरूरी है और उनके बगैर इस टीम की कल्पना नहीं की जा सकती है।

धोनी आईपीएल के सबसे सफल कप्तानों में से एक

गिलक्रिष्ट और धोनी ने तो अपनी कप्तानी में टीम को खिताब भी जिताया। धोनी इस लीग के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। इस लिस्ट में आईपीएल की कई टीमों के लिए खेल चुके दिनेश कार्तिक का नाम भी है, जो तेज बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस टीम में ऋषभ पंत भी शामिल हैं, जो दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान के रूप में काम करने के बाद अब इस साल लखनऊ सुपर जायंट्स की कमान संभालते नजर आएंगे।

आईपीएल ने कुछ ऐसे युवा विकेटकीपर खिलाड़ी भी दिए हैं, जिन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। इसमें क्विंटन डी कॉक, ईशान किशन, जॉनी बेयरस्टो, संजू सैमसन और रॉबिन उथप्पा का नाम शामिल है। इन खिलाड़ियों ने छोटी सी उम्र में बड़े-बड़े कीर्तिमान बनाकर खुद इस लिस्ट में अपना नाम शामिल कराया है।

ऐसी है आईपीएल की बेस्ट विकेटकीपर प्लेइंग इलेवन- ब्रेंडन मैक्कुलम, एडम गिलक्रिस्ट, एमएस धोनी (कप्तान), दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत, क्विंटन डी कॉक, ईशान किशन, जॉनी बेयरस्टो, संजू सैमसन, ऋद्धिमान साहा, रॉबिन उथप्पा।

इंडोनेशिया मास्टर्स : सात्विक-चिराग की जोड़ी

दूसरे दौर में, आयुष और तान्या मुख्य दौर में पहुंचे

जकार्ता, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपे के चेन झी रे और लिन यू चीह की जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में जीत के साथ इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी ने अपने शुरुआती मैच में विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर मौजूद चेन और लिन की जोड़ी को 21-16 21-15 से हराया। सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी पिछले दो सप्ताह में दो सेमीफाइनल (मलयेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750) खेल चुकी है।

विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की महिला युगल जोड़ी ने ओरनिचा जोंगसथापोर्नपार्न और सुकित्ता सुवाचाई की थाईलैंड की जोड़ी को 21-6 21-14 से हराया।

सात्विक और चिराग की विश्व की पूर्व नंबर एक पुरुष युगल जोड़ी का अगला मुकाबला इंडोनेशिया के रेमंड इनरा और पात्रा हरपन रिंडोरिंडो की जोड़ी और थाईलैंड के किटिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुवारानुक्रोह की जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

पिछले महीने गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली अश्विनी और तनीषा की जोड़ी का अगला मुकाबला मलेशिया की पेई की गो और मेई जिंग तेओह से होगा।

पुरुष एकल में 2023 ओडिशा मास्टर्स के उपविजेता आयुष शेट्टी ने क्वालीफाइंग चरण में हमवतन किदांबी श्रीकांत को 21-7, 21-15 से हराया, जबकि तान्या हेमंत ने महिला एकल में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को कड़े संघर्ष में 16-21, 21-17, 21-15 से मात दी। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) के कांस्य पदक विजेता आयुष का मुख्य ड्रॉ में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शी यू क्यूई से मुकाबला होगा, जबकि तान्या के सामने थाईलैंड की पूर्व विश्व चैंपियन रत्चानोक इंतानोन की चुनौती होगी।

10 रन भी इस टीम की किसी बल्लेबाज से नहीं बने

न्यूजीलैंड ने हासिल की तूफानी जीत

खेल डेस्क, 22 जनवरी (एजेंसियां)। एक और मैच. एक और छोटा स्कोर. और, वो इसलिए क्योंकि एक भी बल्लेबाज 10 रन भी बनाने में नाकाम रही. यानी वो दहाई के आंकड़े को छूने से पहले ही आउट होकर डगआउट लौट गईं. हम बात कर रहे हैं आईसीसी अंडर 19 महिला T20 वर्ल्ड कप में खेले न्यूजीलैंड बनाम समोआ के बीच मुकाबले की. इस मैच में न्यूजीलैंड का पलड़ा भारी था. और, उम्मीद के मुताबिक मुकाबले का नतीजा भी वैसा ही रहा. यानी पिछले मैच में जैसे नाइजीरिया ने न्यूजीलैंड को हराकर उलटफेर किया था, वैसा कुछ यहां देखने को नहीं मिला. न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट के इतिहास में रनों के हिसाब से अपनी सबसे बड़ी तो नहीं मगर तूफानी जीत जरूर दर्ज की. 17-17 ओवर के मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और 9 विकेट खोकर 107 रन बनाए. न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा 48 रन इव वोलांड ने मारे. समोआ के सामने जीत के लिए लक्ष्य बिल्कुल क्लियर था. उसे 17 ओवर में 108 रन बनाने थे. लेकिन, इस लक्ष्य का पीछा करते हुए समोआ की टीम ऐसे लड़खड़ाई कि एक और छोटा स्कोर रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया.

समोआ की टीम की हालत शुरू से ही पतली दिखी. रेग्यूलर इंटरवल पर उसके विकेट गिरते रहे. सबसे खास चीज ये दिखी कि उसके किसी बल्लेबाज ने दहाई का आंकड़ा नहीं छुआ. मतलब टीम के सारे के सारे बल्लेबाज 10 रन की दहलीज को लांघने से पहले ही सिमट गए. न्यूजीलैंड के खिलाफ समोआ की सबसे सफल बल्लेबाज ने 8 रन बनाए. वहीं 3 बल्लेबाजों ने 6 रन बनाए. 3 बल्लेबाज ऐसे रहे जो खाता खोलने से पहले ही आउट हो गए. समोआ की पूरी टीम 108 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 14.2 ओवर में 40 रन बनाकर सिमट गई, जो कि आईसीसी अंडर 19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में बना 5वां सबसे छोटा स्कोर है. टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे छोटे स्कोर का 16 रन का रिकॉर्ड भी समोआ के ही नाम है, जो कि दो दिन पहले यानी 20 जनवरी 2025 को उसने साउथ अफ्रीका के खिलाफ बनाया था.

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले एबी डिविलियर्स का बड़ा ऐलान

संन्यास वापस लेकर खेलेंगे क्रिकेट, जानें क्यों लिया ये फैसला?

केप टाउन, 22 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच अप्रैल 2018 में खेला था. वहीं आखिरी प्रोफेशनल मैच आईपीएल में 2021 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेला था. इसके बाद से उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था. लेकिन 19 फरवरी से होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी से पहले डिविलियर्स ने एक बड़ा ऐलान किया है. मिस्टर 360 के नाम से मशहूर इस दिग्गज खिलाड़ी ने क्रिकेट के मैदान पर वापसी की बात कहकर सभी फैंस को चौंका दिया है. उन्होंने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया.

कब वापसी करेंगे डिविलियर्स?

एबी डिविलियर्स ने हाल ही में रनिंग विटवीन द विकेट्स पॉडकास्ट पर अपने वापसी की हिंट दी. इस दौरान उन्होंने फिर से क्रिकेट खेलने की इच्छा जताई. हालांकि, वो कब मैदान पर वापस लौटेंगे, इसकी पुष्टि नहीं की. डिविलियर्स ने कहा कि 'मैं जल्द ही क्रिकेट खेल सकता हूं. हालांकि, अभी कुछ भी तय नहीं है.' इस दौरान उन्होंने ये भी साफ किया कि अब वो इंटरनेशनल या कोई प्रोफशनल क्रिकेट नहीं खेलना चाहते हैं. यानि वो साउथ अफ्रीका के लिए या आईपीएल में नहीं खेलेंगे. उन्होंने कहा 'मैं आरसीबी या साउथ अफ्रीका टूर या किसी सीरियस खेल की बात नहीं कर रहा हूं. मैं किसी ऐसे जगह खेलना चाहता हूं, जहां एन्जॉय कर सकूं.'

डिविलियर्स ने क्यों लिया ये फैसला?

डिविलियर्स के फिर क्रिकेट खेलने के पीछे सबसे बड़ी वजह उनके बच्चे हैं. उन्होंने बताया कि वो अपने बच्चों दबाव में आकर ऐसा विचार कर रहे हैं. डिविलियर्स ने खुलासा किया कि वो जल्द ही नेट्स में जाकर प्रैक्टिस करेंगे और देखेंगे कि खेलने लायक है या नहीं. उनके मुताबिक एक आंख से धुंधला दिखता है लेकिन एक आंख बिल्कुल ठीक है. अगर वो बॉलिंग के मशीन के सामने ठीक से खेलने में सफल रहते हैं तो आगे के बारे में तय करेंगे. वो चाहते हैं कि उनके बच्चों और पूरा परिवार उन्हें खेलते हुए देख सके और वो इस खेल का लुत्फ उठा सकें.

डिविलियर्स का करियर

डिविलियर्स ने अपने इंटरनेशनल करियर में 114 टेस्ट मैच खेले थे, जिसमें 50.66 की औसत से 8765 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 22 शतक और 46 अर्धशतक जमाया था. वहीं 228 वनडे मुकाबले में वो 53.50 की औसत से 9577 रन बनाने में कामयार रहे, जिसमें 25 शतक और 53 अर्धशतक शामिल है. इसके अलावा उन्होंने 78 टी20 इंटरनेशनल भी खेला, जिसमें 26.12 की औसत और 135 के स्ट्राइक रेट से 1672 रन बनाए. बात करें आईपीएल की तो डिविलियर्स ने इस टूर्नामेंट के 184 मुकाबलों में 39.71 की औसत और 151 के स्ट्राइक रेट से 5162 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 40 अर्धशतक लगाए. डिविलियर्स ने आईपीएल में शुरू के 3 सीजन में दिल्ली की टीम के लिए खेला था, उसके बाद वो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में गए और अंत तक उसी के साथ जुड़े रहे.

19 वाइड फेंकी, काइरन पोलार्ड ने भी कर दिया था टीम को हरवाने का इंतजाम, टी20 में खेला टेस्ट मैच

खेल डेस्क, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बेशक अंत भला तो सब भला. लेकिन, इसका मतलब ये नहीं कि किसी की बड़ी गलती को नजरअंदाज किया जाए. किसी के धीमे खेल पर सवाल ना किए जाएं. हम बात कर रहे हैं काइरन पोलार्ड की, जो ILT20 में अबु धाबी नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में मुंबई इंडियंस अमीरात के लिए धीमी पारी खेले. इतना ही नहीं इस मैच में वाइड गेंदों की भी झड़ी लगती दिखी. कुल 19 वाइड फेंके गए. अब अगर एक T20 मैच में इतने वाइड डाले जाएंगे तो जरा सोचिए एक्स्ट्रा से बने रनों की ही संख्या कहां तक जा पहुंचेगी? और, वही देखने को भी मिला. टीम के कई बल्लेबाजों के बल्ले से इतने रन निकलते नहीं दिखे, जितने गेंदबाजों ने एक्स्ट्रा फेंककर मैच में बनवा दिए.

आईएलटी20 में मुंबई इंडियंस अमीरात और अबू धाबी नाइट राइडर्स का मैच 21 जनवरी को खेला गया. इस मैच में मुंबई की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन बनाए. हालांकि, काइरन पोलार्ड ने इसमें जिस

तरह से बल्लेबाजी की, उसके मुताबिक यहां तक पहुंचना आसान नहीं होता. वो तो भला हो रोमारियो शेफर्ड और कप्तान निकोलस पूरन का जिन्होंने तेजी से ताबड़तोड़ रन कूटे.

अब सवाल है कि फिर काइरन पोलार्ड ने क्या किया? तो उन जनाब ने इस T20 मैच में टेस्ट मैच का मुजायरा पेश किया. पोलार्ड ने जितने रन नहीं बनाए, उससे ज्यादा गेंदें खेल लीं. उन्होंने सिर्फ 50 की स्ट्राइक रेट से 10 गेंदों में 5 रन बनाए. मतलब मुंबई इंडियंस अमीरात के स्कोर बोर्ड में उनका कोई बड़ा योगदान नहीं रहा.

बहरहाल, अबू धाबी नाइट राइडर्स को जीत के लिए 187 रन का लक्ष्य मिला. मगर उसका पीछा करते हुए वो 20 ओवर में 9 विकेट खोकर बस 158 रन ही बना सके. इस तरह मुंबई इंडियंस अमीरात ने अबू धाबी नाइट राइडर्स को 28 रन से हराते हुए लीग में अब तक खेले 5 मैचों के बाद अपनी तीसरी जीत दर्ज की. इस प्रदर्शन के बाद वो पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर हैं. वहीं अबू धाबी नाइट राइडर्स को लीग में 5 मैचों के बाद तीसरी हार का मुंह देखना पड़ा.

मुकाबले में दोनों टीमों के गेंदबाजों का प्रदर्शन भी गौर करने लायक रहा. इसलिए नहीं कि उन्होंने बहुत कुछ अच्छा किया. बल्कि इसलिए क्योंकि उन्होंने वाइड गेंदों की बौछार कर दी. ऐसा लगा जैसे उनके बीच वाइड फेंकने का भी एक अलग से कॉम्पीटिशन हुआ. अबू धाबी नाइट राइडर्स के गेंदबाजों ने जहां कुल 9 वाइड फेंके. वहीं मुंबई इंडियंस अमीरात ने उनसे एक ज्यादा यानी कुल 10 वाइड फेंकी. इस तरह मैच में कुल 19 वाइड गेंदें देखने को मिली.

इगा स्वियातेक ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं

अमेरिका की नवारो को सीधे सेटों में हराया

मेलबर्न, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने अमेरिका की एम्मा नवारो पर आसान जीत के ऑस्ट्रेलियन ओपन के विमेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं अमेरिका की एक अन्य टेनिस खिलाड़ी मेडिसन कीज भी टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं।

विमेंस सिंगल्स के सेमीफाइनलिस्ट तय हो गए है। पहला सेमीफाइनल वर्ल्ड नंबर-1 आर्याना सबालेंका और स्पेन की पाउला बडोसा के बीच खेला जाएगा। वहीं, दूसरा स्वियातेक और कीज के बीच खेला जाएगा।

स्वियातेक ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में नवारो पर आसान जीत दर्ज की। उन्होंने पहला सेट 6-1 और दूसरा 6-2 से जीता। सेमीफाइनल में स्वियातेक का

मुकाबला 23 जनवरी यानी कल कीज से होगा।

कीज ने स्वितोलिना को हराया

अमेरिका की मेडिसन कीज ने बुधवार को पिछड़ने के बाद वापसी की और जीत दर्ज की। कीज को यूक्रेन की 28वीं सीड एलिना स्वितोलिना के खिलाफ पहले सेट में 3-6 से हार झेलनी पड़ी। इसके बाद उन्होंने कमबैक किया, दूसरा सेट 6-3 और तीसरा सेट 6-4 से जीत लिया।

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। टेनिस के ओलिंपिक चैंपियन जोकोविच ने मेंस सिंगल्स में तीसरी सीड स्पेन के कार्लोस अल्काराज को 4 सेट तक चले मुकाबले में पिछड़ने के बाद हराया। मेलबर्न के रोड लेवर एरिना में दूसरी ओर जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी अपना क्वार्टर फाइनल जीत लिया।

जोकोविच के खिलाफ 21 साल के अल्काराज ने पहला सेट 6-4 से जीता। जोकोविच ने वापसी की और दूसरा सेट 6-4 के अंतर से ही अपने नाम कर लिया। जोकोविच ने अपना दबदबा कायम रखा और आखिरी 2 सेट 6-3, 6-4 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। दूसरी सीड जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अमेरिका के टॉमी पॉल के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जीता। ज्वेरेव को शुरुआती 2 सेट जीतने में मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन उन्होंने 7-6, 7-6 के अंतर से दोनों सेट जीत लिए। पॉल ने वापसी की और तीसरा सेट 6-2 से अपने नाम किया।

ज्वेरेव ने फिर कमबैक किया और चौथा सेट 6-1 के अंतर से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। ऑस्ट्रेलियन ओपन के मेंस सिंगल्स इवेंट में बेस्ट ऑफ 5 होता है। सबसे पहले 3 सेट जीतने वाला प्लेयर विजेता होता है। टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं, चारों हर साल खेले जाते हैं। जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से इसकी शुरुआत होती है।

हैदराबाद को दुनिया का सबसे अच्छा शहर बनाना चाहता हूं : मुख्यमंत्री

दावोस/ हैदराबाद 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने डब्लूईएफ सीआईआई सम्मेलन में शहरी गतिशीलता के चार पहलुओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "मैं हैदराबाद के भविष्य के शहर को शहरी गतिशीलता में दुनिया का सबसे अच्छा शहर बनाना चाहता हूं," उन्होंने कहा, यह अंततः तीन शब्दों पर निर्भर करता है – सबसे तेज़, सबसे हरा-भरा और सबसे कम लागत।

सभा ने ज़ोरदार तालियाँ बजाईं, उनके विचारों को दर्शाते हुए कि गतिशीलता उत्कृष्टता शहरों के भाग्य और भविष्य का फैसला करेगी। उन्होंने कहा कि हम सभी को तेलंगाना में चार करोड़ लोगों को बेहतर परिवहन सुविधाएं प्रदान करने में सहयोग करने के लिए आमंत्रित करते हैं। हमारी सरकार की इच्छा है कि लोग कम लागत में तेज यात्रा कर सकें। सरकार उसके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएगी।

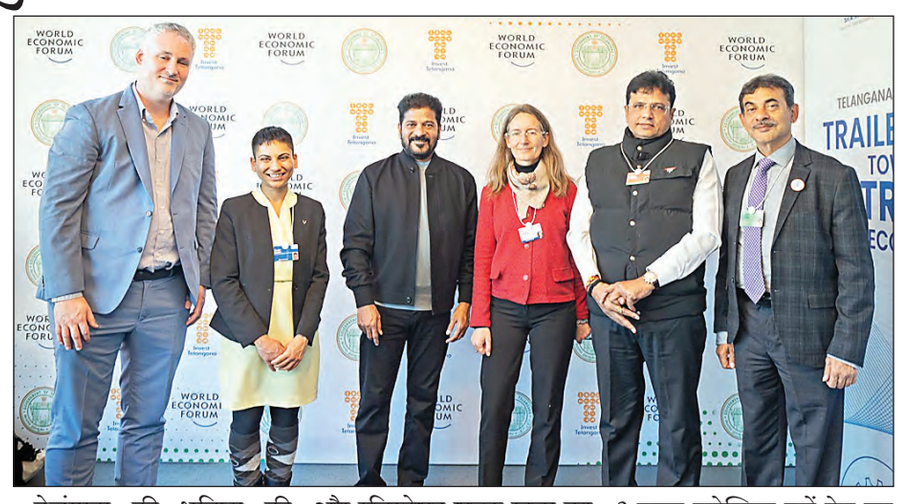

तेलंगाना की भविष्य की विकास योजना के हिस्से के रूप में, हम हैदराबाद में एक भविष्य का शहर बना रहे हैं। हमारी इच्छा हैदराबाद को नेट जीरो शहर बनाने की है। हम चाहते हैं कि हैदराबाद में दुनिया में सबसे अच्छी गतिशीलता के अवसर हों। इलेक्ट्रिक वाहनों पर हमारा विशेष फोकस है। हमने इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क खत्म कर दिया है। तेलंगाना वह राज्य है जहां भारत में सबसे ज्यादा ईवी वाहन बेचे जाते हैं।

केवल गतिशीलता ही हर चीज़ का समाधान नहीं है। वर्तमान परिस्थितियों को पर्यावरण के अनुकूल बनाने की आवश्यकता है। इसीलिए हम ग्रेटर हैदराबाद शहर में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में 3 हजार इलेक्ट्रिक बसें पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ड्राईपोर्ट का निर्माण और विकास वेयरहाउस हब के रूप में किया जा रहा है। भूमि से घिरे राज्य की कमी को पूरा करने के लिए इस शुष्क बंदरगाह को सड़क और रेलवे द्वारा मछलीपट्टनम बंदरगाह से जोड़ा जाएगा। शहरी गतिशीलता शहरों के विकास और उनके भविष्य की नींव है। कम लागत और कम समय में परिवहन वाले शहर लंबे समय तक जीवित रहेंगे। हैदराबाद शहर की आबादी 1.2 करोड़ से ज्यादा है। हम 100 किलोमीटर से अधिक नई मेट्रो लाइनें बना रहे हैं।

यह अब से दोगुना है। मैंने और मेरी टीम ने ज्यूरिख से दावोस तक ट्रेन से यात्रा की। यह एक खूबसूरत यात्रा थी। वर्तमान में हैदराबाद के चारों ओर 160 किमी की बाहरी रिंग रोड है। हम बाहरी रिंग रोड के बाहर 360 किलोमीटर लंबी क्षेत्रीय रिंग रोड का निर्माण कर रहे हैं। हम उन दो रिंग रोड को जोड़ने वाली रेडियल सड़कें भी बनाएंगे। रिंग रोड के अलावा रिंग रेलवे लाइन बनाने की भी योजना है। मैं इस गोलमेज बैठक में शहरी गतिशीलता पर अपने विचार साझा करने का अवसर देने के लिए विश्व आर्थिक मंच, भारतीय उद्योग परिसंघ और हीरो मोटर कॉर्प का आभारी हूं।

यादगिरिगुट्टा का विकास राजनीति से ऊपर उठकर होना चाहिए : कविता

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यदागिरिगुट्टा मंदिर के विकास पर ध्यान न दिए जाने पर निराशा व्यक्त करते हुए बीआरएस नेता और एमएलसी के कविता ने बुधवार को कहा कि नवगठित सरकार ने पिछले एक साल के दौरान मंदिर में कोई भी विकास कार्य नहीं दिखाया है। उन्होंने बुधवार को मंदिर का दौरा किया और मुख्य देवताओं के दर्शन किए। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यादगिरिगुट्टा के विकास को राजनीति से ऊपर उठकर इस स्थल के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व की प्रशंसा की, जिनके नेतृत्व में लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर ने तेजी से विकास किया। उन्होंने कहा कि गिरि प्रदक्षिणा करना एक पुण्य कार्य माना जाता है, और उन्होंने कहा कि मंदिर में जाने से अपार खुशी मिलती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यादगिरिगुट्टा तेलंगाना का सबसे बड़ा तीर्थ स्थल है और इसके विकास के लिए चंद्रशेखर राव द्वारा 1200 करोड़ रुपये के बड़े निवेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि भगवान लक्ष्मी नरसिंह स्वामी पुष्करिणी को विराजा नदी माना जाता है, जो स्वर्ग से उतरी थी, जिससे इस स्थान की पवित्रता बढ़ गई।

गिरि प्रदक्षिणा तेलंगाना के लोगों के लिए एक प्रिय परंपरा है और उन्होंने पूरे राज्य के लोगों से इस पवित्र अनुष्ठान में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मंदिर की सीढ़ियां चढ़कर गिरि प्रदक्षिणा पूरी करना शुभ माना जाता है। कविता ने लोगों की बेहतर सेवा करने के लिए लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के आशीर्वाद के लिए प्रार्थना की, मंदिर के आध्यात्मिक महत्व और तेलंगाना के लोगों के जीवन में इसकी भूमिका को रेखांकित किया।

हाईकोर्ट ने बीआरएस रैतु महा धरने की दी अनुमति

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उच्च न्यायालय ने नलगोंडा में बीआरएस द्वारा 28 जनवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले रैतु महाधरना की अनुमति दे दी है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव क्लॉक टॉवर सेंटर में महाधरना में भाग लेंगे। महाधरना की योजना पहले 20 जनवरी को बनाई गई थी, लेकिन पुलिस द्वारा इसकी अनुमति न दिए जाने के कारण इसे झटका लगा। इसके बाद बीआरएस ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

इस बीच, नगर निगम अधिकारियों ने कथित तौर पर बैनर, बीआरएस के झंडे और तोरण हटा दिए, जिससे तनाव की स्थिति पैदा हो गई। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया, जहां पूर्व विधायक के. भूपाल रेड्डी पर कांग्रेस नेताओं ने हमला किया। टकराव इतना बढ़ गया कि बीआरएस और कांग्रेस सदस्यों के बीच हाथापाई हो गई। इस झड़प में घायल हुए भूपाल रेड्डी ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत दर्ज कराई और इसमें शामिल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

तेलंगाना में एआई डाटासेंटर क्लस्टर में 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश

दावोस/हैदराबाद 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने तेलंगाना में अत्याधुनिक एआई डाटासेंटर क्लस्टर स्थापित करने के लिए सीपीआरएलएस डाटासेंटर लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान समझौते को अंतिम रूप दिया गया।

प्रस्तावित एआई डाटासेंटर क्लस्टर की क्षमता 400 मेगावाट होगी, जो 10,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रतिनिधित्व करता है। इस परियोजना से 3,600 नौकरियां (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) पैदा होंगी और कर राजस्व में वृद्धि के माध्यम से राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने

कहा, "डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रौद्योगिकी में तेलंगाना को वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने की हमारी यात्रा में सीपीआरएलएस के साथ यह सहयोग एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एआई डेटासेंटर क्लस्टर न केवल राज्य की आईटी क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि रोजगार के पर्याप्त अवसर भी पैदा करेगा, जो समावेशी विकास के हमारे दृष्टिकोण में योगदान देगा।" आईटीई और सी विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन ने कहा, "यह साझेदारी आईटी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश का समर्थन करने के लिए तेलंगाना के सक्रिय दृष्टिकोण को उजागर करती है। डेटा सेंटर नीति और टीजी-आईपास ढांचे जैसी हमारी निवेशक-अनुकूल नीतियों के साथ, हम इस ऐतिहासिक परियोजना के निर्बाध निष्पादन में आश्वस्त हैं।"

सीपीआरएलएस डेटासेंटर लिमिटेड के संस्थापक और सीईओ श्रीधर पिन्नापुरेड्डी ने कहा कि वे इस परिवर्तनकारी परियोजना को जीवन में लाने के लिए तेलंगाना सरकार के साथ सहयोग करने के लिए रोमांचित हैं। उन्होंने बताया कि एआई डेटासेंटर क्लस्टर नवाचार, स्थिरता और डिजिटल बुनियादी ढांचे में नए मानक स्थापित करेगा और हमें तेलंगाना की विकास गाथा में योगदान देने पर गर्व है।

बीमार बीआरएस विधायक पद्मराव गौड़ से केटीआर ने की मुलाकात

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक टी पद्मराव गौड़ से उनके आवास पर जाकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। गौड़ को हाल ही में उत्तराखंड की पारिवारिक यात्रा के दौरान दिल का दौरा पड़ा था और हैदराबाद लाए जाने से पहले उन्हें आपातकालीन चिकित्सा उपचार दिया गया था। उनकी सर्जरी हुई है और उनकी हालत स्थिर है। पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, वी श्रीनिवास गौड़ और पुव्वाडा अजय के साथ सांसद वद्दीराजू रविचंद्र और एमएलसी के कविता के साथ रामाराव ने पद्मराव गौड़ के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

हरीश राव ने की किसानों की कर्ज माफी पर श्वेत पत्र की मांग

सिद्दीपेट, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्राम सभा की बैठकों के दौरान अधिकारियों को बड़ी संख्या में किसानों से आवेदन प्राप्त हो रहे हैं, जिन्हें ऋण माफी नहीं मिली है। यह बात सिद्दीपेट नगरपालिका के 15वें वार्ड के अंतर्गत आने वाले गडिचेरला पल्ली में आयोजित ग्राम सभा के दौरान देखने को मिली। जब हरीश राव बैठक में भाग लेने के लिए गांव गए तो उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि छोटे से गांव के 43 किसानों ने शिकायत करते हुए आवेदन दिया था कि उन्हें ऋण माफी का लाभ नहीं मिला। गांव वालों ने हरीश राव को बताया कि कई अन्य किसानों ने तो आवेदन ही नहीं किया क्योंकि उन्हें कर्जमाफी की उम्मीद ही नहीं रही। इन किसानों में वे किसान भी शामिल हैं जिन्होंने 47,000 रुपये तक का फसल ऋण लिया था। राव ने पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के 100 प्रतिशत कर्जमाफी के दावों की खिल्ली उड़ाई। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार अब तक 50 प्रतिशत कर्जमाफी भी पूरी नहीं कर पाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे अपने पैतृक गांव कोंडारेड्डीपल्ली या गडीचेरलापल्ली में किसानों के बीच कर्ज माफी के रेवंत के दावों की पुष्टि करने के लिए एक साथ बैठें। राव ने आगे कहा कि जिन किसानों के नाम 30 नवंबर को तीसरी सूची में थे, उन्हें अब तक कर्जमाफी नहीं मिली। किसानों की कर्जमाफी पर कांग्रेस पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि उनके दावों में कोई पारदर्शिता नहीं है। पूर्व मंत्री ने मांग की कि अगर सरकार में कोई प्रतिबद्धता है तो वह कर्जमाफी पर श्वेत पत्र जारी करे। राव ने कहा कि कर्जमाफी और रैतु भरोसा योजना से इनकार किए जाने के कारण किसान संकट में फंस गए हैं। राव ने दुख जताते हुए कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से तेलंगाना में हर दिन एक किसान आत्महत्या कर रहा है। उन्होंने सरकार से पूछा कि वह रैतु भरोसा योजना के लिए फंड कब जारी करेगी। राव ने सरकार से रैतु भरोसा योजना के लिए 15,000 रुपये देने को कहा।

नारायणपुर जलाशय का काम एक साल के अंदर पूरा हो जाएगा : उत्तम

करीमनगर, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की है कि नारायणपुर जलाशय को शीर्ष परियोजना के रूप में प्राथमिकता दी जाएगी, जिसके लिए एक साल के अंदर इसे पूरा करने के लिए 70 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। करीमनगर जिले के प्रभारी मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने ग्राम सभा के दौरान गंगाधर मंडल के नारायणपुर गांव में आयोजित ग्राम सभा में भाग लिया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सत्तारूढ़ पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ उन्होंने नारायणपुर जलाशय का दौरा किया। अपने संबोधन में उत्तम कुमार रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछली सरकार ने महत्वपूर्ण धनराशि निवेश की, लेकिन वे केवल सीमित क्षेत्र को ही पानी उपलब्ध करा पाए। इसके विपरीत, कांग्रेस सरकार कम लागत पर व्यापक क्षेत्र में पानी पहुंचाने की योजना बना रही है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की कि नारायणपुर जलाशय के निवासियों को जलमग्नता के मुद्दे पर न्याय मिले। उत्तम कुमार रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार चारों पहलों के तहत सभी पात्र व्यक्तियों के लिए योजना को लागू करने के लिए समर्पित है। इसके अलावा, उनका प्रशासन राज्य के सभी क्षेत्रों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगन से प्रयास कर रहा है।

हाइड्रा ध्वस्तीकरण को लेकर हंगामा करने से बस्ती में तनाव

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार दोपहर को चिंतल बस्ती में शादान कॉलेज के पास कथित अवैध ढांचों को गिराने के दौरान खैरताबाद के विधायक दानम नागेंदर ने हंगामा किया, जिससे हल्का तनाव पैदा हो गया। विधायक ने गुस्से में मौके पर पहुंचकर अधिकारियों से चल रहे तोड़फोड़ को रोकने की मांग की। नागेंद्र भी अधिकारियों से नाराज थे और उन्होंने कहा कि स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधि होने के बावजूद उनकी जानकारी के बिना तोड़फोड़ की गई। उन्होंने चेतावनी दी कि तोड़फोड़ को तुरंत रोका जाना

चाहिए और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के दावोस दौरे से लौटने तक किसी भी ढांचे के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि गरीबों के घरों को तोड़ना सही नहीं है। हाइड्रा पर, दानम नागेंदर ने पहले दावा किया था कि उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि वे झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब लोगों पर अपनी ताकत न दिखाएं। उन्होंने कहा कि कई कथित अवैध निर्माण हैं, उन्हें ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए। सैफाबाद पुलिस और खैरताबाद पुलिस के जवान विधायक को शांत करने के लिए मौके पर पहुंचे और सुनिश्चित किया कि वह मौके से चले जाएं। बाद में, उन्होंने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। कानून-व्यवस्था के किसी भी उल्लंघन को रोकने के लिए तोड़फोड़ स्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था।

फुटपाथ विक्रेताओं की समस्याओं का समाधान करेंगे : श्रीनिवास यादव

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज कहा कि फुटपाथ विक्रेताओं की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। जीएचएमसी उत्तरी क्षेत्र के क्षेत्रीय आयुक्त कार्यालय में अधिकारियों की बैठक में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि अधिकांश फुटपाथ विक्रेता गरीब हैं और वे कई वर्षों से छोटे-मोटे व्यवसाय करके जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और अधिकारियों को उनके प्रति मानवीय दृष्टिकोण से काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वे गुरुवार को अधिकारियों के साथ क्षेत्र स्तर का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी के लिए समस्या उत्पन्न होने से रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

तेलुगू एनआरआई लड़की ने यूएई में जीता प्रतिष्ठित पुरस्कार

दुबई, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त अरब अमीरात में एक तेलुगु एनआरआई छात्र ने कक्षाओं में वायु की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए एक अभिनव समाधान, कार्बनस्पंज विकसित करने के लिए प्रतिष्ठित शेख जायद स्थिरता पुरस्कार जीता। आंध्र प्रदेश के एलुरु की मूल निवासी और अबू धाबी की छात्रा 15 वर्षीय मोनिका अक्किनेनी को कार्बन-अवशोषित शैवाल के साथ नारियल के रेशे और प्राकृतिक रबर से बने बायोडिग्रेडेबल कार्बन स्पंज का उपयोग करके कक्षाओं में वायु की गुणवत्ता में सुधार और सीओ2 उत्सर्जन को कम करने की उनकी अभूतपूर्व परियोजना के लिए सम्मानित किया गया।

यूएई के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक शेख मोहम्मद बिन जायद और कई शाही परिवार के सदस्य और उच्च-स्तरीय अधिकारी समारोह में शामिल हुए और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। अबू धाबी में काम करने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर भूपेश और स्वीटी की बेटी मोनिका ने शेख मोहम्मद से पुरस्कार प्राप्त किया। मोनिका ने मुस्कान महेश्वरी (जो एक भारतीय छात्रा भी हैं) के साथ मिलकर अपने स्कूल, मेरीलैंड इंटरनेशनल स्कूल में स्पंज ब्रिक सॉल्यूशन विकसित किया, जिसे मान्यता मिली और उन्होंने ग्लोबल हाई स्कूल श्रेणी में पुरस्कार जीता। मोनिका ने कहा कि शेख मोहम्मद से पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए गर्व का क्षण था। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। पुरस्कार में जलवायु संकट से निपटने के लिए स्वास्थ्य, भोजन, ऊर्जा, जल और जलवायु कार्रवाई श्रेणियों में प्रत्येक विजेता को 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर दिए गए। ग्लोबल हाई स्कूल श्रेणी में छह क्षेत्र शामिल हैं, प्रत्येक स्कूल के लिए पुरस्कार राशि 150,000 अमेरिकी डॉलर है।

सांसद इटेला राजेंद्र के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी के सांसद इटेला राजेंद्र के खिलाफ पोचारम पुलिस ने आपराधिक मामला दर्ज किया है। पुलिस ने उपेंद्र नामक व्यक्ति की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इटाला राजेंद्र और 30 अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि राजेंद्र ने उस पर उस समय हमला किया जब वह सुरक्षा ड्यूटी पर था। हालांकि, भूमि अतिक्रमण के पीड़ितों ने सांसद इटेला राजेंद्र से मुलाकात की और आरोप लगाया कि कुछ लोग पोचारम नगरपालिका सीमा के अंतर्गत एकशिलानगर में उनके भूखंडों पर अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें आतंकित कर रहे हैं। इसके बाद, इटेला ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्थलों का निरीक्षण किया। उसी समय, अतिक्रमणकारियों के छह लोग वहां शराब पीते हुए दिखाई दिए। इटेला ने उनमें से एक पर हमला किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाकी सभी की पिटाई कर दी। चार अन्य मौके से भाग गए। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उपेंद्र और रफीक को ढूंढ निकाला और उनकी पिटाई कर दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया।

तेलंगाना उच्च न्यायालय को मिलेंगे चार अतिरिक्त न्यायाधीश

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय में चार अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति की जाएगी। भारत के राष्ट्रपति ने अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि न्यायमूर्ति तिरुमाला देवी अगले साल 1 जून तक अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में काम करती रहेंगी। इसी तरह, आदेश में यह भी कहा गया है कि न्यायमूर्ति रेणुका यारा, न्यायमूर्ति नरसिंह राव नंदीकोंडा और न्यायमूर्ति मधुसूदन राव दो साल के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में काम करते रहेंगे।

लोगों के स्वास्थ्य से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी : विजयलक्ष्मी

मेयर ने खाद्य निर्माण केंद्रों का औचक निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने चेतावनी दी है कि अगर गुणवत्ता मानकों का पालन किए बिना मिलावटी और अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ तैयार किए जाते हैं और लोगों के स्वास्थ्य और जीवन को खतरे में डाला जाता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बुधवार को मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कुक्टपल्ली जोन के तहत कुतुबुल्लापुर सर्कल सुराराम क्षेत्र में कई पेस्ट्री और मिठाई निर्माण केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इन निरीक्षणों के दौरान मेयर ने पाया कि दुकान में घटिया गुणवत्ता का सामान तैयार किया जा रहा है और बेचा जा रहा है, आटे के बर्तन अस्वच्छ वातावरण में तैयार किए जा रहे हैं और खाद्य सामग्री तैयार करने में न्यूनतम गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आटा, दाल आदि पर मैन्युफैक्चरिंग डेट और एक्सपायरी डेट का अभाव पाया। संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता मानकों का अनुपालन न करने और समाप्त हो चुकी वस्तुओं के भंडारण जैसे मुद्दों पर गौर करने के लिए उचित कदम उठाने का आदेश दिया गया था। इस मौके पर मेयर ने कहा कि लोगों का स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है। ऐसा कहा जाता है कि खराब गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ खरीदने और खाने से बच्चों और वयस्कों को फूड पॉइजनिंग हो जाती है और वे बीमार पड़ जाते हैं। सभी को बाहर का खाना खाते समय सोचने की सलाह दी जाती है. उन्होंने कहा कि घटिया सामान की बिक्री पर

जीएचएमसी सख्ती से कार्रवाई करेगी. उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का पालन किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मेयर ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों की बिक्री को रोकने के लिए ये निरीक्षण जारी रहेंगे। लोगों को ऐसी वस्तुओं के उपयोग के संदर्भ में सोचना चाहिए. उन्होंने कहा कि खासकर छोटे बच्चों में बीमारियों का खतरा अधिक होता है। अभिभावकों को इस बारे में सोचना चाहिए। इस निरीक्षण कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त स्वास्थ्य पंकजा, जीएचएमसी खाद्य सहायता नियंत्रण मुत्यम राजू, खाद्य सुरक्षा अधिकारी लक्ष्मी कांतम, मुख्य सीएम एवं एचओ डॉ. पद्मजा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अब्दुल वकील और अन्य ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.